नई दिल्ली । सोमवार, 27 जुलाई, 2026
आषाढ़ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक : 202/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक

विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली संस्करण

vishwakesari.com

@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल भारत ने 3-0 से जीती सीरीज...
@ विचार क्या धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से शिक्षा व्यवस्था सुधरेगी?...
@ व्यापार बिना परेशानी के आम लोगों को समय पर सेवाएं देना...

परीक्षा सुधारों पर टास्क फोर्स का गठन

इंफोसिस को-फाउंडर नंदन नीलेकणि अध्यक्ष होंगे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को जारी अपने वीडियो संदेश में परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और छात्रों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसी भी कीमत पर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शने वाली नहीं है और ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स प्लेटफॉर्म पर जारी एक वीडियो में कहा कि देश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की धांधली या भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले कई आरोपी जेल में हैं और ऐसे मामलों के त्वरित निपटारे के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था भी की गई है।

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार ने संसद में इस संबंध में कानून बनाने का भी निर्णय लिया है, ताकि परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाया जा सके।

उन्होंने बताया कि परीक्षा सुधारों को लागू करने और आधुनिक तकनीक के अधिकतम उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए विश्व प्रसिद्ध प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में एक हाई-पावर्ड टास्क फोर्स गठित की जाएगी।

प्रधानमंत्री के अनुसार, यह टास्क फोर्स परीक्षा सुधारों पर व्यापक सुझाव देगी और आने वाली परीक्षाओं के लिए स्पष्ट एवं प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करेगी। समिति की रिपोर्ट के आधार पर सरकार आवश्यक सुधारों को लागू करेगी, जिससे परीक्षा प्रणाली अधिक पारदर्शी, तकनीक आधारित और भरोसेमंद बन सके। अपने संदेश के अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य देश के प्रत्येक छात्र के भविष्य की रक्षा करना है और परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह निष्पक्ष एवं आधुनिक बनाना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नंदन नीलेकणी
टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट और इंफोसिस के सह-संस्थापक

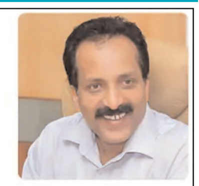

डॉ. एस. सोमनाथ
इसरो के पूर्व अध्यक्ष

तपन डेका
इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) के पूर्व डायरेक्टर

वी. कामकोटी
आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर

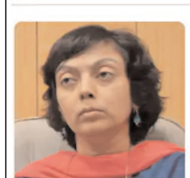

अनीता करवाल
शिक्षा मंत्रालय की पूर्व सचिव

अमृत लाल मीणा
लॉजिस्टिक्स एक्सपर्ट

मीरा बाई चानू ने दिलाया भारत को पहला स्वर्ण पदक

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिला दिया है। उन्होंने विमेंस 48 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग कॉम्पटीशन में 190 किलोग्राम (85 किलोग्राम स्नैच + 105 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड अपने नाम किया।

भारत के अब 3 मेडल (1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज) हो गए हैं। इससे पहले रविवार को ऋषिकांत सिंह ने मेंस 60 किलोग्राम में 264 किलोग्राम (121+143) वजन उठाकर सिल्वर मेडल जीता था। वहीं, शुक्रवार को झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज दिलाकर भारत को पहला मेडल दिलाया था।

भारत अब मेडल टैली सातवें स्थान पर पहुंच गया है। ऑस्ट्रेलिया 12 गोल्ड सहित 24 मेडल के साथ टॉप पर बना हुआ है।

चानू लगातार तीसरी बार चैंपियन बनीं

टोक्यो ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई ने पूरे मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा। स्नैच में 85 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 105 किलोग्राम उठाकर उन्होंने मेडल जीता। यह उनका लगातार तीसरा गोल्ड था। इससे पहले 2018 और 2022 में भी मीराबाई ने गोल्ड जीता था।

ऋषिकांत का दूसरा कॉमनवेल्थ गेम्स

यह ऋषिकांत का दूसरा कॉमनवेल्थ गेम्स है। इससे पहले उन्होंने बर्मिंघम 2022 में 55द्मद्द वर्ग में भारत को रिप्रेजेंट किया था। वे मौजूदा कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के चैंपियन भी हैं।

2009 में मणिपुर स्पोर्ट्स अकादमी से शुरुआत की थी

मणिपुर वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन के सेक्रेटरी और ऋषिकांत सिंह के शुरुआती कोच ब्रोजेंद्रो सिंह ने बताया कि ऋषिकांत ने 2009 में मणिपुर स्पोर्ट्स अकादमी से वेटलिफ्टिंग की शुरुआत की थी। इसके बाद उनका चयन स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सेंटर में हुआ। बाद में वे भारतीय नौसेना से जुड़े और वहां ट्रेनिंग लेने के बाद भारतीय सेना के स्पोर्ट्स सेट-अप का हिस्सा बने।

ब्रोजेंद्रो सिंह ने बताया कि ऋषिकांत के परिवार में दो भाई हैं। उनके बड़े भाई भारतीय सेना में हैं। ऋषिकांत मणिपुर के इंफाल वेस्ट के रहने वाले हैं।

रूस के हमलों से दहला यूक्रेन

खार्किव में ड्रोन स्ट्राइक से एक की मौत, नौ घायल

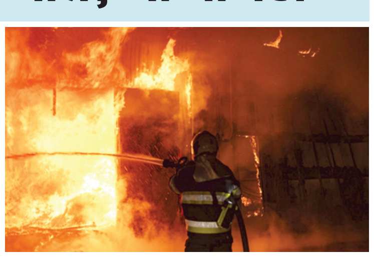

एजेंसी ■ नई दिल्ली

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि रूस ने फिर शनिवार रात बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। इन हमलों में एक बार रिहायशी इमारतों को निशाना बनाया गया है। हमलों में कई लोग घायल हुए हैं। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन लगातार अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर हवाई रक्षा को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है, ताकि ऐसे हमलों से लोगों की जान बचाई जा सके।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'खार्किव में रिहायशी इमारतों पर हुए ड्रोन हमले के बाद मौके पर सभी जरूरी आपातकालीन सेवाएं तैनात कर दी गई हैं। दुख की बात है कि इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो बच्चों समेत नौ लोग घायल हुए हैं। मेरी संवेदनाएं उनके परिवारों और अपने प्रियजनों के साथ हैं।'

जेलेंस्की ने बताया कि क्रिवी रीह में एक आम बिल्डिंग सप्लाई हाइपरमार्केट में लगी आग को बुझाने का काम राज्य आपातकालीन सेवा की टीमें लगातार कर रही हैं।

जेलेंस्की ने पोस्ट में कहा, 'कुल मिलाकर, शनिवार रात रूस ने यूक्रेन पर आठ मिसाइलें और अलग-अलग तरह के 136 ड्रोन दागे। इनमें से कई को मार गिराया गया, लेकिन अफसोस कि सभी को नहीं रोका जा सका।' जेलेंस्की ने कहा कि खेरसॉन, डोनेट्स्क, नीपर, खार्किव, सूमी, ओडेसा, मायकोलाइव, जापोरिज्जिया और चेर्निहाइव क्षेत्रों के साथ-साथ कीव भी हमलों का निशाना बना। राजधानी कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया गया, जिसमें तीन लोग घायल हुए।

जेन जी का मतलब राष्ट्र प्रथम : मोदी

विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम में युवाओं ने पीएम मोदी से साझा किए अनुभव

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026' के प्रतिभागियों से संवाद किया। इस दौरान 'माई भारत' के स्वयंसेवकों ने सीमावर्ती गांवों में अपने अनुभव साझा किए और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के दौरान दिव्यांशु जोशी ने प्रधानमंत्री से कहा कि सभी माई भारत स्वयंसेवकों की ओर से वह यह विश्वास दिलाते हैं कि जेन जी विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए पूरी तरह समर्पित रहेगी। उन्होंने कहा, 'हमारे लिए जेन जी का मतलब केवल एक पीढ़ी नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण, चरित्र-निर्माण, सेवा और नवाचार है। यानी जेन जी का अर्थ है 'राष्ट्र प्रथम'।

दिव्यांशु ने बताया कि सीमावर्ती गांवों के दौरे के दौरान सभी युवाओं ने अपने अनुभवों का दस्तावेजीकरण किया और उन्हें डायरी में दर्ज किया। अब इन सभी अनुभवों को एक विस्तृत सार रिपोर्ट के रूप में संकलित कर जल्द ही प्रधानमंत्री के साथ साझा किया जाएगा।० इसी कार्यक्रम में एलएलबी की छात्रा निकिता ने भी सीमावर्ती हिमालयी क्षेत्रों की अपनी यात्रा का अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा कि एक युवा महिला के रूप में दुर्गम पहाड़ी इलाकों की यात्रा उनके लिए बिल्कुल नया और चुनौतीपूर्ण अनुभव था, लेकिन स्थानीय लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। निकिता ने कहा, 'मैं वहां मेहमान नहीं रही, बल्कि परिवार का हिस्सा बन गई। लोगों ने मुझे अपनी बेटी की तरह अपनाया। मुझे भारत की उन बेटियों पर गर्व है जो निडर होकर देश के सबसे दूरस्थ हिमालयी क्षेत्रों तक पहुंच रही हैं और नए अनुभव लेकर लौट रही हैं। यह केवल सड़क संपर्क में बदलाव नहीं, बल्कि समाज की सोच में भी परिवर्तन का प्रतीक है। ऐसी निडर बेटियां नए भारत की पहचान हैं।'

निकिता की बात पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'निकिता जी, आपको शायद पता होगा कि मैं हर दिवाली पर सीमा पर तैनात हमारे जवानों के बीच जाता हूं। संयोग से दिवाली 2016 में मैं भी सीमा से लगे चांगो गांव गया था।'

अपने अनुभव साझा करते हुए निकिता ने बताया कि धार गांव के दौरे के दौरान उन्होंने महिला सरपंच, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, महिला किसानों, गांव के बुजुर्गों और बच्चों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि महिला प्रधान घर की जिम्मेदारियों के साथ खेती और नौकरी भी संभाल रही थी। निकिता ने मुस्कुराते हुए कहा, 'उन्हें देखकर मुझे फिल्म का मशहूर डायलॉग याद आया कि 'वो स्त्री है, कुछ भी कर सकती है।' कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने युवाओं के अनुभवों की सराहना की और विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया।

प्रह्लाद जोशी ने संभाला शिक्षा मंत्रालय

वरिष्ठ अधिकारियों संग की बैठक

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। रविवार को उन्होंने मंत्रालय का कार्यभार संभाला और शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक भी की। जोशी को यह जिम्मेदारी ऐसे समय सौंपी गई है, जब देश में शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा चल रही है।

गौरतलब है कि राष्ट्रपति द्वारा पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार किए जाने के बाद प्रधानमंत्री की सलाह पर प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। कार्यभार संभालने के बाद प्रह्लाद जोशी ने तुरंत ही शिक्षा मंत्रालय के कामकाज से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत की। दरअसल शिक्षा मंत्रालय देश के भविष्य से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण मंत्रालय है। नए शिक्षा मंत्री के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ उच्च शिक्षा, विद्यालयी शिक्षा, कौशल विकास और अनुसंधान को भी नई गति देने महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रह्लाद जोशी केंद्र सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों में गिने जाते हैं। वह वर्तमान में उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की जिम्मेदारी पहले से ही संभाल रहे हैं। इससे पहले वह संसदीय कार्य मंत्री, कोयला मंत्री और खान मंत्री जैसे महत्वपूर्ण विभागों का का कार्यभार संभाल चुके हैं। उनकी पहचान एक अनुभवी संसदीय रणनीतिकार और संगठनात्मक क्षमता वाले नेता के रूप में रही है। कर्नाटक की धारवाड़ लोकसभा सीट से लगातार पांच बार सांसद चुने जा चुके प्रह्लाद जोशी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं। लंबे संसदीय अनुभव और प्रशासनिक कार्यशैली के कारण उन्हें सरकार में कई अहम जिम्मेदारियां मिलती रही हैं। फिलहाल जोशी के सामने सबसे बड़ी चुनौती देश की परीक्षा प्रणाली में लोगों का विश्वास मजबूत करना है। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता सुनिश्चित करना तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चल रहे सुधारों को गति देना भी उनकी प्राथमिकता है।

ट्रंप की आक्रामक कूटनीति, दुनिया क्यों कर रही है बर्दाश्त?

आयुषी कुमारी ■ बेंगलुरु

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विदेश नीति लगातार अधिक आक्रामक और दबाव आधारित होती जा रही है। व्यापारिक टैरिफ, प्रतिबंधों की धमकी, रक्षा खर्च बढ़ाने का दबाव और वैश्विक संस्थाओं की अनदेखी—इन सबके बीच बड़ा सवाल यह है कि आखिर दुनिया इसका खुला विरोध क्यों नहीं कर पा रही है? इसका सबसे बड़ा कारण मौजूदा वैश्विक आर्थिक सुस्ती और देशों की बढ़ती आर्थिक निर्भरता मानी जा रही है।

विश्व अर्थव्यवस्था पिछले कुछ वर्षों से लगातार दबाव में है। कोविड महामारी के बाद आपूर्ति श्रृंखला संकट, रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ऊंची महंगाई और ऊंची ब्याज दरों ने अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर को प्रभावित किया है। यूरोप की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं कमजोर वृद्धि का सामना कर रही हैं, जबकि चीन की आर्थिक रफ्तार भी पहले जैसी नहीं रही। ऐसी स्थिति में अधिकांश देशों की पहली प्राथमिकता आर्थिक स्थिरता और निवेश बचाना है, न कि अमेरिका से टकराव मोल लेना।

अमेरिका आज भी दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। डॉलर वैश्विक व्यापार और विदेशी मुद्रा भंडार की प्रमुख मुद्रा बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्रणाली, वैश्विक वित्तीय संस्थानों और निवेश प्रवाह पर अमेरिका का प्रभाव इतना व्यापक है कि अधिकांश देश उसके साथ टकराव की कीमत चुकाने की स्थिति में नहीं हैं। यही कारण है कि ट्रंप प्रशासन के कठोर व्यापारिक और कूटनीतिक कदमों पर अक्सर सीमित और संतुलित प्रतिक्रियाएं देखने को मिलती हैं।

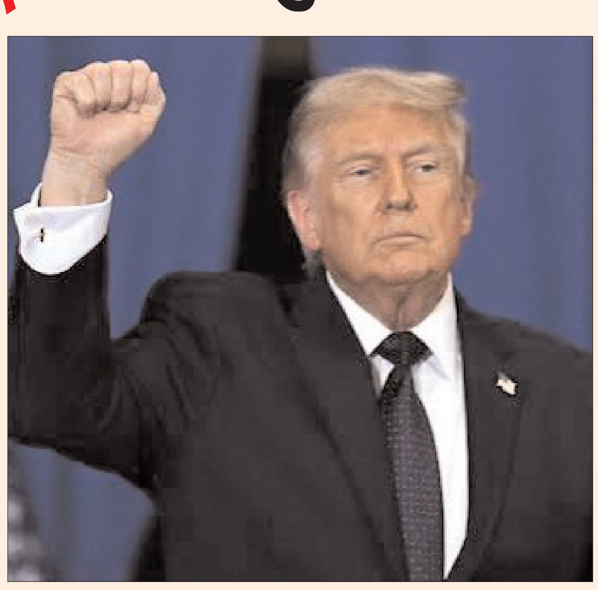

ट्रंप की रणनीति का एक प्रमुख आधार यह संदेश देना भी है कि अमेरिका अपनी आर्थिक और सामरिक शक्ति का पूरा उपयोग करेगा। मित्र देशों पर रक्षा खर्च बढ़ाने का दबाव हो, व्यापारिक असंतुलन के नाम पर टैरिफ लगाने की नीति हो या रणनीतिक साझेदारों से कठोर शर्तों पर समझौते कराने की कोशिश—इन सभी कदमों का उद्देश्य अमेरिकी हितों को प्राथमिकता देना है।

विशेषज्ञों का मानना है कि आर्थिक कमजोरी ने दुनिया की सामूहिक प्रतिक्रिया को भी कमजोर किया है। यदि वैश्विक अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही होती और प्रमुख शक्तियां मजबूत आर्थिक स्थिति में होतीं, तो अमेरिकी दबाव का अधिक संगठित प्रतिरोध संभव था। लेकिन वर्तमान में अधिकांश सरकारें रोजगार, निवेश, निर्यात और घरेलू विकास को लेकर चिंतित हैं। ऐसे में वे अमेरिका के साथ संबंध खराब करने से बचना चाहती हैं।

भारत सहित उभरती अर्थव्यवस्थाएं भी संतुलन की नीति अपनाए हुए हैं। एक ओर वे अमेरिका के साथ व्यापार, प्रौद्योगिकी और निवेश संबंध मजबूत रखना चाहती हैं, वहीं दूसरी ओर अपनी रणनीतिक स्वायत्तता भी बनाए रखने का प्रयास कर रही हैं।

विश्लेषकों का कहना है कि ट्रंप की आक्रामक शैली केवल उनकी व्यक्तिगत राजनीतिक शैली का परिणाम नहीं है, बल्कि वैश्विक आर्थिक कमजोरी ने भी उन्हें अपेक्षाकृत अधिक कूटनीतिक और आर्थिक दबाव बनाने का अवसर दिया है। जब तक विश्व अर्थव्यवस्था मजबूत गति नहीं पकड़ती और बहुध्रुवीय आर्थिक संतुलन और सशक्त नहीं होता, तब तक अमेरिकी शक्ति-प्रदर्शन को खुली चुनौती देना अधिकांश देशों के लिए आसान नहीं होगा।

होर्मुज में तेल टैंकर समुद्री माइन से टकराया

जहाज में आग लगी

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

होर्मुज स्ट्रेट में एक तेल टैंकर समुद्री माइन से टकरा गया, जिसके बाद उसमें आग लग गई। ईरानी न्यूज एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, यह टैंकर तेहरान की ओर से तय किए गए समुद्री मार्ग से अलग रास्ते से जा रहा था, जिसके बाद वह बारूदी सुरंग से टकरा गया। ईरान पहले भी कई बार चेतावनी दे चुका है कि अगर कोई जहाज उसकी ओर से तय किए गए मार्ग से हटकर चलेगा, तो उसके परिणाम की जिम्मेदारी उसी की होगी। फिलहाल इस घटना पर ईरानी अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। नुकसान या हताहतों को लेकर भी अभी कोई पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी से जंग शुरू होने के बाद यह पहली बार है कि इस तरह कोई जहाज समूद्री नेवल माइन से टकराया हो।

कारगिल विजय दिवस पर सेनाध्यक्ष का संदेश, अर्धसैनिक बलों ने बहादुर सैनिकों को नमन किया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रविवार को देशभर में कारगिल विजय दिवस मनाया जा रहा है। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़कर चोटियों पर फिर से कब्जा किया था। ऑपरेशन विजय के अवसर पर सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने भी संदेश दिया है। वहीं, अर्धसैनिक बलों ने बहादुर सैनिकों को नमन किया है।

भारतीय सेना की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ का संदेश साझा किया गया। सेनाध्यक्ष ने अपने संदेश में कहा, 'कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान का अमर प्रतीक है। इस अवसर पर मैं कारगिल के सभी वीरों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिनके पराक्रम और अटूट संकल्प ने राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा करते हुए विजय का स्वर्णिम इतिहास रचा। उनका सर्वोच्च बलिदान भारतीय सेना के प्रत्येक योद्धा के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है। भारतीय सेना राष्ट्र की रक्षा तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति सदैव समर्पित और प्रतिबद्ध है।'

भारतीय नौसेना की ओर से 'एक्स' पोस्ट में लिखा गया, 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।' नौसेना ने आगे लिखा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, अटूट संकल्प और असाधारण सैन्य कौशल का प्रतीक है। 27वें कारगिल विजय दिवस पर हम उन वीर योद्धाओं को नमन करते हैं, जिन्होंने दुर्गम परिस्थितियों में अद्वितीय शौर्य का परिचय देते हुए विजय का इतिहास रचा और तिरंगे की आन, बान और शान को अक्षुण्ण रखा। उन सभी अमर वीरों को विनम्र श्रद्धांजलि, जिन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान देकर हमारे भविष्य को सुरक्षित किया।

भारतीय सेना के स्पीयर कॉर्प्स ने 'एक्स' पर पोस्ट कर जानकारी दी, 'कारगिल युद्ध के वीर नायकों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए स्पीयर कॉर्प्स के अंतर्गत असम राइफल और भारतीय सेना की ओर से असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा में 27वां कारगिल विजय दिवस धूमधाम से मनाया गया। ऑपरेशन विजय के वीर सपूतों को भावभरी श्रद्धांजलि अर्पित की और युवाओं को राष्ट्र सेवा, देशभक्ति एवं एकता के प्रति प्रेरित किया।'

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर सीआईएसएफ ने 'एक्स' पोस्ट कर लिखा, 'कारगिल के हीरोज का सम्मान: बेमिसाल हिम्मत और सबसे बड़े बलिदान को श्रद्धांजलि। कारगिल विजय दिवस पर, सीआईएसएफ भारतीय सेना के उन बहादुर सैनिकों को दिल से श्रद्धांजलि देता है, जिनकी जबरदस्त हिम्मत, पक्के इरादे और सबसे बड़े बलिदान ने 1999 के कारगिल युद्ध में भारत को जीत दिलाई। सीआईएसएफ ने आगे लिखा, 'उनकी बहादुरी की विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी।

कारगिल विजय दिवस पर सूरत में 100 फीट ऊंचे तिरंगे को दी गई सलामी

विश्व केसरी

सूरत। रविवार को गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष संघवी की अगुवाई में सूरत के मोटा वराछा इलाके के राम चौक पर कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम के दौरान 100 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया गया।

कारगिल विजय दिवस के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम में जन-प्रतिनिधि, स्थानीय नेता, छात्र और आम लोग एक साथ आए, ताकि 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जा सके। सुदामा चौक के पास राम चौक पर लगाया गया 100 फुट ऊंचा तिरंगा, मोटा वराछा इलाके में एक स्थायी पहचान (लैंडमार्क) बन गया है।

सभा को संबोधित करते हुए संघवी ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज का लगाया जाना सिर्फ एक ढांचा खड़ा करने से कहीं ज्यादा है। यह देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और साहस के मूल्यों को दर्शाता है। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ झंडा फहराना नहीं है, बल्कि देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, वीरता और गौरवशाली भारत में अटूट विश्वास का जीवंत प्रतीक है। यह ऐतिहासिक पहल पूरे इलाके के लिए गर्व का क्षण बन गई है और आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति की भावना से प्रेरित करती रहेगी।'

कारगिल विजय दिवस के मौके पर कार्यक्रम में शामिल लोगों को बधाई देते हुए संघवी ने कहा कि उन्हें नागरिकों, छात्रों और परिवारों को एक साथ देखकर खुशी हुई, जो राष्ट्रीय गौरव के इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने। ध्वजारोहण समारोह के बाद हर्ष संघवी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अखंड भारत के निर्माता सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके बाद कारगिल युद्ध के दौरान देश के शहीद सैनिकों के बलिदान को याद करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा बनाए रखने और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का सामूहिक संकल्प भी लिया। इस संकल्प के जरिए लोगों से राम चौक पर तिरंगे का सम्मान बढ़ाने और देश का गौरव बनाए रखने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रफुल्ल पानशेरिया के साथ-साथ स्थानीय निवासी और छात्र भी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

बाजवा ने पंजाब के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर स्पीकर को लिखा पत्र

विश्व केसरी

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां को पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा कि आगामी 3 अगस्त से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र के दौरान पंजाब से जुड़े विभिन्न गंभीर एवं जनहित के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा के लिए पर्याप्त समय निर्धारित करने का आग्रह किया है। बाजवा ने कहा कि पंजाब विधानसभा राज्य की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है और इसे जवाबदेही, पारदर्शिता तथा जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक विमर्श का प्रभावी मंच बनना चाहिए। उन्होंने स्पीकर से आग्रह किया कि प्रत्येक महत्वपूर्ण मुद्दे पर पर्याप्त समय दिया जाए ताकि जनता से जुड़े सवालों पर जल्दबाजी में कार्यवाही न हो। अपने पत्र में बाजवा ने मांग की कि प्रस्तावित 'जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2008' का मसौदा सभी विधायकों को कम से कम दो से तीन दिन पहले उपलब्ध कराया जाए ताकि वे उसका गहन अध्ययन कर सकें। उन्होंने इस विधेयक पर धारा-दर-धारा विचार-विमर्श के लिए दो से तीन दिन की विशेष बहस कराने की भी मांग की।

धोखाधड़ी के मामले में गुजरात पुलिस ने सिडनी में रह रहे भारतीय के 11 लाख रुपए वापस दिलाए

विश्व केसरी

नई दिल्ली। गुजरात में अमरेली साइबर क्राइम पुलिस ने पुलिस और बैंकिंग सिस्टम के साथ मिलकर कुछ ही हफ्तों में सिडनी में रहने वाले एक भारतीय नागरिक से जुड़े साइबर धोखाधड़ी के मामले को सुलझाया और 11 लाख रुपए बरामद किए। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में रहने वाले भारतीय नागरिक सौरभ जॉली को उनके पैसे वापस मिल गए। उन्होंने जून में अमरेली पुलिस से ईमेल के जरिए संपर्क किया था, क्योंकि उन्होंने सोना खरीदने के लिए पेमेंट किया था, लेकिन उन्हें सोना कभी नहीं मिला। अमरेली के पुलिस अधीक्षक संजय खरात के अनुसार, मूल रूप से नई दिल्ली के रहने वाले जॉली ने अप्रैल में सोना खरीदने के लिए अमरेली के एक व्यक्ति को 11 लाख रुपए ट्रांसफर किए थे। पेमेंट करने के बावजूद उन्हें सोना नहीं मिला और विदेश में होने के कारण उन्हें यह पक्का नहीं था कि उनकी शिकायत का जल्द समाधान हो पाएगा या नहीं। खरात ने कहा, जैसे ही हमें ईमेल से उनकी शिकायत मिली, हमने तुरंत जांच शुरू की और उन्हें पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया। हमारी साइबर क्राइम टीम ने संबंधित बैंक के साथ तालमेल बैठाया, मामले पर लगातार नजर रखी और जांच के दौरान शिकायतकर्ता को जानकारी देती रही।

शिवकाशी में अवैध पटाखा गोदाम में भीषण विस्फोट, तीन की मौत, कई घायल

विश्व केसरी

शिवकाशी। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के शिवकाशी के पास रविवार को एक अवैध पटाखा गोदाम में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। विस्फोट के बाद लगी भीषण आग और लगातार हुए धमाकों से पूरे इलाके में दहशत फैल गई।

यह हादसा शिवकाशी तालुक के सेंगामलपट्टी गांव में हुआ, जहां एक अवैध गोदाम और निर्माण इकाई में कथित तौर पर पटाखे बनाने का काम चल रहा था। तेज धमाके से इमारत को भारी नुकसान पहुंचा, जबकि लगातार हो रहे पटाखों के विस्फोट से आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही अग्निशमन एवं बचाव विभाग की टीम और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। कई घंटों की मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया और मलबे में फंसे लोगों की तलाश शुरू की। शुरुआत में पुलिस ने दो लोगों की मौत की पुष्टि की थी, लेकिन बचाव अभियान के दौरान मलबे से एक और शव बरामद होने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को शिवकाशी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। इनमें से कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है और डॉक्टर उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह गोदाम बिना आवश्यक अनुमति के संचालित किया जा रहा था। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि विस्फोट किस वजह से हुआ और क्या सुरक्षा मानकों के उल्लंघन, विस्फोटक सामग्री के गलत भंडारण या अवैध निर्माण गतिविधियों ने इस हादसे को जन्म दिया।

सोसायटी में बोरवेल के गड्ढे में डूबने से 6 वर्षीय मासूम की मौत के मामले में ठेकेदार पर एफआईआर

विश्व केसरी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-2 स्थित कलाधाम सोसायटी में शनिवार की शाम हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। सोसायटी परिसर में नलकूप (बोरवेल) निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे में भरे पानी में डूबने से छह वर्षीय मासूम अव्यान सूर्या की मौत हो गई। इस घटना के बाद ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने मामले को गंभीरता से लेते हुए ठेकेदार और जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्राधिकरण के अनुसार, कलाधाम सोसायटी में जलापूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए तीन दिन पहले नलकूप निर्माण का कार्य शुरू किया गया था। आरोप है कि निर्माण कार्य शुरू करने से पहले ठेकेदार ने जल विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना नहीं दी और न ही कार्यस्थल पर सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम किए। गड्ढे के चारों ओर बैरिकेडिंग या अन्य सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने के कारण उसमें पानी भर गया, जो बाद में एक बड़े हादसे का कारण बन गया। शनिवार देर शाम सोसायटी में रहने वाले केंद्रीय विद्यालय के उप प्रधानाचार्य सीवान यादव का छह वर्षीय पुत्र अव्यान सूर्या खेलते-खेलते पानी से भरे गड्ढे में गिर गया। जब तक लोगों को घटना की जानकारी हुई और बच्चे को बाहर निकाला गया, तब तक उसकी डूबने से मौत हो चुकी थी। इस हादसे के बाद सोसायटी में शोक और आक्रोश का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एनजी रवि कुमार ने मामले का संज्ञान लेते हुए तत्काल अधिकारियों को मौके पर भेजा।

'क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस' से शुरू हुआ सीआरपीएफ का सफर; सरदार पटेल की कल्पना ने दी नई दिशा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की स्थापना के दिन से ही इसका इतिहास वीरता भरे कारनामों और शौर्य गाथाओं से भरा हुआ है। यह बल इसकी कार्यप्रणाली और गतिविधियों की दृष्टि से राज्यों के डकैती रोधी ऑपरेशनों और आंतरिक कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्यों मात्र के लिए न सिर्फ पुलिस बल रहा है, बल्कि आज इसकी ड्यूटी आतंकवाद और विद्रोहियों से मुकाबले के लिए इसके मूल कार्यक्षेत्र से परे और अधिक बढ़ती जा रही है। ड्यूटी के लिए दृढ़ निष्ठा की गाथा, कुछ शानदार उपलब्धियां और बलिदानों की दास्तान भविष्य में लंबे समय तक बल के सदस्यों को प्रेरित करती रहेगी।

आंतरिक सुरक्षा के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) भारत संघ का प्रमुख केंद्रीय पुलिस बल है। यह सबसे पुराना केंद्रीय अर्द्ध सैनिक बल में से एक है, जिसे 1939 में क्राउन रिप्रजेंटेटिव पुलिस के रूप में गठित किया गया था। क्राउन रिप्रजेंटेटिव पुलिस की ओर से भारत की तत्कालीन रियासतों में आंदोलनों, राजनीतिक अशांति और साम्राज्यिक नीति के रूप में कानून व्यवस्था बनाए रखने में लगातार सहायता करने की इच्छा के मद्देनजर, 1936 में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मद्रास संकल्प के मद्देनजर सीआरपीएफ की स्थापना की गई। आजादी के बाद 28 दिसंबर, 1949 को संसद के एक अधिनियम के जरिए इस बल का नाम केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल दिया गया था। तत्कालीन गृह मंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल ने नव स्वतंत्र राष्ट्र की बदलती जरूरतों के अनुसार इस बल के लिए एक बहुआयामी भूमिका की कल्पना की थी।

सदर्न जोनल काउंसिल के लिए तमिलनाडु सरकार ने दो कैबिनेट मंत्रियों को किया नामित

विश्व केसरी

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने केंद्र के अहम अंतर-राज्यीय समन्वय मंच, 'सदर्न जोनल काउंसिल' (दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद) में राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए दो कैबिनेट मंत्रियों को नामित किया है। मई में सत्ता में आई टीवीके के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के तहत इस निकाय में ये पहली नियुक्तियां हैं।

सरकार द्वारा जारी एक राजपत्र अधिसूचना के मुताबिक, ऊर्जा संसाधन और कानून मंत्री आर. निर्मलकुमार और स्कूली शिक्षा, तमिल विकास, सूचना और प्रचार मंत्री राजमोहन को परिषद का सदस्य नामित किया गया है। वे मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के साथ तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व करेंगे। विजय इस उच्च-स्तरीय मंच पर राज्य के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हैं। सरकार ने प्रशासनिक प्रतिनिधित्व का भी विस्तार किया है और गृह, निषेध और आबकारी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के. मणिवासन को सदर्न जोनल काउंसिल का दूसरा सलाहकार नियुक्त किया है। वह मुख्य सचिव एम. साईकुमार के साथ काम करेंगे, जो परिषद के लिए राज्य के प्रधान सलाहकार बने रहेंगे। ये नियुक्तियां 'राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956' के प्रावधानों के तहत जारी जीओएमएस नंबर 461 के माध्यम से अधिसूचित की गईं। यह आदेश 2021 में जारी सरकारी आदेश के तहत पिछली सरकार द्वारा किए गए नामांकन की जगह लेता है।

जम्मू-कश्मीर में यात्राएं फिर से शुरू, वैष्णो देवी में 18,000 और अमरनाथ गुफा में 4,000 श्रद्धालु पहुंचे

विश्व केसरी

श्रीनगर। खराब मौसम के कारण छह दिन तक बंद रहने के बाद जम्मू-कश्मीर में धार्मिक यात्राएं शुरू हो गई हैं। इसके बाद 18,000 से ज्यादा लोगों ने माता वैष्णो देवी मंदिर में मत्था टेका और 4,000 लोगों ने अमरनाथ की पवित्र गुफा के दर्शन किए।

अधिकारियों ने बताया कि छह दिनों तक बंद रहने के बाद शनिवार को दोनों यात्राएं फिर से शुरू हो गईं। शनिवार शाम तक 4,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने अमरनाथ की पवित्र गुफा में पूजा-अर्चना की, जबकि जम्मू इलाके के कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर में 18,000 तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि रियासी जिले में शिव खोरी मंदिर की यात्रा आज लगातार सातवें दिन भी बंद रही।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) द्वारा जम्मू-कश्मीर में 19 से 24 जुलाई के बीच खराब मौसम की भविष्यवाणी के बाद 18 जुलाई को श्री अमरनाथ जी, माता वैष्णो देवी और शिव खोरी समेत सभी यात्राएं रोक दी गई थीं। 3 जुलाई को शुरू हुई 57 दिनों की यात्रा के दौरान अब तक दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में स्थित पवित्र गुफा के लगभग चार लाख तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि सुबह के समय गुफा मंदिर इलाके में मौसम सूखा था, लेकिन दोपहर में हल्की बारिश हुई और यात्रा सुचारू रूप से चलती रही। अधिकारियों ने बताया कि वैष्णो देवी में फंसे और अलग-अलग होटलों व धर्मशालाओं में रुके 18,000 तीर्थयात्रियों ने शनिवार शाम तक पुराने रास्ते से पवित्र मंदिर में दर्शन किए। हालांकि, पत्थर गिरने के खतरे को देखते हुए एहतियात के तौर पर तीर्थयात्रा के लिए नया रास्ता बंद कर दिया गया था। शाम को भारी बारिश के कारण यात्रा रोक दी गई थी।

मौसम में सुधार और उधमपुर-रामबन हिस्से में कई जगहों पर भूस्खलन और पत्थर गिरने के कारण बंद हुए जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे के दोबारा खुलने के बाद अमरनाथ यात्रा फिर से शुरू हो गई।

मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने सादगी, विज्ञान और सपनों से गढ़ी नए भारत की पहचान

विश्व केसरी

नई दिल्ली। मिसाइल मैन के नाम से मशहूर पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम का निधन 27 जुलाई 2015 को गया था, लेकिन उनके किए गए कार्य और सादगी आज भी लोग याद करते हैं। उनकी आवाज आज भी स्कूलों, किताबों, मिसाइल प्रक्षेपणों में और हर उस युवा के सपनों में गूंजती है, जो कुछ बड़ा करना चाहता है।

डॉ. कलाम की पंक्तियां 'सपना वो नहीं है जो आप सोते समय देखते हैं, बल्कि वो है जो आपको सोने नहीं देता। किसी को हराना बहुत आसान है, लेकिन किसी का दिल जीतना बहुत मुश्किल है।' आज भी लोगों लोकप्रिय हैं। एपीजे अब्दुल कलाम का पूरा नाम डॉ. अवुल पकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम है। मछुआरे के घर में जन्मे अब्दुल कलाम ने रामेश्वरम की गलियों से चलकर राष्ट्रपति भवन की दहलीज तक का सफर तय किया और मिसाइल तकनीक से लेकर बच्चों के मन तक में अपनी अमिट छाप छोड़ी। उनका जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के एक छोटे से गांव रामेश्वरम में हुआ था। नके पिता ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं थे, लेकिन जीवन की सच्ची शिक्षा डॉ. अब्दुल कलाम साहब ने उन्हीं से सीखी। डॉ. कलाम ने अपनी आत्मकथा 'विंग्स ऑफ फायर' में इसका जिक्र भी किया है।

पांच भाई-बहनों में सबसे छोटे होने के बावजूद कलाम ने गरीबी के हालात में भी अपनी पढ़ाई जारी रखी। उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की और 1958 में डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) से जुड़ गए। 1969 में वे इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) चले गए ।

अनुकंपा नियुक्ति पर शादीशुदा बेटी को भी मिलेगा हक

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। अनुकंपा नियुक्ति के मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि शादीशुदा बेटी को महज इस वजह से बाहर नहीं किया जा सकता कि उसकी शादी हो चुकी है और वह अपने पति पर निर्भर है। कोर्ट ने कहा कि निर्भरता तय करने के लिए सबूत देखे जाने चाहिए, न कि सिर्फ अनुमान लगाए जाएं। इसी के साथ बैंक को याचिकाकर्ता के आवेदन पर 30 दिन के भीतर दोबारा फैसला लेने को कहा गया है।

मामला क्या था

याचिकाकर्ता के पिता बैंक ऑफ महाराष्ट्र में डिप्टी मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। उनके निधन के बाद बेटी ने अनुकंपा के आधार पर नौकरी के लिए आवेदन दिया। बैंक ने आवेदन यह कहते हुए खारिज कर दिया कि शादी हो जाने के कारण अब वह पति पर निर्भर है, इसलिए दिवंगत कर्मचारी की आश्रित नहीं मानी जा सकती। इसके खिलाफ बेटी हाईकोर्ट पहुंची। उसने कहा कि वह आर्थिक रूप से पिता पर निर्भर थी और बैंक की नीति में शादीशुदा बेटियों के लिए कोई रोक नहीं है।

हाईकोर्ट ने कही ये अहम बातें

शादीशुदा होना अयोग्यता नहीं: कोर्ट ने कहा कि शादीशुदा होना अपने आप में किसी बेटी को अनुकंपा नियुक्ति से बाहर करने का आधार नहीं हो सकता, जब तक नीति में उसे स्पष्ट रूप से मना न किया गया हो।

नीति में भेदभाव नहीं: बैंक की नीति की जांच में पाया गया कि 'आश्रित परिवार के सदस्य' की परिभाषा में बेटी शामिल है। इसमें शादीशुदा और अविवाहित बेटियों के बीच कोई अंतर नहीं किया गया।

सबूत जरूरी: याचिकाकर्ता ने कहा था कि वह पिता पर निर्भर थी। बैंक ने इसके विपरीत कोई सबूत नहीं दिया, बल्कि सिर्फ शादी के आधार पर अनुमान लगाया।

संविधान का उल्लंघन: सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि वैवाहिक स्थिति के आधार पर शादीशुदा बेटियों को बाहर रखना लिंग-आधारित रूढ़िवादी सोच है। यह संविधान के अनुच्छेद 14 और 15(1) का उल्लंघन है। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ शादीशुदा होने के आधार पर बाहर करना मनमाना है।

हाईकोर्ट ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र को निर्देश दिया कि वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ता के आवेदन पर 30 दिन के भीतर नए सिरे से विचार करे और कानून के अनुसार निर्णय ले।

पेंशनर्स महासंघ ने 5 अगस्त को मुख्यमंत्री के नाम सौंपेगा ज्ञापन

विश्व केसरी

रायपुर। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ, छत्तीसगढ़ के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने बताया कि राज्य के पेंशनरों को केंद्र सरकार के समान जनवरी 2026 से देय 2% महंगाई राहत (डीआर) एरियर सहित दिलाने के लिए महासंघ द्वारा प्रदेशव्यापी अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि महासंघ के निरंतर प्रयासों से दोनों राज्यों के मध्य सहमति लेने-देने की प्रक्रिया समाप्त कराने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। अब महासंघ का पूरा प्रयास छत्तीसगढ़ शासन से जनवरी 2026 से देय 2% डीआर का आदेश एरियर सहित जारी कराने पर केंद्रित है। इसी उद्देश्य से महासंघ के प्रांतीय आव्हान पर बुधवार, 5 अगस्त 2026 को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में जिला शाखाओं द्वारा कलेक्टर के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन में केवल जनवरी 2026 से देय 2% महंगाई राहत (डीआर) का आदेश एरियर सहित जारी करने की एकसूत्रीय मांग रखी जाएगी। प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने प्रदेश के सभी जिला अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों से अपील की है कि वे इस कार्यक्रम को पूर्ण अनुशासन, एकरूपता एवं संगठनात्मक गरिमा के साथ सफल बनाएं, जिससे राज्य के लाखों पेंशनरों की न्यायोचित मांग शासन तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके।

आकाशीय बिजली की चपेट में आकर 3 किसान की मौत

विश्व केसरी

कोरबा (बबलू श्रीवास)। जिले के सलोरा-छुरी गांव में शनिवार को बिजली गिरने से 3 किसानों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब 25 से 30 किसान खेत में धान की रोपाई कर रहे थे। घटना कटघोरा थाना क्षेत्र के छुरी बकरा बाजार स्थित खेत की है। पश्चिम बंगाल तट पर बने लो प्रेशर एरिया का असर अब छत्तीसगढ़ में दिखाई देने लगा है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी बारिश और गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है।

शनिवार को कोरबा के सलोरा-छुरी गांव में 25 से 30 किसान एक साथ खेत में धान की रोपाई कर रहे थे। दोपहर बाद अचानक मौसम बदला और तेज बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान खेत की मेढ़ पर आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से तीन किसान गंभीर रूप से झुलस गए।

घटना के बाद खेत में मौजूद अन्य किसानों ने तीनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कटघोरा पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों में बहुरन (44) लक्ष्मी चंद (48) और श्याम साहू (58) शामिल है, तीनों सलोरा-छुरी के ही रहने वाले थे।

रविवार को प्रदेश के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी बारिश, गरज-चमक और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है।

प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 33.0 डिग्री सेल्सियस रायपुर में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस पेंड्रा रोड में रिकॉर्ड हुआ।

अगले 48 घंटों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। कई स्थानों पर मध्यम बारिश और कुछ इलाकों में भारी से अति भारी वर्षा हो सकती है।

रायपुर शहर में आसमान सामान्यतः बादलों से घिरा रहेगा। एक-दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

संक्षिप्त खबरें

अंतर-क्षेत्रीय शतरंज में रायपुर सेंट्रल और कोरबा वेस्ट बने चैंपियन

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज की अंतर-क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित शतरंज प्रतियोगिता के पुरुष टीम वर्ग में रायपुर सेंट्रल चैंपियन तथा दुर्ग रीजन उपविजेता रहा। महिला टीम वर्ग में कोरबा वेस्ट ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि रायपुर सेंट्रल उपविजेता रहा। 22 से 24 जुलाई तक जगदलपुर में आयोजित अंतर-क्षेत्रीय कैरम प्रतियोगिता में भी विभिन्न क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। महिला एकल वर्ग में रायपुर (सेंट्रल) की कंचन महेश ठाकुर विजेता तथा नमिता जैन उपविजेता रहीं। महिला युगल वर्ग में भी दोनों की जोड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि दुर्ग की शकुंतला कारक एवं अनीता रोही की जोड़ी उपविजेता रही। पुरुष एकल वर्ग में कोरबा (वेस्ट) के विनोद राठौर विजेता तथा जगदलपुर के कमलेश ठाकुर उपविजेता रहे। पुरुष टीम स्पर्धा में जगदलपुर ने खिताब अपने नाम किया, जबकि दुर्ग उपविजेता रहा। प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक अधीक्षण अभियंता पंकज चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर महिला वर्ग में कंचन महेश ठाकुर, नमिता जैन, शकुंतला कारक, रीना पुरी गोस्वामी, अनीता रोही एवं कविता ठक्कर तथा पुरुष वर्ग में विनोद राठौर, कमलेश ठाकुर, एस.के. मोदी, पी. नागेश्वर राव, शुभम बंचोरे, कमलेश साहू, सुशांत कटाकवार एवं सलीम खान का चयन किया गया है। चयनित खिलाड़ी 4 से 6 अगस्त 2026 तक आंध्र प्रदेश के तिरुपति में आयोजित 48वीं ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की राष्ट्रीय कैरम एवं शतरंज प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज का प्रतिनिधित्व करेंगे।

ज्योतिषाचार्य भास्कर प्रसाद द्विवेदी का निधन

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण कुमार)। क्षेत्र के प्रतिष्ठित ज्योतिषाचार्य एवं ज्ञानी भास्कर प्रसाद द्विवेदी (77 वर्ष), निवासी कटगी, का निधन हो गया। उनके निधन की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। वे अपने सरल, सौम्य एवं विद्वतापूर्ण व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। वर्षों तक उन्होंने ज्योतिष के क्षेत्र में अपनी सेवाएं देते हुए लोगों का मार्गदर्शन किया और समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त किया। स्वर्गीय द्विवेदी अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। वे राकेश चन्द्र द्विवेदी एवं योगेश चन्द्र द्विवेदी के पिता थे। उनके निधन पर परिजनों, रिश्तेदारों, शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। रविवार को स्थानीय मुक्तिधाम में पूरे विधि-विधान एवं शोकपूर्ण वातावरण में उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में परिजन, मित्र, समाज के गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में कारगिल विजय दिवस ली गई शपथ

विश्व केसरी

रायपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कृषि महाविद्यालय, रायपुर के सेमिनार हॉल में एक गरिमामय एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों से राष्ट्रीय सेवा योजना के लगभग 80 स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित, कारगिल युद्ध के वीर योद्धा एवं भूतपूर्व सैनिक सुबेदार मेजर श्री गोवर्धन शर्मा थे। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुखी निषाद द्वारा किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राम कुमार ठाकुर, डॉ. पायल जायसवाल एवं डॉ. आशुतोष दुबे भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत से हुआ। इसके पश्चात अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं स्वयंसेवकों को देश की संप्रभुता, एकता एवं अखंडता की रक्षा हेतु राष्ट्रीय संकल्प (शपथ) अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा द्वारा दिलाया गया। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में सुबेदार मेजर गोवर्धन शर्मा ने कारगिल युद्ध के अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि भारतीय सैनिकों ने अत्यंत विषम एवं दुर्गम परिस्थितियों में अदम्य साहस, धैर्य और राष्ट्रभक्ति का परिचय देते हुए शत्रुओं का डटकर सामना किया। उन्होंने युद्ध के दौरान अनेक वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान एवं घायल जवानों के साहस का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से राष्ट्रप्रेम, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा को अपने जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने भी मुख्य अतिथि से संवाद कर उनके अनुभवों से प्रेरणा प्राप्त की। इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने अपने संदेश में छात्र-छात्राओं से राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने, देश के प्रति समर्पित रहने तथा एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान कारगिल युद्ध सहित देश की रक्षा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले सभी अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हेतु दो मिनट का मौन रखा गया।

महिलाओं पर आपत्तिजनक पोस्ट! कांग्रेस नेताओं पर होगी एफआईआर

विश्व केसरी

रायपुर। सोशल मीडिया पर महिलाओं के सम्मान के खिलाफ कथित आपत्तिजनक पोस्ट, फोटो और AI जनित वीडियो साझा करने के मामले में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए कांग्रेस नेताओं संजय बघेल और सुरेन्द्र वर्मा के खिलाफ FIR दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने पुलिस से तीन दिन के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट भी मांगी है।

आयोग के मुताबिक, दोनों नेताओं पर फेसबुक पर महिलाओं के खिलाफ कथित अमर्यादित टिप्पणियां और आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने का आरोप है। यदि किसी आपत्तिजनक फोटो या वीडियो को AI की मदद से बनाया गया है, तो उसकी भी जांच होगी। आयोग ने सामग्री बनाने, पोस्ट करने और प्रसारित करने वाले सभी जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मामले में IT Act की धारा 67 और BNS की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

महिला आयोग ने साफ कहा है कि महिलाओं की गरिमा और सम्मान के खिलाफ सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की आपत्तिजनक सामग्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कैट की दो दिवसीय राष्ट्रीय व्यापारी बैठक में 'हर घर तिरंगा, हर दुकान तिरंगा' अभियान का राष्ट्रव्यापी आह्वान

विश्व केसरी

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेंद्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की 25 जुलाई 2026 से शुरू हुई दो दिवसीय राष्ट्रीय व्यापारी बैठक आज नई दिल्ली में संपन्न हुई। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से आए 200 से अधिक वरिष्ठ व्यापारी नेताओं ने भाग लिया। सम्मेलन में व्यापार एवं उद्योग से जुड़े अनेक समसामयिक विषयों, व्यापारियों के हितों, देश के आर्थिक विकास में व्यापार जगत की भूमिका तथा 12 से 15 अगस्त, 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले भारतीय व्यापार महोत्सव-2026 की तैयारियों एवं उसके सफल आयोजन पर विस्तृत चर्चा की गई। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी ने बताया कि बैठक का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय 'हर घर तिरंगा, हर दुकान तिरंगा' अभियान को देशभर के व्यापारियों के माध्यम से व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने का रहा। सम्मेलन से देश के समस्त व्यापारियों से आह्वान किया गया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक घर, प्रत्येक दुकान और प्रत्येक बाजार तिरंगे की शान से सजे तथा राष्ट्रभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचे।

जातिसूचक गाली और जान से मारने की धमकी देने का आरोप, एफआईआर की मांग

विश्व केसरी

रायपुर। रायपुर के बोरियाखुर्द स्थित अंजली ट्रेडर्स के संचालक अभिषेक मिश्रा पर जातिसूचक गाली-गलौज करने का आरोप लगाते हुए, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि अपने वरिष्ठ सामाजिक समर्थकों के साथ थाने पहुंचे। उन्होंने मामले में शिकायत दर्ज कर आरोपी के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की मांग की है। बोरियाखुर्द में उस समय माहौल गरमा गया जब जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि अपने समर्थकों के साथ थाने पहुंचे। उनका आरोप है कि अंजली ट्रेडर्स के संचालक अभिषेक मिश्रा ने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए अपमानित कर जान से मारने का धमकी दिया। इसे लेकर उन्होंने मुजगहन थाना एवं अजाक थाना को लिखित शिकायत सौंपते हुए आरोपी के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की।

मानसून में राजनांदगांव बारिश का पानी जमा करने के लिए तैयार; 'मिशन जल रक्षा' के ज़रिए अनूठी पहल

विश्व केसरी

राजनांदगांव। विज्ञान पर आधारित और समुदाय के नेतृत्व वाली यह पहल दिखाती है कि बारिश के पानी को जमा करने और भूजल को फिर से भरने से लंबे समय तक पानी की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है

मानसून आते ही देशव्यापी (बारिश का पानी जमा करें) अभियान तेज़ी पकड़ रहा है। देश भर के ज़िले पानी की सुरक्षा को मज़बूत करने और जल स्रोतों को टिकाऊ बनाने के लिए मौसमी बारिश का फ़ायदा उठा रहे हैं। इनमें छत्तीसगढ़ का राजनांदगांव ज़िला सबसे आगे रहा है, जिसने दिखाया है कि तैयारी ही पानी के असरदार संरक्षण की नींव है। अपने अनोखे 'मिशन जल रक्षा' के ज़रिए, ज़िले ने वैज्ञानिक बुनियादी ढांचा तैयार किया है, समुदायों को एकजुट किया है और भूजल को फिर से भरने के नए तरीके अपनाए हैं ताकि बारिश की हर बूंद को एकत्र किया जा सके,

बचाया जा सके और वापस ज़मीन के नीचे जलभंडारों तक पहुँचाया जा सके। आसान शब्दों में कहें तो, राजनांदगांव मानसून के लिए तैयार है—और बारिश का पानी बचाने के लिए भी तैयार है।

बारिश की पहली बूंद के ज़मीन पर गिरने से बहुत पहले ही, राजनांदगांव ने बारिश की हर बूंद को इकट्ठा करने, बचाने और ज़मीन के नीचे पहुँचाने के लिए अपनी पूरी तैयारी कर ली थी। 'मिशन जल रक्षा' के ज़रिए, ज़िले ने एक ऐसा वैज्ञानिक और समुदाय-आधारित ढांचा बनाया है जो यह सुनिश्चित करता है कि बारिश का पानी बहकर बर्बाद न हो, बल्कि उसे वापस ज़मीन के अंदर पहुँचाया जाए ताकि कीमती भूजल भंडार को फिर से भरा जा सके। इस पहल में जीआईएस मैपिंग, रिमोट सेंसिंग, एक्विफर मैपिंग, डिजिटल एलिवेशन मॉडल (डीईएम) और रिज-टू-वैली प्लानिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है ताकि भूजल को फिर से भरने के लिए सबसे सही जगहों की पहचान की जा सके। इस वैज्ञानिक तरीके के साथ-साथ ज़मीन पर नए-नए उपाय भी किए गए हैं, जैसे बेकार पड़े बोरवेल को रिचार्ज शाफ्ट में बदलना और गहरे इंजेक्शन कुओं के साथ छोटे परकोलेशन टैंक बनाना, जिससे बारिश का पानी कठोर चट्टानों वाले इलाकों में भी गहरे जलभंडारों तक पहुँच सके। 'मिशन जल रक्षा' की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह जन-आंदोलन बन गया है। किसानों, महिलाओं, युवाओं, ग्राम पंचायतों और स्थानीय समुदायों ने पानी की बजटिंग, जागरूकता अभियानों और व्यवहार में बदलाव लाने वाले प्रयासों को उत्साह के साथ अपनाया है।

रक्षाबंधन पर सैनिकों के सम्मान में शुरू हुआ 'ऑपरेशन सिपाही रक्षा-सूत्र अभियान-2026'

विश्व केसरी

रायपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात वीर जवानों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और आत्मीयता प्रकट करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में 'ऑपरेशन सिपाही रक्षा-सूत्र अभियान-2026' का शुभारंभ किया गया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने प्रदेश की सभी माताओं, बहनों और बच्चों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए इसे सैनिकों के प्रति सम्मान का एक बड़ा जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया है। वीर जवानों तक पहुंचेगा पूरे प्रदेश का स्नेह मंत्री राजवाड़े ने कहा कि सीमाओं पर दिन-रात तैनात वीर सैनिकों के अदम्य साहस, समर्पण और त्याग के प्रति सम्मान व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा, 'रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि सुरक्षा, विश्वास और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है। इस अभियान के माध्यम से छत्तीसगढ़ की

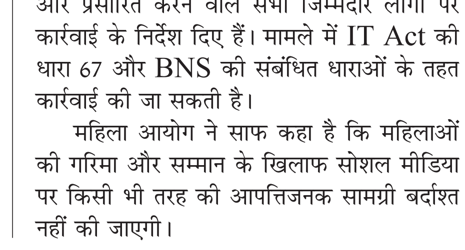

माताओं, बहनों और बच्चों का प्यार और स्नेह सीधे देश के वीर जवानों तक पहुंचेगा।'

हाथों से बनी राखी, संदेश और आंगन की माटी भेजने का आग्रह

मंत्री राजवाड़े ने प्रदेशवासियों से आग्रह किया है कि वे अपने हाथों से सुंदर राखी तैयार करें, उसके साथ सैनिकों के नाम शुभकामना संदेश लिखें और विजय तिलक के लिए अपने आंगन की एक चुटकी पावन मिट्टी लिफाफे में रखें। यह मिट्टी मातृभूमि के आशीर्वाद और छत्तीसगढ़ की आत्मीय भावनाओं का प्रतीक बनेगी।

संपादकीय

कारगिल विजयः शौर्य, बलिदान और राष्ट्र की अटूट शक्ति का अमर पर्व

आर पी दुबे

कारगिल विजय दिवस केवल भारतीय सेना की एक ऐतिहासिक जीत का स्मरण दिवस नहीं, बल्कि यह उस अदम्य साहस, अद्वितीय शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को नमन करने का अवसर है, जिसने देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। 26 जुलाई का दिन भारत के इतिहास में उस गौरवपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज है, जब हमारे वीर जवानों ने विपरीत परिस्थितियों, दुर्गम पहाड़ियों और दुश्मन की चुनौतियों के बीच अपने अदम्य साहस से तिरंगे की आन-बान-शान की रक्षा की।

कारगिल युद्ध ने पूरी दुनिया को भारतीय सैनिकों की वीरता का परिचय कराया। ऊंची और बर्फीली चोटियों पर दुश्मन के कब्जे को हटाना आसान नहीं था। भारतीय सेना के जवानों को अत्यंत कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में युद्ध लड़ना पड़ा। लेकिन देश की रक्षा का संकल्प उनके लिए हर चुनौती से बड़ा था। एक-एक चोटी को वापस हासिल करने के लिए हमारे सैनिकों ने असाधारण साहस का परिचय

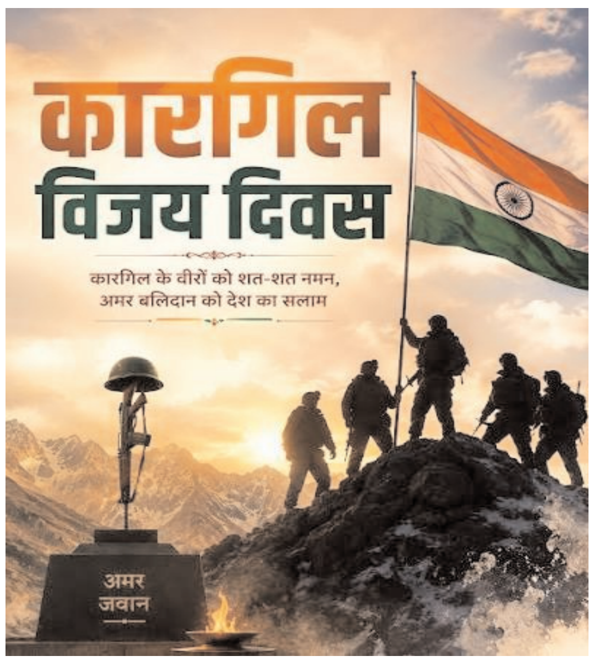

दिया। अनेक वीर जवानों ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनकी शहादत ने यह सिद्ध किया कि भारत की सीमाओं की रक्षा करने वाले प्रहरी किसी भी संकट के सामने झुकने वाले नहीं हैं।

कारगिल विजय की सबसे बड़ी सीख यह है कि राष्ट्र की सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे देश की सामूहिक जिम्मेदारी है। जब सीमा पर जवान देश के लिए लड़ रहा होता है, तब नागरिकों का कर्तव्य है कि वे देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करें। देश की आंतरिक मजबूती ही बाहरी चुनौतियों का प्रभावी उत्तर बनती है।

आज जब हम कारगिल के वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, तब हमें यह भी समझना होगा कि बदलते समय के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां भी बदल रही हैं। सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ साइबर सुरक्षा, आतंकवाद, सूचना युद्ध और तकनीकी चुनौतियां भी देश के सामने हैं। ऐसे समय में आधुनिक तकनीक से सुसज्जित और आत्मनिर्भर रक्षा व्यवस्था का निर्माण आवश्यक है। भारत को अपनी सैन्य शक्ति के साथ-साथ रक्षा उत्पादन और स्वदेशी तकनीक के क्षेत्र में भी निरंतर आगे बढ़ना होगा।

कारगिल विजय दिवस नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का पर्व भी है। युवाओं को यह जानना चाहिए कि स्वतंत्रता और राष्ट्र की सुरक्षा का मूल्य क्या है। शहीदों की वीरगाथाएं केवल इतिहास के पन्नों में दर्ज घटनाएं नहीं, बल्कि वे राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा हैं। देश के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले सैनिकों के परिवारों के प्रति सम्मान और संवेदना भी हमारी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है।

कारगिल की चोटियों पर लहराता तिरंगा हमें याद दिलाता है कि भारत की शक्ति केवल उसके हथियारों में नहीं, बल्कि उसके जवानों के साहस और 140 करोड़ से अधिक देशवासियों की एकजुटता में निहित है। शहीदों का बलिदान हमें यह संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि हम अपने देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

आज कारगिल विजय दिवस पर देश अपने वीर सैनिकों को श्रद्धा से नमन कर रहा है। यह दिन हमें गर्व से भरता है, लेकिन साथ ही हमारी जिम्मेदारियों का भी बोध कराता है। शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब हम एक मजबूत, सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे।

कारगिल की विजय केवल एक युद्ध की जीत नहीं थी, यह भारत के साहस, संकल्प और राष्ट्रभक्ति की विजय थी। उन अमर शहीदों को शत-शत नमन, जिनके बलिदान से तिरंगा आज भी गर्व के साथ आसमान में लहरा रहा है।

क्या धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े से शिक्षा व्यवस्था सुधरेगी?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की शिक्षा व्यवस्था आज जिस मोड़ पर खड़ी है, वहाँ समस्या किसी एक व्यक्ति या किसी एक मंत्रालय तक सीमित नहीं है। यह एक बहुस्तरीय संकट है, जिसमें नीतिगत अस्पष्टता, कार्यान्वयन की कमजोरी, संसाधनों की कमी, शिक्षक-प्रशिक्षण की चुनौती, परीक्षा-केंद्रित सोच और सामाजिक-आर्थिक असमानता—एक साथ मौजूद हैं। इसलिए जब यह सवाल उठता है कि क्या केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े से शिक्षा व्यवस्था सुधर जाएगी, तो इसका उत्तर केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि संस्थागत और संरचनात्मक भी होना चाहिए। सच यह है कि केवल मंत्री बदल देने से शिक्षा व्यवस्था अपने-आप नहीं सुधरती; सुधार तब होता है जब नीति, नीयत, निवेश और निष्पादन, चारों एक दिशा में काम करें।

भारत में शिक्षा को लंबे समय से 'नीति' से अधिक 'घोषणा' के स्तर पर देखा गया है। हर सरकार शिक्षा सुधार की बात करती है, लेकिन ज़मीन पर परिवर्तन की गति बहुत धीमी रहती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भारत की शिक्षा प्रणाली को एक नई दिशा देने का वादा किया था—समग्र शिक्षा, मातृभाषा आधारित प्रारंभिक शिक्षा, कौशल-विकास, बहुविषयी अध्ययन, डिजिटल लर्निंग और शोध-उन्मुख उच्च शिक्षा। कागज़ पर यह नीति अत्यंत महत्त्वाकांक्षी है। परंतु महत्त्वाकांक्षा और प्रभावी क्रियान्वयन के बीच अक्सर बहुत बड़ा अंतर रह जाता है। यही वह अंतर है, जहाँ किसी भी शिक्षा मंत्री की असली परीक्षा होती है।

धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल को देखें तो यह स्पष्ट होता है कि उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को आगे बढ़ाने, बहुभाषी शिक्षा पर बल देने, कौशल विकास को प्राथमिकता देने, डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहन देने और उच्च शिक्षा को अधिक लचीला बनाने की दिशा में कदम उठाए। यह कहना गलत होगा कि उनके कार्यकाल में कुछ नहीं हुआ। बहुत-सी योजनाएँ आगे बढ़ीं, संवाद बढ़ा, और शिक्षा पर राष्ट्रीय बहस तेज़ हुई। लेकिन साथ ही यह भी सच है कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था की मूल समस्याएँ जस की तस बनी रहीं। सरकारी विद्यालयों में गुणवत्ता का अंतर, ग्रामीण-शहरी असमानता, शिक्षकों की कमी, परीक्षा-प्रधान संस्कृति, और कोचिंग-निर्भरता—ये सभी समस्याएँ अब भी गहरी हैं।

इसी संदर्भ में यह समझना आवश्यक है कि शिक्षा मंत्री की भूमिका क्या होती है। शिक्षा मंत्री न तो अकेले स्कूलों की गुणवत्ता सुधार सकता है, न ही विश्वविद्यालयों की शोध-क्षमता बढ़ा सकता है, और न ही एक झटके में करोड़ों विद्यार्थियों की सीखने की स्थिति बदल सकता है। उसकी भूमिका मुख्यतः नीति-निर्माण, समन्वय, बजट प्राथमिकता, संस्थागत निगरानी और राज्यों के साथ सहयोग की होती है। यदि ये पाँचों काम बेहतर हों, तो शिक्षा में सुधार की संभावना बढ़ती है। लेकिन यदि केवल चेहरा बदल दिया जाए और नीतिगत ढाँचा वही रहे, तो परिणाम सीमित ही रहेंगे।

भारत की शिक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वह बराबरी का अवसर नहीं दे पाती। एक ओर महानगरों के निजी स्कूल और महंगे संस्थान हैं, जहाँ सुविधाएँ और अवसर अपेक्षाकृत अधिक हैं; दूसरी ओर सरकारी स्कूल और दूरस्थ ग्रामीण इलाके हैं, जहाँ बुनियादी ढाँचे, प्रशिक्षित शिक्षकों और डिजिटल संसाधनों की भारी कमी है। इस असमानता को कोई एक मंत्री, चाहे वह धर्मेंद्र प्रधान हों या कोई और, अकेले समाप्त नहीं कर सकता। इसके लिए लंबे समय तक चलने वाली राज्य-नीति, केंद्र-राज्य समन्वय और सामाजिक निवेश की आवश्यकता होती है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत में शिक्षा सुधार का प्रश्न सिर्फ प्रशासनिक नहीं, वैचारिक भी है। दशकों से हमारी शिक्षा प्रणाली परीक्षा

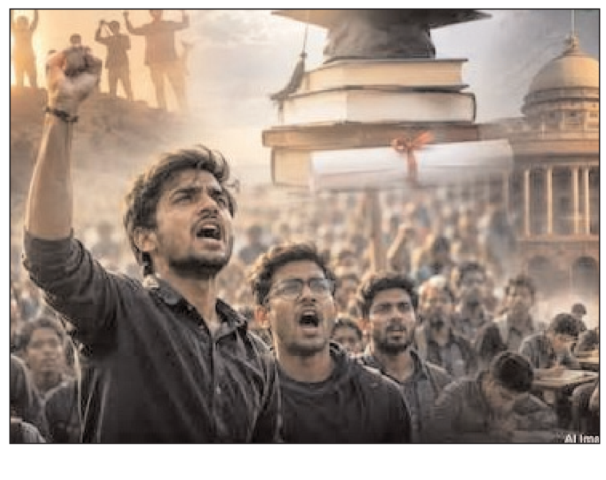

पास कराने वाली मशीन के रूप में देखी जाती रही है, न कि सोच विकसित करने वाले माध्यम के रूप में। रटंत शिक्षा ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमता को सीमित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति इस प्रवृत्ति को बदलना चाहती है, लेकिन बदलाव केवल दस्तावेज़ों से नहीं आता। इसके लिए पाठ्यक्रम, मूल्यांकन, शिक्षक-प्रशिक्षण और कक्षा-स्तरीय व्यवहार में परिवर्तन चाहिए। यही वह बिंदु है जहाँ सुधारों का वास्तविक परीक्षण होता है।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग करने वालों का तर्क यह हो सकता है कि नेतृत्व परिवर्तन से जवाबदेही बढ़ती है और नई ऊर्जा आती है। यह तर्क आंशिक रूप से सही भी है। किसी भी मंत्रालय में नेतृत्व की शैली, प्राथमिकताएँ और कार्य-संस्कृति महत्वपूर्ण होती हैं। यदि किसी मंत्री के कार्यकाल में संवाद कमज़ोर हो, नीतियों के परिणाम धीमे हों, या जमीनी स्तर की शिकायतों पर अपेक्षित ध्यान न दिया जाए, तो बदलाव की आवश्यकता महसूस होती है। लेकिन यहाँ भी प्रश्न यही है कि क्या बदलाव व्यक्ति में चाहिए या व्यवस्था में। यदि सिस्टम ही कमजोर हो, तो नया मंत्री भी उसी ढाँचे में काम करेगा। इसलिए इस्तीफ़ा केवल राजनीतिक प्रतीक बन सकता है, समाधान नहीं।

सच यह है कि शिक्षा सुधार की असली कुंजी बजट और क्रियान्वयन में छिपी है। भारत की शिक्षा पर सार्वजनिक निवेश लंबे समय से अपेक्षाकृत कम रहा है। कई बार घोषणाएँ बड़ी होती हैं, लेकिन विद्यालयों की मरम्मत, प्रयोगशालाओं की स्थापना, पुस्तकालयों का विकास, छात्रवृत्ति वितरण, शिक्षक नियुक्तियाँ और डिजिटल पहुँच जैसे मूलभूत मुद्दे पीछे रह जाते हैं। यदि सरकार शिक्षा को वास्तव में प्राथमिकता देना चाहती है, तो उसे केवल नीति दस्तावेज़ नहीं, बल्कि वित्तीय प्रतिबद्धता भी बढ़ानी होगी। शिक्षा वह क्षेत्र है, जहाँ खर्च को बोझ नहीं, निवेश मानना चाहिए।

शिक्षक इस पूरी व्यवस्था की रीढ़ हैं। लेकिन भारत में शिक्षकों की स्थिति खुद संकटग्रस्त है। कई स्कूलों में शिक्षक-रिक्तियाँ हैं, कई जगह एक शिक्षक पर अनेक कक्षाओं का बोझ है, और कई संस्थानों में शिक्षक-प्रशिक्षण पुराना और अप्रासंगिक है। जब तक शिक्षक सक्षम, सम्मानित और प्रशिक्षित नहीं होंगे, तब तक कोई भी शिक्षा सुधार सीमित रहेगा। मंत्री बदलने से यह समस्या समाप्त नहीं होगी। इसके लिए सेवा-शर्तों में सुधार, प्रशिक्षण में गुणवत्ता, और शिक्षकीय पेशे को प्रतिष्ठा देने की ज़रूरत है।

डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में भी बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन उनकी सीमाएँ भी सामने आईं। महामारी के दौरान डिजिटल लर्निंग की उपयोगिता स्पष्ट हुई, पर यह भी उजागर हुआ कि देश के बड़े हिस्से में इंटरनेट, उपकरण और डिजिटल साक्षरता की भारी कमी है। अब डिजिटल शिक्षा को केवल गैजेट आधारित नीति नहीं, बल्कि समावेशी नीति बनाना होगा। इसका अर्थ है—ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी, कम लागत वाले उपकरण, स्थानीय भाषाओं में सामग्री, और शिक्षकों को तकनीक के लिए तैयार करना। केवल ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म बना देने से शिक्षा आधुनिक नहीं हो जाती।

उच्च शिक्षा की बात करें तो भारत में शोध, नवाचार और अकादमिक स्वायत्तता अभी भी कई चुनौतियों से घिरी हैं। विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रम पुराना पड़ जाता है, शोध-फंड सीमित रहता है, और प्रशासनिक हस्तक्षेप अकादमिक स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकता है। यदि शिक्षा मंत्री बदलने से विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता, अनुसंधान का वातावरण, और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में सुधार आता है, तभी उसका सकारात्मक अर्थ होगा। अन्यथा केवल राजनीतिक बयानबाजी से बहुत अधिक फर्क नहीं पड़ता।

यह भी आवश्यक है कि हम शिक्षा सुधार को चुनावी बहस की तरह न देखें। शिक्षा एक लंबी प्रक्रिया है, जिसका परिणाम अगले दिन नहीं दिखता। किसी भी सरकार के लिए यह आसान होता है कि वह नई नीति की घोषणा कर दे, लेकिन मुश्किल यह है कि उसे दस साल तक निरंतर लागू करे। यहाँ निरंतरता सबसे महत्वपूर्ण है। यदि हर मंत्री पिछली नीति को पूरी तरह बदलने लगे, तो शिक्षा व्यवस्था स्थिर नहीं रह पाएगी। इसलिए सही प्रश्न यह नहीं है कि धर्मेंद्र प्रधान जाएँ या रहें; सही प्रश्न यह है कि क्या कोई भी नेतृत्व शिक्षा को दीर्घकालिक राष्ट्रीय परियोजना की तरह देख रहा है।

भारत के लिए शिक्षा का अर्थ केवल रोज़गार नहीं, नागरिकता भी है। एक शिक्षित समाज लोकतंत्र को मजबूत करता है, वैज्ञानिक सोच को बढ़ाता है, सामाजिक विषमता को चुनौती देता है और महिलाओं तथा वंचित समुदायों के लिए नए अवसर खोलता है। इसलिए शिक्षा सुधार को केवल सरकारी विभाग की प्रशासनिक उपलब्धि मानना गलत होगा।

यह राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया है। यदि इस प्रक्रिया में राजनीतिक स्थिरता, नीतिगत स्पष्टता और सामाजिक सहयोग है, तो बदलाव संभव है। वरना नेतृत्व परिवर्तन भी एक औपचारिकता भर बन जाएगा।

अंततः निष्कर्ष साफ़ है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े से शिक्षा व्यवस्था अपने-आप नहीं सुधरेगी। हाँ, यदि उनके स्थान पर आने वाला नेतृत्व अधिक संवेदनशील, अधिक जवाबदेह और अधिक परिणामोन्मुख हुआ, तो सुधार की गति बेहतर हो सकती है।

क्या भारत एक और 'जेपी आंदोलन' की दहलीज पर खड़ा है?

सुजीत कुमार

भारतीय राजनीति का इतिहास बताता है कि बड़े राजनीतिक परिवर्तन अक्सर संसद से पहले सड़कों पर लिखे जाते हैं। 1974 का जेपी आंदोलन (संपूर्ण क्रांति आंदोलन) इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। बिहार में छात्रों द्वारा महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन देखते ही देखते राष्ट्रीय जनआंदोलन बन गया। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में यह केवल छात्र आंदोलन नहीं रहा, बल्कि इसमें किसानों, कर्मचारियों, मध्य वर्ग और विपक्षी दलों की भागीदारी भी बढ़ी। इसके बाद 1975 में आपातकाल लागू हुआ और 1977 के आम चुनाव में पहली बार केंद्र में गैर-कांग्रेसी सरकार बनी। यह भारतीय लोकतंत्र के सबसे बड़े राजनीतिक बदलावों में से एक माना जाता है।

आज, पाँच दशक बाद, देश में एक बार फिर युवाओं और छात्रों से जुड़े मुद्दे राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में दिखाई दे रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोप, रोजगार के सीमित अवसर, बढ़ती महंगाई और शासन की जवाबदेही जैसे मुद्दे लगातार चर्चा में हैं। इन कारणों से यह बहस उभर रही है कि क्या भारत किसी नए व्यापक जनआंदोलन की ओर बढ़ रहा है।

इतिहास बताता है कि बड़े आंदोलन किसी एक घटना से नहीं, बल्कि लंबे समय तक जमा हुए असंतोष से जन्म लेते हैं। 1974 में भी आंदोलन का प्रारंभ सीमित दायरे में हुआ था, लेकिन जैसे-जैसे समाज के अन्य वर्ग उससे जुड़े, उसका राजनीतिक प्रभाव बढ़ता गया। इसी प्रकार 2011 का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भी शुरू में एक मुद्दे तक सीमित था, लेकिन उसने राष्ट्रीय राजनीति में नए विमर्श और नई राजनीतिक शक्तियों के उभार को प्रभावित किया। यह उदाहरण दिखाते हैं कि छात्र या नागरिक आंदोलनों का प्रभाव केवल तत्कालीन मांगों तक सीमित नहीं रहता।

हाल के वर्षों में सोशल मीडिया ने आंदोलनों की प्रकृति भी बदल दी है। 1974 में जहां संदेश फैलने में दिनों या सप्ताहों का समय लगता था, वहीं आज कुछ घंटों में कोई स्थानीय मुद्दा पल भर में राष्ट्रीय बहस बन सकता है। इससे सरकारों पर संवाद और त्वरित प्रतिक्रिया का दबाव भी बढ़ा है।

हालांकि, वर्तमान भारत और 1974 के भारत में महत्वपूर्ण अंतर भी हैं। आज देश की अर्थव्यवस्था कहीं अधिक बड़ी है, राजनीतिक दलों का ढांचा अलग है, मीडिया और न्यायपालिका की भूमिका बदल चुकी है तथा सूचना का प्रवाह अत्यंत तेज हो गया है। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि इतिहास उसी रूप में स्वयं को दोहराएगा। किसी भी समकालीन आंदोलन का स्वरूप, नेतृत्व और परिणाम भिन्न हो सकते हैं।

फिर भी एक तथ्य निर्विवाद है कि भारतीय लोकतंत्र में छात्र और युवा परिवर्तन के महत्वपूर्ण वाहक रहे हैं। स्वतंत्रता आंदोलन में छात्र संगठनों की भूमिका हो, 1974 का जेपी आंदोलन हो या बाद के विभिन्न जनआंदोलन—युवाओं की भागीदारी ने राजनीति की दिशा को प्रभावित किया है।

आने वाले समय में यह सरकारों की संवेदनशीलता, संवाद की क्षमता और युवाओं की आकांक्षाओं के प्रति उनके उत्तरदायित्व की भी महत्वपूर्ण परीक्षा होगी।

बोधकथा

आपके विचार ही आपका संसार है

विमला चार दिन से बीमार थी। न उसे भूख रही, न प्यास। नींद भी न रही। अच्छी भली थी, सेहत भी ठीक थी, चार दिन में ही सूख गई। रंग भी काला पड़ गया था। कितने वैद्य आए, पर उसकी बीमारी का कारण नहीं ढूंढ पाए। माता पिता भी चिंता में मरे जा रहे थे। बात यह थी कि अगले ही महीने विमला का विवाह होने वाला था। नदी पार के गांव के ही एक लड़के से विवाह तय हुआ था। भय यह था कि यदि ससुराल पक्ष में इसकी बीमारी की सूचना पहुंच गई, तो कहीं वे विवाह से ही इंकार न कर दें। आज सुबह गुरुजी आए। माता-पिता चरणों में पड़ गए और रोने लगे। गुरुजी ने सांत्वना दी। कहा- चिंता मत करो! सब ठीक हो जाएगा। मुझे यह बताओ कि जिस दिन ये बीमार हुई, उस दिन हुआ क्या था? माता ने बताया- उस दिन शाम को यह अपनी सहेली सरला के साथ छत पर खेल रही थी। जब नीचे आई तो चेहरा उतरा हुआ था। बस तभी से बीमार है। गुरुजी ने सरला को बुलाकर पूछा कि छत पर कुछ हुआ था क्या? सरला बोली- हां गुरुजी! जब हम खेल रहे थे, तब सामने नदी के उस पार बहुत से ऊंटों का काफिला जा रहा था। उन सब पर बहुत सी रूई लदी थी। इसने पूछा कि ये इतनी रूई कहां जा रही है? मैंने मजाक में कह दिया कि तेरी ससुराल। इसने पूछा कि वे इतनी रूई का क्या करेंगे? तो मैंने कह दिया कि तुझसे धागा कतवाएंगे। बस यही बात है। ओह! तो यह बात है। कहते हुए, गुरुजी ने सरला के कान में कुछ कहा और चले गए। अगले दिन सरला विमला के पास आकर बैठ गई। उधर गुरुजी ने नदी पार बहुत से पत्तों के ढेर में आग लगवा दी। जब आकाश में धुआं ही धुआं हो गया, तब सरला बोली- विमला! विमला! देख! तेरे ससुर के रूई के गोदाम में आग लग गई। सारी रूई जल कर राख हो गई। विमला ने खिड़की से बाहर झांका और वो धुआं देखा।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

जो आया, वो जाएगा

बेबाक बनारसी

कुछ बच्चे आग में जलकर मर गए.पत्रकार ने एक जिम्मेदार किस्म के देखने वाले नेता छदामीराम से बात की. वह बोले, ऐसा है भोले,ज्यादा चिंता की बात नहीं. कल को कुछ और बच्चे पैदा हो जाएंगे.

पत्रकार ने कहा, 'बच्चे देश का भविष्य होते हैं. हो सकता है,इन्हीं में से कोई देश का है बड़ा नेता, बड़ा वैज्ञानिक बनता '.

छदामीराम ने हाथ लहराते हुए कहा, 'कुछ बच्चों के मर जाने से भविष्य नहीं मारता. डोंट वरी. यह तो सतत प्रक्रिया है. कल को कुछ और बच्चे पैदा होंगे. '

पत्रकार ने गहरी सांस ली, अपना रिकॉर्डर छदामीराम के और नजदीक किया और पूछा, 'पर नेता जी, उन मां-बाप का क्या? जिनकी गोद सूनी हो गई? उनके आंसू तो रुक नहीं रहे. 'छदामीराम ने अपनी खादी के कुर्ते की आस्तीन ऊपर चढ़ाई, चेहरे पर एक दार्शनिक मुस्कान लाई और बोले, 'देखो भोले, तुम पत्रकार लोग न भावुक बहुत जल्दी हो जाते हो. डेटा पर बात करो. देश की आबादी कितनी है? एक अरब चालीस करोड़ से ऊपर! अब उसमें से चार-छह बच्चे कम हो गए, तो प्रतिशत में नुकसान कितना हुआ? पॉइंट जीरो-जीरो-जीरो... कुछ आएगा. गणित समझो भाई! रही बात मां-बाप के आँसुओं की, तो समय सबसे बड़ा मरहम है. अगले चुनाव तक सब भूल जाएंगे. '

'लेकिन नेता जी!' पत्रकार ज्वाला सिंह ने बात काटते हुए कहा, 'आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट और अस्पताल/स्कूल में फायर एनओसी का न होना बताई जा रही है. इस लापरवाही की जिम्मेदारी किसकी है? '

छदामीराम ने इस बार पत्रकार को ऐसे देखा,जैसे वह किसी दूसरे ग्रह से आया जीव हो. उन्होंने अपने सहायक से काजू कतली की प्लेट आगे बढ़वाई, एक पीस उठाया और चबाते हुए बोले, 'अरे भोले! तुम भी क्या बच्चों जैसी बातें करते हो. आग का काम क्या है? जलना. अब वो शॉर्ट सर्किट से जले या माचिस से, जलना तो उसका नेचर है न? इसमें सिस्टम की क्या गलती? और ये एनओसी-वैनओसी तो पश्चिमी देशों के चोचले हैं. हमारे देश में तो सदियों से सब 'भगवान भरोसे' चल रहा है. वैसे भी, जो आया है वो जाएगा, गीता में लिखा है. '

'यानी आप कोई कड़ा एक्शन नहीं लेंगे?' पत्रकार ने आखिरी दांव खेला.

'एक्शन? क्यों नहीं लेंगे! बिल्कुल लेंगे!' छदामीराम ने मेज पर हाथ मारते हुए कहा, 'हमने तुरंत प्रभाव से एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन कर दिया है. वो समिति अगले छह महीने में रिपोर्ट देगी कि आग ठंडी थी या गर्म. बच्चों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये का मुआवजा भी घोषित कर दिया है. '

'दो लाख रुपये में एक जिंदगी का सौदा, नेता जी?' पत्रकार का लहजा तीखा हो गया.

छदामीराम हँस पड़े, जैसे उन्होंने कोई बहुत बड़ा जोक सुना हो. वे उठ खड़े हुए, मेरे कंधे पर हाथ रखा और बोले, 'तुम पत्रकार लोग हमेशा आधा गिलास खाली देखते हो. अरे भाई, दो लाख रुपये में आज के जमाने में कितने नए बच्चे प्लान किए जा सकते हैं, इसका अंदाजा है तुम्हें? ये सरकारी मदद है, इसे स्टार्टअप फंड समझो! चलो, अब मैं चलता हूं, दूसरी जगह एक नए अस्पताल का फीता काटने जाना है. '

वे अपनी चमचमाती सफेद फॉर्च्यूनर की तरफ बढ़ गए।

इतिहास

26 जुलाई के इतिहास में कारगिल विजय दिवस, मालदीव की स्वतंत्रता और अमेरिका में विकलांग अधिकार कानून का लागू होना शामिल है।मुख्य ऐतिहासिक घटनाएं1999 (कारगिल विजय दिवस): भारतीय सेना ने कारगिल युद्ध में पाकिस्तान पर ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। इस दिन को हर साल 'कारगिल विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है।1965: मालदीव देश को 78 साल के ब्रिटिश शासन के बाद आज ही के दिन पूरी आजादी मिली थी।1990: अमेरिका में विकलांग व्यक्तियों के लिए 'अमेरिकंस विद डिसएबिलिटीज एक्ट' (ध्र) कानून के रूप में साइन किया गया था।1963: नासा ने दुनिया का पहला भू-स्थिर संचार उपग्रह 'सिंकॉम 2' लॉन्च किया था। 1847: अमरीका से मुक्त हुए दासों द्वारा पश्चिमी अफ्रीका में लाइबेरिया देश की स्थापना की गई थी।

टोनही बताकर परिवार का सामाजिक बहिष्कार, 23 पर एफआईआर दर्ज

विश्व केसरी

महासमुंद (अनिल चौधरी)। छत्तीसगढ़ में अंधविश्वास एक बार फिर शर्मसार करने वाला चेहरा लेकर सामने आया है। महासमुंद जिले के पिथौरा चौक वार्ड नंबर 9 में एक महिला और उसके परिवार को 'टोनही-टोनहा' बताकर महीनों तक प्रताड़ित किया गया। आरोपियों ने न सिर्फ गाली-गलौज और धमकी दी, बल्कि पूरे परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर राशन तक बंद करवा दिया। इस मामले में कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने 23 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

क्या है पूरा मामला ?

मामला पिथौरा चौक वार्ड नंबर 9 का है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी लंबे समय से उसके परिवार को टोनही-टोनहा बताते आ रहे हैं। वे लोग बदसलूकी करते हैं। गाली-गलौज देते हुए जान से मारने की धमकी देते हैं। उनके परिवार पर कॉलोनी छोड़ने का दबाव बनाया गया। दुकानदारों पर दबाव डालकर उन्हें हमें राशन देने तक से मना किया गया। पीड़िता का आरोप है कि वह शिकायत लेकर बागबाहरा थाने पहुंचीं लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। जिसके बाद वह कोर्ट की शरण में पहुंचीं। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने 24 जुलाई को केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने देव कुमार, पुनाराम मरकाम, तुलसी मरकाम, पुष्पा मरकाम, आरती, फिरन मरकाम, कुलेश मरकाम, घनश्याम मरकाम उर्फ ठेकला, जयपवन उर्फ तेली, भगवान दास, सुशील, भारत, केशर, सोनिया, बुग्गी सोनवानी, पायल, जयकुमारी, रूबी, रितेश, भेखराम, देवदास, लव और कुश को आरोपी बनाया है।

इन सभी के खिलाफ छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम 2005 की धारा 4 और 5 और ब्नह्स की धारा 115(2), 296, 351, 74, 79 और 3(5) के तहत केस दर्ज किया गया है। इतिहास

छत्तीसगढ़ में अंधविश्वास के आंकड़े डराते हैं

ये अकेला मामला नहीं है। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिनेश मिश्रा के मुताबिक: 2017 से 2025 के बीच टोनही के संदेह में प्रताड़ना और मारपीट के 1350 से ज्यादा केस दर्ज हुए

कानून क्या कहता है ?

छत्तीसगढ़ सरकार ने 2005 में ही टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम लागू किया था। इस कानून के तहत टोनही कहकर प्रताड़ित करने, मारपीट करने, बहिष्कार करने पर सख्त सजा का प्रावधान है। मानव बलि, हत्या और अपहरण जैसे मामलों में उम्रकैद से लेकर फांसी तक की सजा हो सकती है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर

जवाब: महासमुंद के पिथौरा चौक वार्ड 9 में एक महिला और उसके परिवार को 'टोनही-टोनहा' कहकर महीनों तक गाली-गलौज, धमकी और सामाजिक बहिष्कार किया गया। आरोपियों ने दुकानदारों पर दबाव बनाकर परिवार का राशन तक बंद करवा

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर कांग्रेस का विजय मार्च

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार किए जाने के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी बलौदा बाजार-भाटापारा के नेतृत्व में रविवार को विजय मार्च निकालकर हर्ष व्यक्त किया गया। कांग्रेस नेताओं ने इसे छात्रों के लोकतांत्रिक संघर्ष, जनदबाव और युवा शक्ति की महत्वपूर्ण जीत बताया।

विजय मार्च के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि छात्रों की मांगों, शिक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं तथा आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं को लेकर कांग्रेस लगातार उनके समर्थन में खड़ी रही। नेताओं का कहना था कि देशभर में उठी छात्रों की आवाज को लोकतांत्रिक तरीके से मजबूती मिली, जिसके परिणामस्वरूप केंद्र सरकार को शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेना पड़ा।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य मीडिया प्रभारी सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि छात्रों पर हुए लाठीचार्ज, शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों और एक छात्रा की दुखद मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया था। कांग्रेस ने संसद से लेकर सड़क तक छात्रों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया और उनके न्याय की मांग का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह फैसला लोकतंत्र में जनभावनाओं की ताकत का प्रमाण है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सेन ने कहा कि यह केवल किसी मंत्री का इस्तीफा नहीं है, बल्कि युवाओं की एकजुटता, लोकतांत्रिक संघर्ष और जनशक्ति की जीत का प्रतीक है। उन्होंने मांग की कि शिक्षा व्यवस्था में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, कथित दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हो तथा भविष्य में किसी भी छात्र के साथ अन्याय की स्थिति उत्पन्न न होने पाए।

कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेताओं ने संघर्ष के दौरान प्रभावित हुए छात्र-छात्राओं के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए आंदोलन में जान गंवाने वाली छात्रा को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही और सुधार के लिए कांग्रेस आगे भी छात्रों की आवाज उठाती रहेगी। विजय मार्च में पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश यदु, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष परमेश्वर यदु, जिला कोषाध्यक्ष हेमचंद केसरवानी, प्रभारी महामंत्री रामकुमार साहू, ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष दीपक साहू, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र जायसवाल, महामंत्री भावेश वर्मा, गणेश शंकर साहू, नीरज बांधे, पूर्व जिलाध्यक्ष महिला कांग्रेस पमेश्वरी साहू, रविंद्र नामदेव, पार्षद सलमान शेख, सुरेश धृतलहरे, अविनाश मिश्रा, शरद शुक्ला, यशवंत वर्मा, जय सिंह ठाकुर, गणेश ध्रुव, अरुण कन्नौजे, जातिराम साहू, गजपति यादव, रमेश वैष्णव, देवेंद्र, रूपेश कुमार निषाद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बलौदाबाजार में कारोबारी के निवास पर ईडी और आयकर की छापामार कार्रवाई

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में रविवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग (आईटी) की संयुक्त टीम ने शराब और जमीन कारोबारी राघवेंद्र सराफ और रूपेश सराफ के घर पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने बैंक खातों, संपत्ति और कारोबार से जुड़े कई दस्तावेजों की जांच शुरू की। फिलहाल पूरे मामले में किसी भी एजेंसी की ओर से आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

ईडी की निगरानी के बाद शुरू हुई संयुक्त कार्रवाई

जानकारी के अनुसार, ईडी की टीम 24 जुलाई की रात ही बलौदाबाजार पहुंच गई थी। अधिकारियों ने रातभर संबंधित ठिकाने की निगरानी की। इसके बाद रविवार सुबह टीम ने घर में प्रवेश कर तलाशी शुरू की। बाद में आयकर विभाग के अधिकारी भी कार्रवाई में शामिल हुए और संयुक्त जांच शुरू की गई।

बैंक रिकॉर्ड, संपत्ति और कारोबारी दस्तावेज खंगाले

छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने घर के अलग-अलग हिस्सों की बारीकी से जांच की। इस दौरान डायरी, बैंक खातों का विवरण, संपत्ति से जुड़े दस्तावेज और अन्य कारोबारी रिकॉर्ड खंगाले गए। परिवार के सदस्यों और कारोबार से जुड़े लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

राघवेंद्र सराफ और रूपेश सराफ बलौदाबाजार के प्रमुख कारोबारियों में गिने जाते हैं। दोनों शराब, जमीन और पीतल उद्योग से जुड़े कारोबार का संचालन करते हैं। उनके पिता राजकुमार सराफ शहर के प्रतिष्ठित कारोबारी थे। उनके निधन के बाद दोनों भाई व्यापार की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

वित्तीय अनियमितताओं की आशंका

सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसियों को बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं की आशंका है। बताया जा रहा है कि पहले की जांच के दौरान मिले कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेजों के आधार पर आयकर विभाग भी इस कार्रवाई में शामिल हुआ। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

घर के बाहर पुलिस बल तैनात

कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस जवानों की तैनाती की गई। सुबह से अधिकारियों की आवाजाही के कारण इलाके में हलचल बनी रही और स्थानीय लोग पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए रहे।

शासन को चूना लगाने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

महासमुंद (अनिल चौधरी)। फर्जी दस्तावेज तैयार कर शासन को गुमराह करने और धोखाधड़ी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे ट्रेलर वाहन मालिक को महासमुंद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने वाहन के पुराने नेशनल परमिट पर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय रायपुर की सील और अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर का इस्तेमाल कर कूटरचित दस्तावेज तैयार किए थे।

खम्हारपाली चेक पोस्ट पर दस्तावेजों की जांच के दौरान मामले का खुलासा हुआ था। पुलिस के अनुसार, परिवहन चेक पोस्ट खम्हारपाली में 22 अगस्त 2020 को वाहन क्रमांक CG0y JD 1539 को जांच के लिए रोका गया था। दस्तावेजों की जांच में वाहन का नेशनल परमिट प्रथम दृष्टया संदिग्ध पाया गया। परिवहन विभाग की वेबसाइट पर दस्तावेजों की जांच करने पर पता चला कि प्रस्तुत परमिट छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग द्वारा जारी नहीं किया गया था। दस्तावेज में दर्ज वैधता भी भ्रामक और कूटरचित प्रतीत हुई।

मामले में वाहन मालिक और चालक द्वारा फर्जी दस्तावेज तैयार कर निजी लाभ के लिए शासन को धोखा देने की शिकायत पर थाना सिंघोड़ा में अपराध क्रमांक 66/2020 के तहत धारा 420, 467, 468, 471 एवं 34 भादवि के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। घटना के बाद ट्रेलर चालक सोनू सिंह गिल उर्फ सोहन सिंह, निवासी टाटीबंद रायपुर, वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया था। वहीं वाहन मालिक सतनाम सिंह, निवासी वीर सावरकर नगर, रायपुर भी प्रकरण दर्ज होने की जानकारी मिलने के बाद फरार हो गया था। दोनों आरोपियों की पुलिस करीब पांच से छह वर्षों से लगातार तलाश कर रही थी।

बस चालकों और परिचालकों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, 98 की हुई जांच

विश्व केसरी

महासमुंद (अनिल चौधरी)। सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने और यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बस स्टैंड परिसर में परिवहन विभाग, स्वास्थ्य विभाग और यातायात पुलिस के संयुक्त सहयोग से बस चालकों एवं परिचालकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया।

शिविर के दौरान बस चालकों और परिचालकों का ब्लड प्रेशर, रक्त शर्करा, आंखों की जांच सहित विभिन्न आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। इस दौरान कुल 98 बस चालक एवं परिचालक स्वास्थ्य जांच से लाभान्वित हुए। चिकित्सकों ने जांच रिपोर्ट के आधार पर उन्हें जरूरी चिकित्सकीय परामर्श दिया और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने के साथ स्वस्थ दिनचर्या अपनाने की सलाह दी। इस अवसर पर परिवहन विभाग और यातायात पुलिस के अधिकारियों ने वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का गंभीरता से पालन करने के निर्देश दिए। उन्हें निर्धारित गति सीमा के भीतर वाहन चलाने, सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल करने तथा शराब या किसी अन्य नशीले पदार्थ का सेवन करने के बाद वाहन न चलाने की हिदायत दी गई।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भी चालकों एवं परिचालकों को पर्याप्त नींद और आराम लेने, पौष्टिक एवं संतुलित भोजन करने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी। इसके अलावा उन्हें उच्च रक्तचाप, मधुमेह और आंखों से जुड़ी समस्याओं की नियमित जांच कराने तथा लंबी यात्राओं के दौरान स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियां बरतने के लिए जागरूक किया गया।

शहीद वीर नारायण सिंह के सपनों का सोनाखान ˙ विरासत बनी विकास की प्रेरणा

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण कुमार)। छत्तीसगढ़ के घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच स्थित सोनाखान केवल एक गांव नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम छत्तीसगढ़ी वीर सेनानी शहीद वीर नारायण सिंह की कर्मभूमि और जन्मस्थली है। कभी यह गांव अपनी ऐतिहासिक पहचान के बावजूद मूलभूत सुविधाओं, युवाओं के लिए अवसरों और पर्यटन विकास से वंचित था। आज यही सोनाखान विकास, स्वाभिमान और जनभागीदारी का एक प्रेरक मॉडल बनकर उभर रहा है।यह परिवर्तन एसबीआई फाउंडेशन की 'एसबीआई सम्मान - राष्ट्रीय नायकों को श्रद्धांजलि' पहल के अंतर्गत संभव हुआ, जिसका उद्देश्य केवल अधोसंरचना का निर्माण करना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय नायकों के आदर्शों को स्थानीय विकास से जोड़ना है। समर्थन सेंटर फॉर डेवलपमेंट सपोर्ट के सहयोग से पिछले दो वर्षों में सोनाखान में ऐसे प्रयास किए गए, जिन्होंने गांव के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक जीवन में नई ऊर्जा का संचार हुआ।

सबसे बड़ा परिवर्तन गांव के युवाओं में दिखाई देता है। पहले प्रतियोगी परीक्षाओं और सुरक्षा बलों की भर्ती की तैयारी के लिए युवाओं को दूर-दराज के शहरों का रुख करना पड़ता था। आर्थिक और भौगोलिक कठिनाइयों के कारण अधिकांश युवा अपने सपनों को बीच में ही छोड़ देते थे। इस स्थिति को बदलने के लिए 'शहीद वीर नारायण सिंह युवा प्रशिक्षण केंद्र' की स्थापना की गई। आज आसपास के दस गांवों के 180 से अधिक युवा यहां प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। अब तक 15 युवाओं ने पुलिस की शारीरिक परीक्षा, 2 युवाओं ने शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2 युवाओं ने अग्निवीर भर्ती परीक्षा उत्तीर्ण की है तथा 2 युवाओं को पुलिस विभाग में नियुक्ति मिल चुकी है। खेल प्रतिभाओं को भी नई पहचान मिली है और 12 बच्चों ने ब्लॉक, जिला एवं संभाग स्तर पर पदक जीतकर सोनाखान का नाम रोशन किया है।शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर शिक्षा और विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना से 350 से अधिक विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा का अवसर मिला है। वहीं 210 विद्यार्थी विज्ञान प्रयोगों के माध्यम से व्यवहारिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।महिला सशक्तिकरण की दिशा में स्थापित 'प्रेरणा सेंटर' ने गांव की महिलाओं के जीवन में आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिखी है।

सूने घर में करोड़ों की चोरी का हल्ला, जांच में एक लाख से भी कम की शिकायत, तीन अपचारी बालक गिरफ्तार

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। हाल ही में एक सूने घर में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने त्वरित और तथ्यात्मक कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों के भीतर पर्दाफाश कर दिया है। शहर के गणेश चौक निवासी एक परिवार ऋषिकेश की यात्रा पर गया हुआ था, इसी दौरान घर की खिड़की का एसी हटाकर अज्ञात बदमाश अंदर घुसे और नगदी व आभूषण की चोरी कर फरार हो गए। घटना के बाद सोशल मीडिया पर 5 करोड़ रुपये की चोरी होने की बड़ी अफवाह तेजी से फैल गई थी, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई थी।

हालांकि, पुलिस जांच में यह स्पष्ट हुआ कि यह दावा पूरी तरह बेबुनियाद और असत्य था। परिवार के लौटने पर जब वास्तविक आकलन किया गया, तो अनुमानित चोरी की रकम और सामान बहुत कम निकला। तकनीकी साक्ष्यों, आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए जांच टीम ने 10 से 13 वर्ष की आयु के तीन बालकों को अपनी अभिरक्षा में लिया, जिन्होंने पूछताछ के दौरान चोरी की बात स्वीकार कर ली। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने घर से गायब हुए 1 लाख से अधिक नगद रुपये, पुराने नोट, सोने-चांदी के जेवरात, बहुमूल्य रत्न, पूजा के बर्तन और घर के अन्य धातु के सामान पूरी तरह से बरामद कर लिए हैं।

बरामद किए गए सभी सामानों की पहचान पीड़ित परिवार द्वारा कर ली गई है और इस मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी घटना पर बिना पुष्टि के सोशल मीडिया पर भ्रामक और झूठी अफवाहें न फैलाएं।

शराब तस्करों पर कसा शिकंजा, 2.23 लाख की अवैध शराब बरामद

विश्व केसरी

धमतरी (पवन तिवारी)। अवैध शराब के कारोबार पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत धमतरी पुलिस को अब तक की सबसे बड़ी सफलता मिली है। थाना अर्जुनी क्षेत्र के ग्राम धौराभाठा में पुलिस ने दबिश देकर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 53 पेटी यानी लगभग 458 लीटर अवैध शराब जब्त की। बरामद शराब की अनुमानित बाजार कीमत 2,23,680 रुपये आंकी गई है।पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अर्जुनी थाना प्रभारी को सूचना मिली थी कि ग्राम धौराभाठा में बड़ी मात्रा में अवैध शराब का भंडारण किया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर दबिश दी और धौराभाठा निवासी खिलानंद साहू उर्फ गोलू साहू (उम्र 33 वर्ष) तथा कमलेश साहू (उम्र 32 वर्ष) को हिरासत में लिया।तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 40 पेटी (1920 पाव) देशी प्लेन शराब शोले, 5 पेटी (240 पाव) देशी मसाला शराब शोले तथा 8 पेटी (384 पाव) जम्मू व्हिस्की बरामद की गई। कुल 2544 पाव अवैध शराब जब्त कर आरोपियों के खिलाफ अर्जुनी थाने में आबकारी अधिनियम की धारा 34 (2) के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

बिना परेशानी के आम लोगों को समय पर सेवाएं देना आयकर विभाग की जिम्मेदारी: निर्मला सीतारमण

विश्व केसरी

मुंबई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि आयकर विभाग का काम केवल कर वसूलना नहीं, बल्कि आम लोगों को इधर-उधर दौड़ाए बिना उनके हित में काम करना है। साथ ही, बिना परेशानी के समय पर सेवाएं देना भी विभाग की जिम्मेदारी है।

देश की आर्थिक राजधानी में नरीमन पॉइंट पर आयकर विभाग की 13 मंजिल की नई इमारत 'आयकर सिंधु' के उद्घाटन के दौरान वित्त मंत्री ने सरकारी विभागों के 'सुस्त' रवैये पर भी अपनी निराशा जाहिर की, जिसकी वजह से सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे या अतिक्रमण होते हैं और सभी अधिकारियों के कामकाज में ईमानदारी की जरूरत पर जोर दिया।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि जिस जमीन पर यह इमारत खड़ी है, वह 1973 से विभाग के पास थी, लेकिन उपयोग होने के कारण वहां अवैध कब्जे हो गए थे। साथ ही, अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि सरकार संपत्तियों की सुरक्षा करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

वित्त मंत्री ने इमारत को बनाने में आने वाली मंजूरी संबंधी चुनौतियों का जिक्र करते हुए आगे कहा कि एक शक्तिशाली सरकारी विभाग को मंजूरी लेने में इतना समय और कई दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है तो आम आदमी को होने वाली परेशानियों का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उन्हें लोगों की समस्याओं को समझना चाहिए और अनावश्यक देरी से बचना चाहिए।

सीतारमण ने स्पष्ट कहा कि वह अधिकारियों से नियम तोड़ने या आम नागरिकों के लिए कुछ हटकर करने को नहीं कह रही हैं, लेकिन उन्होंने अफसोस जताया कि इस देश में लोगों को अपना जायज हक पाने के लिए बहुत मशक्कत करनी पड़ती है।

सीतारमण ने मुंबई और नवी मुंबई इलाकों में कई आयकर अधिकारियों के सरकारी आवास में न रहने के मुद्दे पर भी ध्यान केंद्रित करने का वादा किया। उन्होंने संकेत दिया कि उनमें से आधे अधिकारियों को यह सुविधा नहीं मिलती है और उन्हें काम पर जाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

सीतारमण ने कहा कि वह इस काम के लिए सरकारी स्तर पर जमीन के ट्रांसफर को प्राथमिकता देंगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह जमीन के तेजी से ट्रांसफर में मदद करेंगी, जबकि बाकी काम - जैसे मंजूरी लेना, निर्माण कार्य, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के साथ काम करना और कॉन्ट्रैक्ट व टेंडर देना- आयकर अधिकारियों को ही करना होगा।

भारत की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों का मार्केटकैप 2.74 लाख करोड़ रुपए गिरा

विश्व केसरी

मुंबई। देश की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों का मार्केटकैप बीते हफ्ते करीब 2.74 लाख करोड़ रुपए घट गया है। इसकी वजह वैश्विक अस्थिरता के चलते भारतीय शेयर बाजार में व्यापक स्तर पर बिकवाली होना था।

20-24 जुलाई के कारोबारी सत्र में सेंसेक्स 2,091.68 अंक या 2.68 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,059.77 पर और निफ्टी 566.85 अंक या 2.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,767.45 पर बंद हुआ।

बीते हफ्ते देश की शीर्ष 10 कंपनियों में केवल हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के ही मार्केटकैप में बढ़त दर्ज की गई है, जबकि बाकी कंपनियां नुकसान में रही हैं, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) और एलएंडटी शामिल हैं।

एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 1,18,383.91 करोड़ रुपए कम होकर 11,43,985.90 करोड़ रुपए हो गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केटकैप 65,429.82 करोड़ रुपए घटकर 17,29,661.44 करोड़ रुपए, एसबीआई का मार्केटकैप 26,814.94 करोड़ रुपए कम होकर 9,36,953.84 करोड़ रुपए और बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 26,802.74 करोड़ रुपए कम होकर 6,30,471.54 करोड़ रुपए हो गया है।

इसके अलावा, लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) का मार्केटकैप 15,116.74 करोड़ रुपए कम होकर 5,33,007.56 करोड़ रुपए हो गया है। आईसीआईसीआई बैंक का मार्केटकैप 6,223.84 करोड़ रुपए कम होकर 10,28,217.93 करोड़ रुपए हो गया है।

भारत में बीते पांच वित्त वर्षों में पहली बार कोस्टा कॉफी के स्टोर्स की संख्या घटकर 198 हुई

विश्व केसरी

नई दिल्ली। ब्रिटेन की कॉफी चेन कोस्टा कॉफी के भारत में स्टोर नेटवर्क में बीते पांच वित्त वर्षों में पहली बार गिरावट दर्ज की गई है।

कंपनी की भारत में फ्रेंचाइजी पार्टनर देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड (डीआईएल) की लेटेस्ट एनुअल रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक कोस्टा कॉफी के भारत में 198 कैफे संचालित हो रहे थे, जबकि एक साल पहले इनकी संख्या 220 थी।

बीते वित्त वर्ष में 22 स्टोर्स का बंद होना वित्त वर्ष 2020-21 से लगातार जारी ब्रांड के विस्तार के सिलसिले में पहली बड़ी गिरावट है।

हालांकि, स्टोर्स की संख्या घटने के बावजूद, कोस्टा कॉफी का परिचालन राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 में सालाना आधार पर 7 प्रतिशत बढ़कर 212.5 करोड़ रुपए हो गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 198.5 करोड़ रुपए था।

इससे पहले के वित्त वर्ष में कंपनी का राजस्व 30.76 प्रतिशत बढ़ा था, जिसे 179 स्टोर्स से बढ़कर 220 स्टोर्स तक पहुंचे तेज नेटवर्क विस्तार का समर्थन मिला था।

ताजा प्रदर्शन से संकेत मिलता है कि कंपनी अब केवल स्टोर विस्तार पर निर्भर रहने के बजाय प्रति स्टोर अधिक राजस्व अर्जित करने की रणनीति पर ध्यान दे रही है। पिछले पांच वर्षों में कोस्टा कॉफी का नेटवर्क लगातार बढ़ा था। इस दौरान स्टोर्स की संख्या वित्त वर्ष 21 में 44 से बढ़कर वित्त वर्ष 22 में 55, वित्त वर्ष 23 में 112, वित्त वर्ष 24 में 179 और वित्त वर्ष 25 में 220 हो गई थी। इसके बाद वित्त वर्ष 26 में यह घटकर 198 रह गई।

हालांकि, वार्षिक रिपोर्ट में स्टोर्स की संख्या घटने के कारणों का उल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन देवयानी इंटरनेशनल ने कहा कि वर्ष के दौरान उसने अपने पूरे पोर्टफोलियो में विस्तार के लिए 'अधिक अनुशासित और चयनात्मक दृष्टिकोण' अपनाया।

इसके बावजूद कंपनी ने कॉफी चेन के विस्तार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि कोस्टा कॉफी, यम! ब्रांड्स द्वारा संचालित क्विक सर्विस रेस्तरां चेन पिज्जा हट और केएफसी के साथ उसके प्रमुख विकास इंजन में शामिल है।

आईटीआर फाइल करते समय डिडक्शन को क्लेम करना न भूलें

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करते समय अधिकतर लोग अपनी आय और टैक्स की जानकारी तो सही भर देते हैं, लेकिन कई बार ऐसे महत्वपूर्ण टैक्स डिडक्शन का दावा करना भूल जाते हैं, जिनकी मदद से उनकी टैक्स देनदारी काफी कम हो सकती है। इसका नतीजा यह होता है कि करदाता जरूरत से ज्यादा टैक्स चुका देते हैं। यदि आपने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर दाखिल करना है और पुराना टैक्स रिजीम चुना है, तो कुछ महत्वपूर्ण डिडक्शन का लाभ उठाकर अच्छी-खासी टैक्स बचत की जा सकती है।

ध्यान रखने वाली बात यह है कि नए टैक्स रिजीम में इन अधिकांश डिडक्शन का लाभ उपलब्ध नहीं होता। इसलिए रिटर्न दाखिल करने से पहले दोनों टैक्स रिजीम की तुलना जरूर कर लें, ताकि यह तय किया जा सके कि किस विकल्प में आपको अधिक बचत मिलेगी। अगर आपने पब्लिक

प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), टैक्स सेविंग फिक्स्ड डिपॉजिट, ईएलएसएस, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी), सुकन्या समृद्धि योजना, जीवन बीमा प्रीमियम, बच्चों की ट्यूशन फीस या होम लोन के मूलधन का भुगतान किया है, तो सेक्शन 80सी के तहत अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक की टैक्स छूट का दावा किया जा सकता है। यह टैक्स बचाने का सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला प्रावधान है।

वहीं, अगर आपने नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में निवेश किया है, तो सेक्शन 80सीसीडी(1बी) के तहत 50,000 रुपए तक की अतिरिक्त टैक्स छूट मिल सकती है। यह छूट सेक्शन 80सी से अलग होती है। यानी 80सी और 80सीसीडी(1बी) को मिलाकर कुल 2 लाख रुपए तक की टैक्स बचत संभव है।

यदि आपने अपने, जीवनसाथी, बच्चों या माता-पिता के लिए हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी ली है, तो सेक्शन 80डी के तहत टैक्स छूट का लाभ मिल सकता है। यह छूट परिवार की स्थिति और वरिष्ठ नागरिकों के आधार पर 25,000 से 1 लाख रुपए तक हो सकती है। हालांकि, प्रीमियम का भुगतान बैंकिंग माध्यम से किया गया होना चाहिए।

इसके अतिरिक्त, उच्च शिक्षा के लिए लिया गया एजुकेशन लोन भी टैक्स बचाने में मदद करता है। सेक्शन 80ई के तहत एजुकेशन लोन पर चुकाए गए ब्याज की पूरी राशि पर निर्धारित अवधि तक टैक्स छूट मिलती है।

इसमें किसी अधिकतम सीमा का प्रावधान नहीं है। हालांकि, यह छूट केवल ब्याज पर मिलती है, लोन के मूलधन पर नहीं।

वहीं, अगर आपने सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था, ट्रस्ट या राहत कोष में दान दिया है, तो सेक्शन 80जी के तहत 50 प्रतिशत या 100 प्रतिशत तक टैक्स छूट मिल सकती है।

चीन की अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी, घरेलू मांग में गिरावट से विकास पर असर

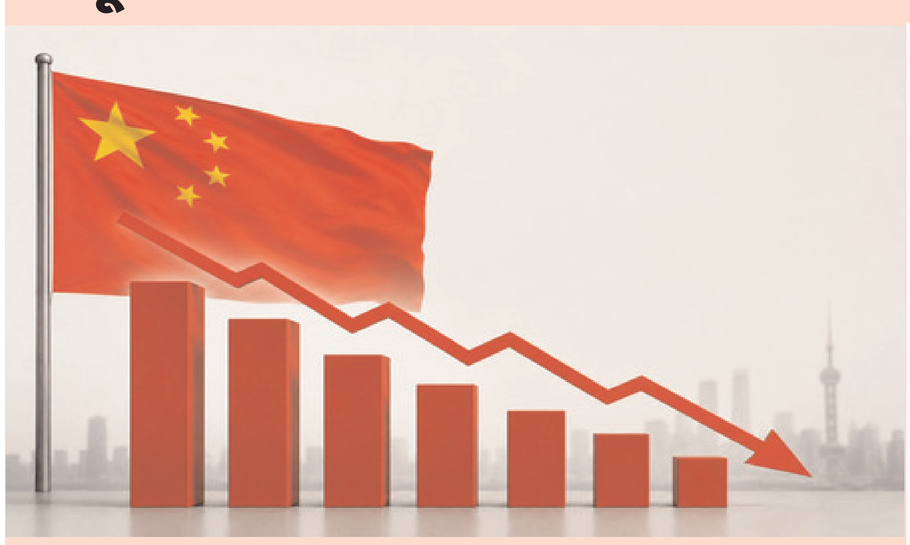

विश्व केसरी

नई दिल्ली। घरेलू मांग में लगातार गिरावट के कारण इस वर्ष की दूसरी तिमाही में चीन की जीडीपी वृद्धि दर घटकर महज 4.3 प्रतिशत रह गई। यह निर्यात पर अत्यधिक निर्भर चीनी अर्थव्यवस्था में गहराते संरचनात्मक असंतुलन को दर्शाता है।

मर्केटर इंस्टीट्यूट फॉर चाइना स्टडीज (एमईआरआईसीएस) के एक आर्टिकल के अनुसार, 'जीडीपी वृद्धि को सबसे अधिक प्रभावित करने वाला प्रमुख कारण स्थिर परिसंपत्ति निवेश (एफएआई) में तेज गिरावट रही। रियल एस्टेट निवेश 18 प्रतिशत घट गया, जो किसी भी छह महीने की अवधि में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। इसके अलावा सड़क निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और विनिर्माण क्षेत्र में भी एफएआई में कमी दर्ज की गई। इससे संकेत मिलता है कि पहले से ही वित्तीय संकट से जूझ रही स्थानीय सरकारें के पास बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर खर्च करने के लिए धन लगभग समाप्त हो चुका है।' आर्टिकल में आगे कहा गया है कि चीन की अर्थव्यवस्था में मौजूद संरचनात्मक असंतुलन और गहरा होता जा रहा है। जून में घरेलू कारों की बिक्री सालाना आधार पर 16.1 प्रतिशत गिर गई, जो उपभोक्ता विश्वास में कमजोरी को दर्शाती है और समग्र आर्थिक वृद्धि को भी प्रभावित कर रही है।

हालांकि चीन की घरेलू अर्थव्यवस्था सुस्ती का सामना कर रही है, लेकिन उसका अंतरराष्ट्रीय व्यापार अभी भी मजबूत बना हुआ है। जून में निर्यात मूल्य के आधार पर 27 प्रतिशत और आयात 36 प्रतिशत बढ़ा। विशेष रूप से हाई-टेक उत्पादों का प्रदर्शन बेहतर रहा, जिससे संकेत मिलता है कि चीन के निर्यात में वृद्धि की अभी भी संभावनाएं हैं।

आर्टिकल के मुताबिक, चीन में संरचनात्मक असंतुलन बढ़ने और निर्यात के लगातार विस्तार के कारण यूरोपीय संघ (ईयू) और चीन के बीच व्यापारिक तनाव आगे भी ऊंचे स्तर पर बने रहने की संभावना है।

रिपोर्ट के अनुसार, निर्यात की मात्रा बढ़ी है, लेकिन आयात की मात्रा लगभग स्थिर बनी हुई है। चीन पहले की तुलना में अधिक सामान आयात नहीं कर रहा, बल्कि कमोडिटी और हाई-टेक उत्पादों की बढ़ती कीमतों के कारण उन्हीं वस्तुओं के लिए अधिक भुगतान कर रहा है।

चीन की अर्थव्यवस्था निर्यात पर इतनी अधिक निर्भर हो चुकी है कि यूरोपीय संघ के साथ व्यापार वार्ताओं में उसके रुख में नरमी आने की संभावना बेहद कम है।

यूरोप में चीनी वस्तुओं की बढ़ती आमद ने यूरोपीय संघ को अपने व्यापार सुरक्षा तंत्र की समीक्षा करने के लिए प्रेरित किया है। यहां तक कि जर्मनी की सरकार ने भी बीजिंग की औद्योगिक नीतियों से पैदा हुई बाजार विकृतियों पर पहले की तुलना में अधिक खुलकर आलोचना शुरू कर दी है।

चेन्नई और अहमदाबाद में जनवरी-जून अवधि में मिड-साइज ऑफिस स्पेस की लीजिंग में हुई मजबूत बढ़ोतरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। चेन्नई में मिड-साइज ऑफिस स्पेस (50,000-1,00,000 वर्ग फुट) की लीजिंग गतिविधि 2026 की पहली छमाही में लगभग दोगुनी होकर 12 लाख वर्ग फुट पर पहुंच गई, जो कि 2025 की पहली छमाही में 6 लाख वर्ग फुट थी।

नाइट फ्रैंक इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, इसी अवधि में मिड-साइज ऑफिस ट्रांजैक्शंस की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत से बढ़कर 32 प्रतिशत हो गई। इसका दिखाता है कि चेन्नई में हर तीन ऑफिस डील में से लगभग एक डील मिड-साइज ऑफिस स्पेस की रही।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की पहली छमाही में बड़े ऑफिस सौदे (1,00,000 वर्ग फुट से अधिक) कुल लीजिंग गतिविधि का 60 प्रतिशत हिस्सा थे, लेकिन 2026 की पहली छमाही में बाजार अधिक संतुलित हो गया। इस दौरान छोटे ऑफिस ट्रांजैक्शंस का योगदान 36 प्रतिशत, मिड-साइज ऑफिस का 32 प्रतिशत और बड़े ऑफिस का 31 प्रतिशत रहा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह बदलता हुआ स्वरूप दर्शाता है कि अब विभिन्न आकार के ऑफिस स्पेस में लीजिंग गतिविधि अधिक संतुलित और विविध हो गई है।

नाइट फ्रैंक इंडिया में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर-ऑक्युपायर स्ट्रैटेजी एंड सॉल्यूशंस तथा हेड ऑफ डेटा सेंटर बिजनेस (इंडिया) जोसेफ थिलक ने कहा, "चेन्नई का ऑफिस बाजार अब अधिक विविध लीजिंग इकोसिस्टम की ओर बढ़ रहा है, जहां मिड-साइज ऑफिस लेने वाली कंपनियां मांग बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जैसे-जैसे कंपनियां चरणबद्ध विस्तार की रणनीति अपना रही हैं और परिचालन में अधिक लचीलापन चाहती हैं, हमें उम्मीद है कि मिड-साइज ऑफिस सेगमेंट में मांग मजबूत बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि चेन्नई मध्यम अवधि में संतुलित ऑफिस मार्केट ग्रोथ बनाए रखने की मजबूत स्थिति में है।

इस बीच, अहमदाबाद में भी 50,000-1,00,000 वर्ग फुट श्रेणी के ऑफिस स्पेस की लीजिंग गतिविधि 2026 की पहली छमाही के दौरान मजबूती से बढ़ी। इस श्रेणी में ट्रांजैक्शन वॉल्यूम सालाना आधार पर 121 प्रतिशत बढ़कर 2.7 लाख वर्ग फुट हो गया, जो 2025 की पहली छमाही में 1.2 लाख वर्ग फुट था।

मार्केट आउटलुक: पहली तिमाही के नतीजे, कच्चे तेल और फेड के निर्णय से तय होगी शेयर बाजार की चाल

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए आने वाला हफ्ता काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। अमेरिकी फेड का ब्याज दरों पर निर्णय, जून तिमाही के नतीजे, कच्चे तेल की कीमतें और मध्य पूर्व में तनाव जैसे कारक मिलकर शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे।

ब्याज दरों की समीक्षा को लेकर अमेरिकी फेड की बैठक 28-29 जुलाई के बीच प्रस्तावित है। इस बैठक पर आने वाले सत्रों में सभी निवेशकों की निगाहें होंगी।

इसके अलावा, मध्य पूर्व में तनाव को लेकर आने वाले अपडेट आगामी सत्रों में बाजार की चाल को प्रभावित करेंगे। बीते हफ्ते अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतें करीब 100 डॉलर प्रति तक पहुंच गई थीं।

घरेलू आर्थिक आंकड़े भी बाजार की चाल को प्रभावित करेंगे। सरकार द्वारा 28 जुलाई को इंडस्ट्रियल और मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्शन का डेटा जारी किया जाएगा। वहीं, बीईएल, केनरा बैंक, कोल इंडिया, कोफोर्ज, एमके, जेके पेपर, आरआरकाबेल, टाटा पावर, टाटा केमिकल, अंबुजा सीमेंट, एशियन पेंट्स, अदाणी पोर्ट्स और अदाणी एंटरप्राइजेज, डाबर, वीगार्ड, एक्साइड इंडस्ट्रीज, एमएंडएम और एलआईसी हाउसिंग जैसी कंपनियों की ओर से वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए जाएंगे।

भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता हफ्ता उतार-चढ़ाव भरा रहा। इस दौरान सेंसेक्स 2,091.68 अंक या 2.68 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,059.77 पर और निफ्टी 566.85 अंक या 2.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,767.45 पर बंद हुआ।

व्यापक बाजार में भी गिरावट देखने को मिली।

निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 805.70 अंक या 1.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 61,622.35 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 421.35 अंक या 2.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,874.95 पर था।

सूचकांकों में निफ्टी प्राइवेट बैंक (4.32 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (4.02 प्रतिशत), निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज (3.69 प्रतिशत), निफ्टी सर्विसेज (3.17 प्रतिशत), निफ्टी ऑयल एंड गैस (1.96 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (1.57 प्रतिशत) और निफ्टी इन्फ्रा (1.46 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ टॉप लूजर्स थे।

वहीं, निफ्टी एफएमसीजी (0.62 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (0.44 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (0.39 प्रतिशत) और निफ्टी पीएसई (0.14 प्रतिशत) की बढ़त के साथ टॉप गेनर्स थे।

मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने सादगी, विज्ञान और सपनों से गढ़ी नए भारत की पहचान

नई दिल्ली। मिसाइल मैन के नाम से मशहूर पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम का निधन 27 जुलाई 2015 को गया था, लेकिन उनके किए गए कार्य और सादगी आज भी लोग याद करते हैं। उनकी आवाज आज भी स्कूलों, किताबों, मिसाइल प्रक्षेपणों में और हर उस युवा के सपनों में गूंजती है, जो कुछ बड़ा करना चाहता है।

डॉ. कलाम की पंक्तियां 'सपना वो नहीं है जो आप सोते समय देखते हैं, बल्कि वो है जो आपको सोने नहीं देता। किसी को हराना बहुत आसान है, लेकिन किसी का दिल जीतना बहुत मुश्किल है।' आज भी लोगों लोकप्रिय हैं।

एपीजे अब्दुल कलाम का पूरा नाम डॉ. अवुल पकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम है। मछुआरे के घर में जन्मे अब्दुल कलाम ने रामेश्वरम की गलियों से चलकर राष्ट्रपति भवन की दहलीज तक का सफर तय किया और मिसाइल तकनीक से लेकर बच्चों के मन तक में अपनी अमिट छाप छोड़ी। उनका जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के एक छोटे से गांव रामेश्वरम में हुआ था। नके पिता ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं थे, लेकिन जीवन की सच्ची शिक्षा डॉ. अब्दुल कलाम साहब ने उन्हीं से सीखी। डॉ. कलाम ने अपनी आत्मकथा 'विंग्स ऑफ फायर' में इसका जिक्र भी किया है।

पांच भाई-बहनों में सबसे छोटे होने के बावजूद कलाम ने गरीबी के हालात में भी अपनी पढ़ाई जारी रखी। उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की और 1958 में डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) से जुड़ गए। 1969 में वे इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) चले गए, जहां वे एसएलवी-3 के प्रोजेक्ट डायरेक्टर बने। यह भारत में ही डिजाइन और तैयार किया गया पहला सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल था। 1980 में एसएलवी-3 ने 'रोहिणी' नाम के सैटेलाइट को सफलतापूर्वक पृथ्वी के पास की कक्षा (ऑर्बिट) में पहुंचाया, जिससे भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गया। यहीं से एपीजे अब्दुल कलाम को 'मिसाइल मैन' का नाम मिला, जो उन्हें अमर हो गया। कलाम ने इसरो में लॉन्च व्हीकल टेक्नोलॉजी के और विकास की देखरेख की, जिसमें पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल भी शामिल था।

डॉक्टर कलाम ने पृथ्वी और अग्नि जैसे स्वदेशी मिसाइल विकसित किए। 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षणों में उनकी भूमिका रणनीतिक और निर्णायक रही। एक वैज्ञानिक के रूप में वे केवल प्रयोगशाला के भीतर सीमित नहीं रहे। वे नीति, सुरक्षा और तकनीकी दृष्टिकोण से देश के भविष्य की नींव रख रहे थे।

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान और मूल्यांकन परिषद (टीआईएफएसी) के अध्यक्ष और एक प्रख्यात वैज्ञानिक के रूप में उन्होंने 500 विशेषज्ञों की मदद से देश का नेतृत्व करते हुए प्रौद्योगिकी विजन 2020 पर पहुंचकर भारत को वर्तमान विकासशील स्थिति से विकसित राष्ट्र में बदलने का रोडमैप प्रस्तुत किया। डॉ. कलाम ने नवंबर 1999 से नवंबर 2001 तक कैबिनेट मंत्री के पद पर भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के रूप में कार्य किया। इसके साथ ही उन्होंने कई विकास अनुप्रयोगों के लिए नीतियों, रणनीतियों और मिशनों को विकसित करने के लिए जिम्मेदार रहे। डॉ. कलाम कैबिनेट की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी-सी) के पदेन अध्यक्ष भी थे और उन्होंने इंडिया मिलेनियम मिशन 2020 का नेतृत्व किया।

दिनभर रहती है थकान और सुस्ती ? नजरअंदाज करना पड़ सकता है भारी

नई दिल्ली। आज की तेज रफ्तार जिंदगी में थकान और सुस्ती को लोग आम समस्या मानकर अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। कई लोग इसे काम के दबाव, कम नींद या मौसम का असर समझकर छोड़ देते हैं, लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स इस संकेत को इतने हल्के में नहीं लेते हैं। उनका कहना है कि बार-बार होने वाली थकान शरीर की ओर से मिलने वाला एक महत्वपूर्ण संकेत हो सकती है। समय रहते इस पर ध्यान न देने से कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, लगातार थका हुआ महसूस करना केवल कमजोरी का संकेत नहीं है, बल्कि यह शरीर में पनप रही कई बीमारियों का शुरुआती लक्षण भी हो सकता है। खासकर मोटापा और उससे जुड़ी समस्याओं का असर सबसे पहले ऊर्जा के स्तर पर दिखाई देता है। शरीर का वजन बढ़ने के साथ ही कई अंगों पर अतिरिक्त दबाव पड़ने लगता है, जिससे व्यक्ति जल्दी थकने लगता है और पूरे दिन सुस्ती महसूस करता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि अनियमित खानपान, शारीरिक गतिविधियों की कमी, तनाव और पर्याप्त नींद न लेना भी इस समस्या को बढ़ाने वाले प्रमुख कारण हैं। लगातार थकान रहने पर डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, फैटी लीवर और हृदय रोगों का खतरा भी बढ़ सकता है। इसलिए इसे सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि यदि किसी व्यक्ति को लंबे समय तक थकान महसूस हो रही है तो उसे इसके कारणों की जांच करानी चाहिए।

खासकर यदि थकान के साथ वजन बढ़ना, सांस फूलना, भूख कम लगना या अन्य शारीरिक बदलाव भी दिखाई दें, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेना जरूरी है।

इस समस्या से बचाव के लिए जीवनशैली में कुछ आसान बदलाव काफी मददगार साबित हो सकते हैं। संतुलित और पौष्टिक भोजन लेना, नमक, चीनी, और तेल-घी का सीमित सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक माना जाता है। इसके अलावा, नियमित व्यायाम भी बेहद जरूरी है। विशेषज्ञ रोजाना कम से कम 30 से 45 मिनट तक पैदल चलने या योग करने की सलाह देते हैं।

पोषक तत्वों का खजाना शरीफा : फल के साथ बीज और पत्तियां भी फायदेमंद, जानें इसके अनोखे गुण

नई दिल्ली। प्रकृति ने ऐसे कई फल-फूल दिए हैं, जिनके सेवन से सेहत को भला चंगा रखा जा सकता है। शरीफा या शुगर एप्पल भी ऐसा ही फल है, जो न केवल स्वाद में कमाल बल्कि पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है।

मीठे स्वाद और मलाईदार गूदे के लिए मशहूर शरीफा केवल एक स्वादिष्ट फल ही नहीं, बल्कि सेहत और पर्यावरण दोनों के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। पोषक तत्वों से भरपूर यह फल शरीर को एनर्जी देने के साथ कई स्वास्थ्य लाभ भी पहुंचाता है। खास बात यह है कि इसके फल के अलावा बीज और पत्तियां भी कई तरह से उपयोगी होते हैं।

बिहार सरकार का वन, जल एवं पर्यावरण विभाग शरीफा के गुणों से अवगत कराता है। विभाग के अनुसार, शरीफा के केवल फल नहीं बल्कि इसके बीज और पत्तियां भी उपयोगी होते हैं। इनका इस्तेमाल प्राकृतिक कीटनाशक के रूप में किया जा सकता है। इससे खेती में रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। यही वजह है कि यह पौधा कृषि और पर्यावरण दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है।

शरीफा, जिसे सीताफल, आता और शुगर एप्पल के नाम से भी जाना जाता है, विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन बी-6, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत है। यही कारण है कि इसे स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी फलों में गिना जाता है। इसके नियमित सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और मौसमी बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है।

विशेषज्ञों के अनुसार शरीफा पाचन तंत्र के लिए भी फायदेमंद है। इसमें मौजूद पोषक तत्व पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और शरीर को प्राकृतिक रूप से ऊर्जा प्रदान करते हैं। इसके अलावा यह हृदय स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है। इसमें पाए जाने वाले खनिज तत्व शरीर के कई महत्वपूर्ण कार्यों को सुचारु रूप से चलाने में मदद करते हैं।

शरीफा की पहचान उसके हरे रंग और खुरदरी सतह वाले फल से होती है। इसका गूदा मुलायम, मीठा और स्वादिष्ट होता है, जिसे बच्चे और बड़े दोनों पसंद करते हैं।

भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के लोको पायलट ने चेन्नई में ली खास ट्रेनिंग, सेफ्टी रेटिंग की तारीफ की

जींद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हरियाणा के जींद से देश की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ऐतिहासिक मौके पर ट्रेन के लोको पायलट चंद्रकांत कुमार ने इसकी खासियत, सुरक्षा व्यवस्था और अपनी विशेष ट्रेनिंग के बारे में जानकारी दी।

चंद्रकांत कुमार ने आईएएनएस से कहा, 'यह ट्रेन बेहद शानदार है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह हाइड्रोजन से चलती है और बिल्कुल भी प्रदूषण नहीं फैलाती। इसमें कार्बन उत्सर्जन नहीं होता। यही बात इसे डीजल और बिजली से चलने वाली अन्य ट्रेनों से अलग बनाती है। यह ट्रेन हाइड्रोजन पर चलेगी। हाइड्रोजन पानी से अलग की जाती है और उसी से यह ट्रेन संचालित होगी।

उन्होंने कहा, 'हम सभी को चेन्नई में चार दिन की ट्रेनिंग दी गई, जिसके बाद इस ट्रेन का संचालन करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

ट्रेन की सुरक्षा व्यवस्था पर बोलते हुए लोको पायलट ने कहा, 'इसकी सुरक्षा रेटिंग बहुत उच्च स्तर की है। धुआं, गैस रिसाव या आग जैसी किसी भी स्थिति में यह अलग तरीके से काम करती है। लोको पायलट के लिए ट्रेन चलाने की पूरी व्यवस्था बेहद आरामदायक है। इस ट्रेन में सभी सुरक्षा सिस्टम ऑटोमैटिक हैं।

उन्होंने ट्रेन की गति के बारे में भी जानकारी दी। चंद्रकांत कुमार ने कहा, 'इस ट्रेन की अधिकतम गति 110 किलोमीटर प्रति घंटा है, लेकिन जींद-सोनीपत रेलखंड पर निर्धारित गति सीमा 75 किलोमीटर प्रति घंटा होने के कारण यह ट्रेन फिलहाल 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जींद से इस हाइड्रोजन ट्रेन का शुभारंभ किया। यह ट्रेन जींद-सोनीपत रेलखंड पर नियमित रूप से संचालित होगी। इस परियोजना के तहत जींद में स्वदेशी हाइड्रोजन भंडारण और रीफ्यूलिंग सुविधा भी विकसित की गई है। साथ ही पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन ने संपीड़ित हाइड्रोजन गैस के भंडारण और वितरण के लिए आवश्यक लाइसेंस भी जारी कर दिया है।

इस ट्रेन के संचालन के साथ भारत जर्मनी, जापान, चीन और अमेरिका जैसे उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जो स्वच्छ रेल परिवहन के लिए हाइड्रोजन तकनीक पर काम कर रहे हैं।

इंजेक्शन की जगह मुंह से दवा भी उतनी ही असरदार, गंभीर निमोनिया वाले बच्चों के इलाज पर रिसर्च

नई दिल्ली। दुनियाभर में हर साल लाखों बच्चे निमोनिया जैसी खतरनाक बीमारी की चपेट में आते हैं और बड़ी संख्या में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ता है। गरीब और विकासशील देशों में यह बीमारी बच्चों की मौत का बड़ा कारण बनी हुई है। ऐसे में अब एक नई अंतरराष्ट्रीय रिसर्च सामने आई है, जिसमें दावा किया गया है कि निमोनिया से पीड़ित बच्चे की तबीयत में सुधार होने के बाद इंजेक्शन की जगह मुंह से दी जाने वाली एंटीबायोटिक दवा देना पूरी तरह सुरक्षित और असरदार है।

दरअसल, सिटी सेंट जॉर्ज यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, यूसीएल इनोवेटिव क्लिनिकल ट्रायल्स यूनिट और अफ्रीका व यूरोप के कई वैज्ञानिकों ने मिलकर ये रिसर्च तैयार की है। इसके नतीजे दुनिया की प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल द लैंसेट में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि अगर भविष्य में इस रिसर्च के आधार पर इलाज के नियम बदले जाते हैं, तो दुनियाभर में लाखों बच्चों को इसका फायदा मिल सकता है।

रिसर्च में बताया गया है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की सलाह के अनुसार, गंभीर निमोनिया वाले बच्चों को कम से कम पांच दिन तक इंजेक्शन के जरिए एंटीबायोटिक दी जाती है। इसके कारण कई बच्चों को अस्पताल में जरूरत से ज्यादा समय तक रहना पड़ता है। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे की हालत पहले ही काफी बेहतर हो जाती है, लेकिन इलाज पूरा करने के लिए उसे अस्पताल में ही रखना पड़ता है।

डॉक्टरों का कहना है कि अस्पताल में ज्यादा दिन तक रहने से कई तरह की परेशानियां बढ़ जाती हैं।

किसी के बारे में राय बनाने से पहले उसके बारे में जानना जरूरी, फ्लाइट में यात्री ने अनुपम खेर को दी सीख

मुंबई। दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने हाल ही में अपने जीवन से जुड़ा एक अनुभव साझा किया है। दरअसल, गोवा से मुंबई की फ्लाइट के दौरान उनकी मुलाकात एक ऐसे शख्स से हुई, जिसने उनका जीवन जीने और लोगों को परखने का नजरिया ही बदल दिया।

दरअसल, अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनके साथ डेविड नाम का एक व्यक्ति नजर आ रहा है। तस्वीर के साथ अभिनेता ने बताया कि यह मुलाकात उनके लिए कितनी खास रही।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''जीवन हर दिन हमें कुछ न कुछ सिखाता है और पिछले हफ्ते की इस फ्लाइट में मुझे भी एक महत्वपूर्ण सीख मिली। जब डेविड फ्लाइट में चढ़े, तो कई यात्रियों की नजर उन पर गई। डेविड का वजन सामान्य से ज्यादा था, इसलिए लोग उन्हें देखकर अलग-अलग बातें सोच रहे थे। वह आकर मेरी सीट के सामने वाली लाइन में बैठ गए। फ्लाइट के दौरान कुछ समय बाद उन्होंने अपना बैग खोला और उसमें से काफी सारी चॉकलेट और मिठाइयां बाहर निकालीं। इसके बाद वह अपनी सीट से उठकर विमान के पिछले हिस्से की ओर चले गए।''

उन्होंने कहा, ''यह देखकर मेरे मन में एक धारणा बन गई। मैंने डेविड के पास बैठे एक अन्य यात्री की ओर देखकर कहा कि शायद उन्हें इतनी ज्यादा मिठाइयां नहीं खानी चाहिए। उस यात्री ने भी मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि शायद यही कारण है कि उनका वजन ज्यादा है। उस समय तक मुझे यही लग रहा था कि डेविड अपने लिए इतनी सारी मिठाइयां लेकर आए हैं।''

अनुपम ने कहा, लेकिन कुछ ही देर बाद जो हुआ, उसने मेरी सोच पूरी तरह बदल दी। डेविड वापस अपनी सीट पर आए और उन्होंने अपने पास रखी सारी चॉकलेट और मिठाइयां इकट्ठा करके केबिन क्रू को दे दीं। यह देखकर मैं हैरान रह गया। मुझे समझ नहीं आया कि जिस व्यक्ति के बारे में मैंने कुछ और सोचा था, वह ऐसा काम क्यों कर रहा है।''

अभिनेता ने बताया, ''मैंने डेविड से बात की और उन्हें बताया कि मुझे लगा था कि आप खुद सारी चॉकलेट खाने वाले हैं और इसी वजह से आपका वजन ज्यादा है। इस पर डेविड ने कहा, 'मैं आपको इस सोच के लिए दोष नहीं दूंगा, क्योंकि ज्यादातर लोग पहली नजर में यही सोचते हैं। मेरा वजन मेडिकल कंडीशन के कारण बढ़ा है।

मैं पहले एयरलाइंस के साथ काम कर चुका हूं, इसलिए अच्छी तरह पता है कि केबिन क्रू हर दिन कित हालातों से गुजरते हैं। ऐसे में मैंने एक आदत बना ली। जब भी मैं ट्रैवल करता हूं, तो उनके लिए कुछ मीठा लेकर चलता हूं।

अनुपम खेर ने कहा, ''उस पल मुझे महसूस हुआ कि मैंने बिना पूरी सच्चाई जाने केवल किसी के बाहरी रूप को देखकर उसके बारे में राय बना ली थी। हम सभी कई बार ऐसा करते हैं।

राहुल बोस : अभिनय से मिली पहचान, रग्बी से मिला सम्मान और समाज सेवा बनी मिसाल

नई दिल्ली। 27 जुलाई 1967 को कलकत्ता (अब कोलकाता) में जन्मे राहुल बोस महज एक कुशल अभिनेता नहीं बल्कि एक पूर्व अंतरराष्ट्रीय रग्बी खिलाड़ी, एक दूरदर्शी फिल्म निर्माता और एक निस्वार्थ समाज सेवक भी हैं।

बचपन में अपनी मां द्वारा बॉक्सिंग और रग्बी से परिचित कराए गए राहुल बोस ने कैथेड्रल एंड जॉन कॉनन स्कूल और बाद में सिडेनहैम कॉलेज से अपनी शिक्षा पूरी की। इसी दौरान उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान मंसूर अली खान पटौदी से क्रिकेट का प्रशिक्षण भी लिया और बॉक्सिंग में रजत पदक जीता। उनका असली जुनून रग्बी बना जिसके लिए उन्होंने 1998 से 2009 तक 11 वर्षों तक भारतीय राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया।

एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और अभिनेता के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं था। 1994 से 2009 के बीच अपनी 24 फिल्मों की शूटिंग का समय उन्होंने रग्बी कैलेंडर के हिसाब से तय किया।

1998 से 2009 तक राहुल बोस ने भारतीय राष्ट्रीय रग्बी टीम के लिए 11 वर्षों तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेला। 2017 में भारतीय महिला रग्बी टीम ने एशिया सेवेंस चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। 15 अगस्त 2021 को ओडिशा सरकार ने भारतीय रग्बी टीम की स्पॉन्सरशिप शुरू की। 18 दिसंबर 2021 को राहुल बोस ने रग्बी इंडिया के अध्यक्ष का कार्यभार संभाला।

राहुल बोस का अभिनय से पहला परिचय मात्र छह साल की उम्र में स्कूल के नाटक 'टॉम, द पाइपर्स सन' में हुआ था। मां के निधन के बाद रेडिफ्यूजन में एक कॉपीराइटर के तौर पर काम करने वाले राहुल बोस ने फिल्म इंग्लिश, ऑगस्ट (1994) की भारी सफलता के बाद पूर्णकालिक अभिनेता बनने का फैसला किया।

व्यावसायिक सिनेमा की जगह उन्होंने हमेशा समानांतर सिनेमा को चुना। मिस्टर एंड मिसेज अय्यर, चमेली, झंकार बीट्स और विश्वरूपम जैसी फिल्मों में उन्होंने अपने अभिनय का लोहा मनवाया। एक निर्देशक के तौर पर उनकी पहली निर्देशित फिल्म एवरीबडी सेज आई एम फाइन! (2001) के लिए फंड जुटाने में उन्हें महज 33 दिन लगे। इसके बाद उन्होंने पूर्णा (2017) का निर्देशन किया, जो 13 साल की उम्र में माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली सबसे कम उम्र की लड़की की बायोपिक थी। इस फिल्म की शूटिंग 1 दिसंबर से 31 जनवरी के बीच की गई थी।

सिनेमा और खेल से परे राहुल बोस एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। 2004 की भीषण सुनामी के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में राहत कार्यों ने उनके जीवन को एक नया मकसद दिया। इसके परिणामस्वरूप उन्होंने 'द फाउंडेशन' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य समाज से हर प्रकार के भेदभाव को मिटाना है।

फाउंडेशन के 'प्रोजेक्ट रीच' के माध्यम से वे भौगोलिक और राजनीतिक रूप से कटे हुए क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों को देश के सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, उनके 'प्रोजेक्ट हील' ने बाल यौन शोषण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए 35,000 से अधिक शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों को प्रशिक्षित किया है।

रवीना टंडन के पेट डॉग के साथ खेलती दिखीं दिशा पाटनी, इंटरनेट पर छाया क्यूट वीडियो

विश्व केसरी ■

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन सिर्फ अपनी फिल्मों ही नहीं, बल्कि जानवरों के प्रति अपने खास लगाव के लिए भी जानी जाती हैं। वह अक्सर अपने पालतू जानवरों के साथ तस्वीरें और वीडियो साझा करती रहती हैं।

एक बार फिर रवीना अपने इसी अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल, मुंबई एयरपोर्ट पर जब उनकी मुलाकात अभिनेत्री दिशा पाटनी से हुई, तो वह उनसे अपने पालतू डॉगी को मिलवाती हुई नजर आईं। दोनों अभिनेत्रियों का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में रवीना टंडन अपने पालतू डॉगी के साथ एयरपोर्ट पर नजर आती हैं। इसी दौरान वहां से गुजर रही दिशा पाटनी से उनकी मुलाकात होती है। रवीना मुस्कुराते हुए अपने डॉगी को दिशा से मिलवाती हैं। दिशा भी डॉगी को प्यार से सहलाती हैं और उसके साथ कुछ पल बिताती हैं। इस दौरान दोनों अभिनेत्रियां आपस में बातचीत करती हुई भी दिखाई देती हैं।

एयरपोर्ट लुक की बात करें तो दोनों अभिनेत्रियों ने बेहद सिंपल लुक रखा। रवीना टंडन ब्लैक कलर के को-ऑर्ड सेट में नजर आईं, जिसमें उनका लुक बेहद स्टाइलिश दिखाई दे रहा था। वहीं दिशा पाटनी ने स्लीवलेस ब्लैक टॉप के साथ मैचिंग ट्राउजर पहना था।

बता दें कि रवीना टंडन लंबे समय से पशु प्रेम के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर अपने पालतू जानवरों के साथ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं।

कुछ समय पहले रवीना ने अपने प्रशंसकों के साथ एक घटना साझा की थी। उन्होंने एयरपोर्ट पर मिले एक लावारिस पिल्ले को बचाया था, जिसका नाम उन्होंने 'भैरव' रखा। इसके बाद उन्होंने उस पिल्ले के लिए एक सुरक्षित और स्थायी घर भी ढूंढ़ा। इस पूरे रेस्क्यू मिशन की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी। रवीना हमेशा लोगों से 'एडॉप्ट, डोंट शॉप' यानी जानवरों को खरीदने के बजाय उन्हें गोद लेने की अपील करती रही हैं।

पिछले साल भी रवीना टंडन ने पालतू जानवरों के साथ यात्रा करने को लेकर अपनी राय खुलकर रखी थी। उन्होंने एयर इंडिया से आग्रह किया था कि वह उन एयरलाइंस से प्रेरणा ले, जो यात्रियों को अपने दो पालतू जानवरों के साथ यात्रा करने की सुविधा देती हैं।

अमाल मलिक ने बिना नाम लिए तनिष्क बागची पर किए तीखे वार, बोले- 'अपनी बात पर कायम हूं'

मुंबई। मशहूर गायक अमाल मलिक और संगीतकार तनिष्क बागची के बीच विवाद बढ़ता ही जा रही है। इस कड़ी में अमाल ने फिर एक और पोस्ट साझा किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट साझा करते हुए कहा कि वह अपनी टाइमलाइन से कुछ पुराने पोस्ट हटा रहे हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह अपने बयानों से पीछे हट रहे हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने जो कुछ भी कहा है, वह उस पर अब भी कायम हैं।

अमाल मलिक ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने अपनी इस पोस्ट में किसी का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया, लेकिन उनके शब्दों को लोग तनिष्क बागची से जोड़कर देख रहे है। अमाल ने लिखा, ''मैं सिर्फ अपनी टाइमलाइन से चीजें हटाना चाहता हूं, क्योंकि मुझे यहां से कुछ कचरा हटाना है। यह फैसला इस सोच के साथ लिया गया है कि मैंने जो करना जरूरी था, वह कर दिया है और उस व्यक्ति को उसकी जगह दिखा दी है। अगर कुछ मीडिया रिपोर्ट्स यह दावा करें कि अमाल मलिक ने अपने ट्वीट डिलीट कर दिए, तो यह गलत होगा, क्योंकि मैंने अपने बयान वापस नहीं लिए हैं।''

उन्होंने कहा, 'पिछले करीब 10 सालों से मैंने काफी सब्र रखा और कई बातों को नजरअंदाज किया। लंबे समय तक अपनी नाराजगी को दबाने के बाद अब मैंने अपनी बात रखने का फैसला किया है। मुझे खुद आगे आकर हर चीज का सामना करना पड़ा, क्योंकि कई बार लोग गलत चीजों के खिलाफ बोलने से बचते हैं।

काशी पहुंचकर भावुक हुईं निवेथा पेथुराज, बोलीं- 'कुछ जगहें सिर्फ मंजिल नहीं, भगवान से बातचीत का एहसास देती हैं'

विश्व केसरी ■

चेन्नई । साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री निवेथा पेथुराज इन दिनों अपनी आध्यात्मिक यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने रविवार को वाराणसी स्थित काशी की अपनी यात्रा की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर साझा कीं और एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा कि कुछ जगह सिर्फ घूमने की जगह नहीं होती, बल्कि वे इंसान को ईश्वर से जुड़ने और खुद को समझने का मौका देती हैं। काशी के अनुभव को साझा करते हुए निवेता ने मां गंगा, भगवान शिव और काशी की आध्यात्मिक ऊर्जा को लेकर अपने विचार व्यक्त किए।

निवेथा पेथुराज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर काशी यात्रा का एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, 'जब भी मैं मणिकर्णिका घाट पर बैठकर मां गंगा को बहते हुए देखती हैं, तो मैं वहां से जवाबों के बजाय और ज्यादा सवाल लेकर लौटती हूं। मां गंगा ने सदियों का इतिहास देखा है, लेकिन इसके बावजूद वह लगातार बहती रहती हैं। वह न किसी चीज से जुड़कर रुकती हैं और न ही किसी परिस्थिति का विरोध करती हैं। अभिनेत्री ने खुद से सवाल करते हुए आगे लिखा- ''क्या मां गंगा हमें भी यही सीख देने की कोशिश कर रही हैं।''

अपनी पोस्ट में निवेता ने काशी से जुड़े अपने धार्मिक अनुभवों को भी याद किया। उन्होंने कहा, ''मैं खुद को बेहद सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे काशी विश्वनाथ मंदिर में गंगाजल अर्पित करने का अवसर मिला। मैंने महाशिवरात्रि के मौके पर रुद्री पाठ पूजा में हिस्सा लिया और पवित्र निशिता काल पूजा के दौरान काल भैरव के दर्शन करने का भी अनुभव प्राप्त किया। अभिनेत्री ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए लिखा, ''कई बार मुझे ऐसा महसूस होता है कि भगवान भैरव खुद मुझे दोबारा काशी बुलाते हैं। जैसे कोई न कोई माध्यम बनकर रास्ते खोल देता है और मुझे फिर से मंदिर तक पहुंचा देता है। आखिर काशी मुझे बार-बार अपनी ओर क्यों आकर्षित करती है। निवेता ने अपनी पोस्ट के आखिर में लिखा, ''शायद कुछ जगह सिर्फ यात्रा की मंजिल नहीं होते।

समृद्धि शुक्ला ने रिश्तों में बराबरी पर रखी बात, बोलीं- घर और बच्चों की जिम्मेदारी

मुंबई। टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री समृद्धि शुक्ला इन दिनों अपने शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अभिरा के किरदार को लेकर दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। अपनी दमदार एक्टिंग के साथ-साथ वह अपनी सोच और सामाजिक मुद्दों पर खुलकर बात रखने के लिए भी जानी जाती हैं।

इस बीच उन्होंने घर-परिवार, शादी और रिश्तों में जिम्मेदारियों के बंटवारे को लेकर अपनी राय साझा की है। समृद्धि ने कहा कि आज के समय में भी कई महिलाओं से उम्मीद की जाती है कि वे घर और बाहर दोनों की जिम्मेदारियां अकेले संभालें, जबकि परिवार चलाने की जिम्मेदारी पति-पत्नी दोनों की बराबर होनी चाहिए।

समृद्धि शुक्ला ने आईएएनएस से खास बातचीत में महिलाओं पर पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ''आज भी कई महिलाएं ऐसी हैं, जिनसे हर काम को संभालने की उम्मीद की जाती है। उनसे कहा जाता है कि वे बच्चों की देखभाल करें, अगर चाहें तो नौकरी करें और फिर घर लौटकर पूरे परिवार की जिम्मेदारी भी निभाएं। कई बार महिलाएं खुद खाना नहीं बनातीं, फिर भी उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि वे घर की हर व्यवस्था पर नजर रखें, कुक से बात करें, घर के कामों को मैनेज करें और सुनिश्चित करें कि सब कुछ सही तरीके से चलता रहे। उन्होंने कहा, ''इस तरह की सोच को बदलने की जरूरत है। जब दो लोग शादी के बंधन में बंधते हैं, तो वे मिलकर एक नई जिंदगी की शुरुआत करते हैं। दोनों एक ही घर में रहते हैं, घर की सुविधाओं का इस्तेमाल करते हैं और बच्चों की परवरिश में भी दोनों की बराबर भागीदारी होती है।

'लाफ्टर शेफ्स' सीजन 3 के खत्म होने पर भावुक हुईं अंकिता लोखंडे, बोलीं- 'ये शो खुशियों का जरिया था'

विश्व केसरी ■

मुंबई । टीवी की मशहूर अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने लोकप्रिय सीरियल 'पवित्र रिश्ता' से घर-घर में पहचान बनाई। हाल ही में वह रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ्स-अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 3' के जरिए दर्शकों का मनोरंजन कर रही थी। शो के ग्रैंड फिनाले के बाद अंकिता ने इस पूरे सफर को याद करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक शो नहीं था बल्कि लाखों परिवारों के चेहरों पर मुस्कान लाने का जरिया बना। उन्होंने शो से जुड़े सभी लोगों और दर्शकों का धन्यवाद भी किया।

अंकिता लोखंडे ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ग्रैंड फिनाले के दिन की कुछ झलकियां साझा कीं। वीडियो में अभिनेत्री मेकअप रूम में दिखाई देती हैं। इस दौरान उन्होंने खूबसूरत ब्लू कलर की साड़ी पहनी हुई थी। वीडियो के एक हिस्से में अंकिता डांस करती हुई भी दिखाई दीं। वहीं उनके पति विक्की जैन पीछे बैठे हुए खाना खाते और अंकिता के इस खास पल को एंजॉय करते नजर आए।

अंकिता लोखंडे ने कैप्शन में लिखा, 'अच्छा, तो मैं चलती हूं... ग्रैंड फिनाले डे! एक ऐसा शो जिसने हम सभी के अंदर की बेहतरीन चीजों को बाहर निकाला।'

अंकिता ने लिखा, ''यह शो मेरे लिए सिर्फ एक शो नहीं था बल्कि इससे कहीं ज्यादा खास सफर रहा। यह सोचकर ही खुशी होती है कि हम हर हफ्ते कई परिवारों के लिए हंसी और खुशी की वजह बन पाए। ''अगर मैं हर हफ्ते एक घंटे के लिए दर्शकों की 'थेरेपिस्ट' बनकर उन्हें मुस्कुराने और अपनी परेशानियां भूलने में मदद कर पाईं, तो यह मेरे लिए सम्मान की बात है।''

अपने पोस्ट में अंकिता ने लिखा, ''एक ऐसा शो जिसने हम सभी के अंदर की बेहतरीन चीजों को बाहर निकाला। मेरे लिए 'लाफ्टर शेफ्स' शो से कहीं ज्यादा था। यह जानना कि हम मिलकर कई परिवारों के लिए खुशी और हंसी की छोटी सी वजह बन पाए, हमारे लिए सबसे बड़ा आशीर्वाद है। अंकिता ने शो के मेकर्स, चैनल और पूरी टीम का भी आभार जताया। उन्होंने कलर्स टीवी, पर्दे के पीछे काम करने वाले सभी सदस्यों और अपने साथी कलाकारों को धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने कहा कि इन सभी लोगों की मेहनत और सहयोग की वजह से यह सफर इतना खास बन पाया। उन्होंने दर्शकों को इस सफर का सबसे अहम हिस्सा बताया। अंकिता ने कहा, 'दर्शकों ने शो को अपने घरों में जगह दी, कलाकारों को अपने परिवार की तरह प्यार दिया और इसी वजह से 'लाफ्टर शेफ्स' इतनी बड़ी सफलता हासिल कर पाया।

सारनाथ को विश्व धरोहर का दर्जा मिलने पर चीन में भारतीय दूतावास का संदेश, 'हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण'

विश्व केसरी

बीजिंग। उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व वाले सारनाथ के प्राचीन बौद्ध स्थल को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया गया है। चीन में भारतीय दूतावास ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की और इसे हर भारतीय के लिए खुशी का पल बताया।

भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा, 'हर भारतीय के लिए गर्व का पल! सारनाथ, जहां भगवान बुद्ध ने पहली बार धर्म चक्र चलाया था, उसे यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल किया गया है। यह भारत की गहरी सभ्यता और आध्यात्मिक विरासत, और सारनाथ के ज्ञान, करुणा और सद्भाव के हमेशा रहने वाले संदेश की एक बड़ी पहचान है, जो दुनिया भर में गूंजता रहता है।' इससे पहले यूनेस्को ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए घोषणा की कि भारत के प्राचीन बौद्ध स्थल सारनाथ को आधिकारिक रूप से विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सारनाथ का यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होना प्रत्येक भारतीय के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि सारनाथ शांति, ज्ञान और करुणा का स्थायी प्रतीक है तथा यह भारत की कालातीत आध्यात्मिक और दार्शनिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि भारत की प्राचीन सभ्यता और उसके आध्यात्मिक विचार आज भी पूरी मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं और पीढ़ियों तक अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूनेस्को की घोषणा पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश स्थित सारनाथ का भगवान बुद्ध से गहरा संबंध रहा है और उनके ज्ञान, करुणा तथा सद्भाव का कालजयी संदेश आज भी पूरी दुनिया को प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सम्मान भारत की समृद्ध सभ्यतागत और आध्यात्मिक विरासत का वैश्विक स्तर पर सम्मान है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस मान्यता से दुनिया भर के अधिक लोग सारनाथ आएंगे और भगवान बुद्ध के आदर्शों एवं शिक्षाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित होंगे।

सारनाथ बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है। मान्यता है कि बोधगया में ज्ञान प्राप्ति के बाद भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश यहीं दिया था, जिसे 'धर्मचक्र प्रवर्तन' के नाम से जाना जाता है। यही कारण है कि सारनाथ दुनिया भर के बौद्ध श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आस्था और अध्ययन का प्रमुख केंद्र रहा है।

ब्राजील ने दो अमेरिकी अधिकारियों का वीजा आवेदन किया खारिज, अक्टूबर के चुनावों में दखल का संदेह

विश्व केसरी

रियो डी जनेरो। ब्राजील ने अमेरिकी राज्य विभाग के दो अधिकारियों के वीजा एप्लीकेशन रिजेक्ट कर दिए हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, वीजा एप्लीकेशन इसलिए रिजेक्ट कर दिए हैं क्योंकि उन्हें डर था कि उनके दौरे से ब्राजील के चुनावी सिस्टम पर सवाल उठाने वाले समूह को समर्थन मिल सकता है।

जिन दो अमेरिकी अधिकारियों के वीजा को रिजेक्ट किया गया, उनमें स्टेट डिपार्टमेंट के ब्यूरो ऑफ डेमोक्रेसी, ह्यूमन राइट्स एंड लेबर के सहायक सचिव रिले एम. बार्न्स और उसी ब्यूरो के उपसहायक सचिव सैमुअल सैमसन थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ने 20 जुलाई को ब्राजील सरकार को अपने वीजा एप्लीकेशन जमा किए थे, जिसमें वे पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो के बेटे, राष्ट्रपति उम्मीदवार फ्लेवियो बोल्सोनारो, ब्राजील के सुपीरियर इलेक्टोरल कोर्ट के अधिकारियों और राइट विंग लोगों से मिलने की योजना बना रहे थे।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ब्राजील के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि बार्न्स और सैमसन ने 20 जुलाई को वीजा के लिए आवेदन की थी और शुक्रवार को उन्हें मना कर दिया गया। हालांकि अमेरिकी राज्य विभाग की तरफ से इस मामले में फिलहाल कोई टिप्पणी सामने नहीं आई है। सुपीरियर इलेक्टोरल कोर्ट के जारी शेड्यूल के अनुसार, ब्राजील में 4 अक्टूबर को राष्ट्रपति चुनाव का पहला राउंड होगा और 25 अक्टूबर को संभावित परिणाम घोषित होंगे।

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा, सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो के खिलाफ फिर से चुनाव लड़ेंगे। सीनेटर ल्सोनारो और उनके बेटे एडुआर्डो बोल्सोनारो ने मई के अंत में वॉशिंगटन का दौरा किया, जहां उन्होंने अमेरिकी अधिकारियों, जिनमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल थे, से मुलाकात की। इसके कुछ ही समय बाद ट्रंप प्रशासन ने ब्राजील के दो सबसे बड़े मादक पदार्थ तस्करी संगठनों को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया।

संक्षिप्त खबर

ऑस्ट्रेलिया : क्वींसलैंड में पुलिस फायरिंग, दो घायल

विश्व केसरी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य में पुलिस की गोलीबारी में दो लोग घायल हो गए हैं। घटना के बाद पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने क्वींसलैंड पुलिस सेवा (क्यूपीएस) के हवाले से बताया कि, शनिवार शाम करीब 5:10 बजे केर्न्स शहर के उपनगर माउंट शेरिडन की बेंजामिना स्ट्रीट पर पुलिस को एक हथियारबंद लूट की कोशिश की सूचना मिली थी। बताया गया कि एक व्यक्ति वारदात के बाद पैदल ही मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने बताया कि मौके पर पहुंचने के बाद अधिकारियों ने 28 वर्षीय व्यक्ति को एक गोलचक्कर के पास देखा। पुलिसकर्मियों ने जब उससे बातचीत करने की कोशिश की, तो फॉस्टर रोड पर हुई मुठभेड़ के दौरान उसे गोली लग गई। पुलिस के अनुसार, इस झड़प के दौरान एक आम महिला भी गोली लगने से घायल हो गई। अधिकारियों ने तुरंत दोनों को प्राथमिक उपचार दिया, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए केर्न्स बेस हॉस्पिटल ले जाया गया। क्यूपीएस ने बताया कि इस घटना में कोई पुलिस अधिकारी घायल नहीं हुआ है। घटनास्थल को सुरक्षित कर जांच शुरू कर दी गई है और फिलहाल आम लोगों की सुरक्षा को लेकर कोई खतरा नहीं है। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच एथिकल स्टैंडर्ड्स कमांड कर रही है।

अफगानिस्तान में ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई तेज, नशे के आदी 100 से ज्यादा लोग रिहैब सेंटर भेजे गए

विश्व केसरी

काबुल। अफगानिस्तान के मध्य स्थित दायकुंडी प्रांत में पुलिस ने नशे की लत से पीड़ित 100 से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर उन्हें पुनर्वास केंद्र भेज दिया है। यह जानकारी रविवार को अफगानिस्तान के गृह मंत्रालय ने साझा की। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, बयान में कहा गया कि प्रांत में 78 नशा पीड़ित लोग इलाज के बाद पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं और उन्हें उनके परिवारों से फिर से मिला दिया गया है। गृह मंत्रालय ने कहा कि सरकार अवैध मादक पदार्थों के उत्पादन, तस्करी और कारोबार के खिलाफ अभियान जारी रखने के साथ-साथ नशे के आदी लोगों को बेहतर चिकित्सा और पुनर्वास उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। सरकार का लक्ष्य अफगानिस्तान को नशीले पदार्थों की समस्या से पूरी तरह मुक्त करना है। बयान के अनुसार, पिछले लगभग पांच वर्षों में महिलाओं और बच्चों सहित हजारों नशा पीड़ित अफगानों का पुनर्वास कर उन्हें फिर से समाज की मुख्यधारा से जोड़ा गया है। सरकारी न्यूज एजेंसी बख्तर के अनुसार, इससे पहले पिछले सप्ताह अफगान पुलिस ने पूर्वोत्तर बदख्शां प्रांत में दो अलग-अलग अभियानों के दौरान 241 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ बरामद किए थे और नौ संदिग्धों को गिरफ्तार किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, स्पेशल पुलिस फोर्स ने पुल-ए-बेगम और ताशकन इलाकों में की गई रेड के दौरान ये नारकोटिक्स बरामद किए, जहां एक गाड़ी और एक घर से ड्रग्स बरामद किए गए।

श्रीलंका में 'पिच्चा मल पूजावा' समारोहः शामिल हुए भारत के उप उच्चायुक्त, बौद्ध विरासत को किया नमन

विश्व केसरी

कोलंबो। श्रीलंका में आयोजित होने वाले वार्षिक बौद्ध पुष्प अर्पण समारोह 'पिच्चा मल पूजावा' के अवसर पर भारत के उप उच्चायुक्त मैत्रेयी के ने अनुराधापुरा स्थित पवित्र जय श्री महा बोधि वृक्ष पर पुष्प अर्पित किए।

भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि जय श्री महा बोधि भारत और श्रीलंका के बीच साझा बौद्ध विरासत के सबसे अनूठे प्रतीकों में से एक है। यह दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को दर्शाता है। इस अवसर पर उप उच्चायुक्त ने वेन. ईथलावेतुनुवेवे ज्ञानतिलक थेरो से भी मुलाकात की, जो वर्तमान में अटमस्थानाधिपति के रूप में जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं। बैठक के दौरान अनुराधापुरा पवित्र नगरी परिसर के विकास के लिए भारत सरकार की ओर से घोषित सहायता और आगे की कार्ययोजना को लेकर भी चर्चा की गई। भारत और श्रीलंका के बीच बौद्ध धर्म, संस्कृति और ऐतिहासिक परंपराओं के माध्यम से गहरे संबंध रहे हैं। अनुराधापुरा का जय श्री महा बोधि स्थल दोनों देशों के इस साझा आध्यात्मिक जुड़ाव का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है।

वहीं, पिच्चा मल पूजावा की बात करें तो ये श्रीलंका के अनुराधापुर में होने वाला एक प्रसिद्ध बौद्ध धार्मिक उत्सव है, जहां भगवान बुद्ध को चमेली (पिच्चा) के फूल अर्पित किए जाते हैं। पूरा समारोह श्री महा बोधि और रुवानवेलि महा सेया के प्रांगण में आयोजित किया जाता है। भेंट स्वरूप हजारों बौद्ध श्रद्धालु चमेली के सफेद फूलों की मालाएं और फूल लाते हैं।

श्रीमहाबोधि डॉट ओआरजी पर दी गई जानकारी के अनुसार, अनुराधापुरा दुनिया के सबसे पुराने बसे शहरों में से एक है, और यह एक बौद्ध तीर्थ शहर और वर्ल्ड हेरिटेज प्रॉपर्टी है। यहीं महाबोधि वृक्ष है, जो उस बोधि पौधे की कलम से विकसित हुआ है, जिसे भारत से तीसरी शताब्दी (ईसा पूर्व) में सम्राट अशोक की पुत्री संघमित्रा महा थेरी श्रीलंका लेकर आई थीं, जिसके नीचे 2,500 वर्ष से अधिक समय पहले भगवान बुद्ध ने ज्ञान की प्राप्ति की थी।

'बलूच नेशनल गैदरिंग' की दूसरी बरसी, बीवाईसी ने वैश्विक अभियान शुरू करने का किया ऐलान

विश्व केसरी

क्वेटा। मानवाधिकार संगठन बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) ने रविवार को बलूच राजी मुची (बलूच नेशनल गैदरिंग) की दूसरी बरसी के मौके पर एक वैश्विक अभियान शुरू करने की घोषणा की।

बीवाईसी ने कहा कि 28 जुलाई 2024 को ग्वादर में आयोजित बलूच नेशनल गैदरिंग को दो साल पूरे हो चुके हैं। संगठन के अनुसार, यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि 'बलूच लोगों के सामूहिक प्रतिरोध, राजनीतिक जागरूकता और अटूट संकल्प का प्रतीक' था। मानवाधिकार संगठन के अनुसार, तब बलूच लोगों को भारी सरकारी दमन का सामना करना पड़ा था। सैन्य कार्रवाई, इंटरनेट बंदी, और मनमानी गिरफ्तारियों के साथ ही राजमार्गों की नाकाबंदी और हिंसक कार्रवाई हुई थी। हिंसा की वजह से भारी संख्या में लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। बीवाईसी ने कहा कि इसके बावजूद हजारों बलूच पुरुष, महिलाएं और बच्चे न्याय, सम्मान और जीवन के अधिकार की मांग को लेकर एकजुट हुए। संगठन ने कहा कि उसने एक डिजिटल आर्काइव परियोजना शुरू की है, ताकि राज्य सेंसरशिप के कारण इन घटनाओं और लोगों की यादों को मिटाया न जा सके। बीवाईसी ने 2025 में बलूच नेशनल गैदरिंग की पहली बरसी पर एक लाइव वेबिनार भी आयोजित किया था। बीवाईसी ने अपने बयान में कहा कि बलूच राजी मुची की दूसरी बरसी पर वह अपने अभियान का विस्तार कर रहा है। संगठन के मुताबिक, इस बहुस्तरीय वैश्विक अभियान का उद्देश्य जुलाई 2024 की घटनाओं को संरक्षित करना, कथित जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराना, पीड़ितों की आवाज को सामने लाना और सामूहिक संघर्ष को मजबूत करना है।

नेतन्याहू की गिरफ्तारी पर ममदानी ने मानी कानूनी सीमा, फिर भी बढ़ा यहूदी समुदाय का असंतोष

विश्व केसरी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने हाल ही में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की गिरफ्तारी को लेकर एक बयान दिया, जिसकी काफी चर्चा हो रही है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, मेयर ममदानी माना है कि उनके पास इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को गिरफ्तार करने का कानूनी अधिकार नहीं है। हालांकि, ममदानी के इस बयान के बावजूद भी उनके और यहूदी समुदाय के बीच चल रहे तनाव को कम करने में कोई खास मदद नहीं मिली है।

यहूदी नेताओं ने अमेरिकी फॉक्स न्यूज डिजिटल को बताया कि वे अभी भी मेयर के बयानों को लेकर चिंतित हैं। उनका मानना ??है कि एंटीसेमिटिज्म (यहूदी विरोधी विचारधार) को लेकर बढ़ती चिंता के समय में इससे मतभेद और बढ़ेंगे। इजरायल, ममदानी और न्यूयॉर्क शहर में यहूदी समुदाय के बीच उनके कैंपेन के बाद से ही तनाव का एक अहम कारण बना हुआ है। मेयर का चुनाव लड़ते समय, ममदानी ने कहा था कि वह नेतन्याहू को गिरफ्तार करने की कोशिश करेंगे, जबकि कई लोगों ने कहा था कि उनके पास ऐसा करने का अधिकार नहीं है। आखिरकार ममदानी ने खुद इस बात को मान लिया। यह मुद्दा इस हफ्ते फिर से सामने आया जब ममदानी ने एक वीडियो जारी करके बताया कि सिटी हॉल के पास नेतन्याहू को गिरफ्तार करने का अधिकार नहीं है। हालांकि, उनका मानना ??है कि प्रधानमंत्री को इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के वारंट के तहत जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

वहीं, मेयर ममदानी के इस बयान के बाद से इजरायली नेताओं की प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आ रही हैं। इजरायली नेताओं ने न्यूयॉर्क में रह रहे यहूदियों और उनके खिलाफ हो रही घटनाओं पर गहरी चिंता जाहिर की। फॉक्स न्यूज डिजिटल से बात करने वाले यहूदी नेताओं ने कहा कि मेयर ममदानी की कानूनी छूट वाले बयानों को लेकर समुदाय की चिंताओं का कोई खास हल नहीं हुआ। उनका मानना ??है कि न्यूयॉर्क मेयर के इस बयान से मतभेद बढ़ सकते हैं।

स्पेन : जंगल में लगी भीषण आग, 91 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया

विश्व केसरी

मैड्रिड। स्पेन हाल के वर्षों में जंगलों की सबसे विनाशकारी आग का सामना कर रहा है। मैड्रिड क्षेत्र और पड़ोसी अवीला प्रांत में भीषण आग तेजी से फैल रही है, जिसके चलते हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जबकि बड़ी संख्या में लोगों को घरों के अंदर ही रहने के निर्देश दिए गए हैं।

इन आग की घटनाओं ने स्पेन में हजारों हेक्टेयर क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, शनिवार को भी मध्य स्पेन के कई हिस्सों में आग धधकती रही। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि रात के समय तापमान में गिरावट के बावजूद तेज हवाएं और कम नमी दमकल कर्मियों के लिए आग पर काबू पाना मुश्किल बना रही हैं। मैड्रिड की क्षेत्रीय राष्ट्रपति इसाबेल डियाज आयुसो ने इसे क्षेत्र के इतिहास की सबसे भीषण आग बताया। ताजा सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मैड्रिड क्षेत्र, अवीला प्रांत और टोलेडो के कुछ हिस्सों में करीब 91,000 लोगों को या तो सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है या घरों के अंदर रहने का आदेश दिया गया है।

आग ने मैड्रिड और अवीला के पड़ोसी प्रांतों में लगभग 45,000 हेक्टेयर भूमि को नष्ट या गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया है। स्पेन के गृह मंत्री फर्नांडो ग्रांडे-मार्लास्का ने शनिवार को कहा, 'स्थिति बेहद जटिल है। अत्यंत कठिन मौसम परिस्थितियों के कारण दमकल अभियान के लिहाज से आज का दिन अच्छा नहीं रहा।'

मैड्रिड और अवीला में लगी आग इस गर्मी में पूरे स्पेन में फैल रही भीषण जंगल की आग की व्यापक श्रृंखला का हिस्सा है। इससे पहले अल्मेरिया में लगी घातक आग में इस महीने 13 लोगों की जान चली गई थी, जबकि अब पूर्वी प्रांत कास्टेलोन में भी बड़े पैमाने पर जंगल की आग भड़क रही है।

पाकिस्तान में बारिश का कहर, पंजाब में दो बच्चों समेत 7 की मौत और 20 घायल

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पिछले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश से जुड़े हादसों में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 घायल हुए हैं। मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, बारिश के कारण कई मकान क्षतिग्रस्त हुए और बड़ी संख्या में पशुओं की भी मौत हुई है।

प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के हवाले से प्रमुख दैनिक डॉन ने बताया कि बारिश से हुई इन मौतों की वजह डूबना और मकानों और छतों का गिरना रहा। वहीं, कई लोग बिजली का करंट लगने से झुलस गए। लाहौर के गढ़ी शहू रेलवे कॉलोनी, बॉबी प्लाजा, सग्गियां पिंड और कहाना इलाकों में मकान की छत गिरने की चार अलग-अलग घटनाओं में एक पुरुष, एक महिला और एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हुए।

पंजाब के कसूर जिले में अड्डा ढिंग शाह के पास एक मकान की छत गिरने से एक पुरुष और एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि एक महिला और दो बच्चों समेत तीन लोग घायल हो गए। फैसलाबाद में भारी बारिश के कारण एक मकान की छत गिरने से एक महिला की मौत हो गई। वहीं, गुजरांवाला के पठान कॉलोनी इलाके में खेतों में जमा बारिश के पानी में डूबने से एक बच्चे की मौत हो गई।

जंगल की आग हुई भीषण : बुझाने के लिए फ्रांस ने उतारा मिलिट्री ट्रांसपोर्ट प्लेन, स्पेन का 45,000 हेक्टेयर वन क्षेत्र खाक

विश्व केसरी

पेरिस/मैड्रिड। फ्रांस और स्पेन में लगी जंगल की आग ने शनिवार को भीषण रूप ले लिया। इस कारण रविवार को हजारों लोगों ने राहत शिविरों में शरण ली। आग इतनी तेजी से फैली कि 3 लाख से अधिक लोगों को अपने घरों और छुट्टियां बिताने के लिए लिए गए होटल और अन्य ठिकाने छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा।

इन आगजनी की घटनाओं में कई घर जलकर नष्ट हो गए हैं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं। फ्रांस में इसे शांति काल के दौरान किए गए सबसे बड़े नागरिक निकासी अभियानों में से एक माना जा रहा है। दोनों देशों में कई इलाकों में आग अब भी बेकाबू बनी हुई है। पूर्वी स्पेन में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। वहीं फ्रांस के बोर्डो शहर और स्पेन की राजधानी मैड्रिड के आसपास के इलाकों में नई निकासी के आदेश जारी किए गए हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि हालात अभी और कठिन हो सकते हैं। आग और धुएं से बचकर निकले परिवारों ने प्रदर्शनी केंद्रों, खेल परिसरों और जिम्नेजियमों में लगाए गए अस्थायी राहत शिविरों में रात बिताई। इनमें स्थानीय निवासी और पर्यटक दोनों शामिल हैं, जिन्हें अभी यह भी नहीं पता कि वे अपने घर या ठहरने की जगह पर कब लौट पाएंगे। फ्रांस के गिरोंद अग्निशमन विभाग के अनुसार, आग के कारण एक दुर्लभ 'पायरो क्यूम्युलोनिंबस' बादल बना, जिसने अपनी ही हवाएं और बवंडर पैदा कर दिए। इससे आग का फैलाव बेहद अनियमित हो गया और उस पर काबू पाना लगभग असंभव हो गया। अग्निशमन अधिकारी कैप्टन निकोलस ब्राज ने बताया कि इसी वजह से आग लगातार दिशा बदल रही है। फ्रांस ने आग बुझाने के लिए अपने अभियान में सैन्य परिवहन विमान ए400एम को भी शामिल किया है। यह विमान प्रसिद्ध कनाडेयर विमानों से लगभग दोगुना लंबा है और उनसे तीन गुना अधिक पानी या अग्निरोधक रसायन ले जा सकता है। शनिवार, 25 जुलाई से इसे बोर्डो के पास लगी भीषण आग पर काबू पाने के लिए तैनात किया गया है।

यूपी सरकार ने राम मंदिर दान प्रकरण की जांच के लिए किया एसआईटी का पुनर्गठन

विश्व केसरी

अयोध्या। उत्तर प्रदेश सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुरूप राम मंदिर के दान और चढ़ावे में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए नई एसआईटी का गठन किया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, सरकार ने तीन सदस्यीय नई एसआईटी बनाई है, जिसका नेतृत्व आईजी किरण एस को सौंपा गया है। एसआईटी के अन्य सदस्यों में अयोध्या के डीआईजी सोमेन वर्मा और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर भी शामिल हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने उत्तर प्रदेश सरकार को एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की अगुवाई में नई एसआईटी बनाने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि जांच की स्टेटस रिपोर्ट 27 जुलाई को सौंपी जाए। बता दें कि अयोध्या पुलिस ने राम मंदिर के चढ़ावे में कथित तौर पर गबन को लेकर अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच टीम ने नकदी, गाड़ियां, निवेश से जुड़े दस्तावेज और अन्य संपत्तियां बरामद की हैं, जिन्हें कथित तौर पर गबन किए गए फंड से खरीदा गया था।

22 जुलाई को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिर समिति की एक खास बैठक में अपने पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को चुनने का फैसला लगभग एक महीने के लिए टाल दिया, लेकिन मंदिर के कम्युनिकेशन को बेहतर ढंग से संभालने के लिए एक प्रवक्ता नियुक्त किया। ट्रस्ट ने परिसर में हुई एक खास बैठक में पूर्णकालिक महासचिव की नियुक्ति को अंतिम रूप दिया और अपनी धार्मिक समिति का फिर से गठन करने का फैसला किया, ताकि मंदिर परिसर में होने वाली पूजा-अर्चना और रीति-रिवाजों में पारंपरिक प्रमाणिकता और पवित्रता बनी रहे।

नई धार्मिक समिति में नौ सदस्य रखे गए हैं, जिसमें जगद्गुरु शंकराचार्य ज्योतिष्पीठाधीपति श्री वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज, माधवापीठाधीपति स्वामी विश्वप्रसन्नतीर्थ जी महाराज, स्वामी युगपुरुष परमानंद जी, स्वामी दिनेन्द्रदास जी (निर्मोही अखाड़ा), स्वामी कमल नयनदास जी (मणिराम छावनी), महंत राजकुमार दास जी (रामावल्लभ कुंज), स्वामी रामानंद दास जी (राम कथा कुंज) और स्वामी मिथिलेश नंदिनी शरण जी शामिल हैं।

इसके अलावा, मंदिर ट्रस्ट ने गुरुवार को राम मंदिर की नई तस्वीरें जारी कीं। इन तस्वीरों में दिखाया गया है कि गबन के विवाद के बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु रोजाना मंदिर आकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा पहले होता तो इतना तनाव नहीं बढ़ता : छगन भुजबल

विश्व केसरी

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री छगन भुजबल ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री रहे धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और हालिया छात्र आंदोलन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यदि यह फैसला पहले लिया गया होता, तो देशभर में इतना तनाव पैदा नहीं होता।

उन्होंने कहा कि जनता की नाराजगी दूर करने के लिए संवाद और लोगों की बात सुनना सबसे जरूरी है। छगन भुजबल ने मीडिया से कहा, 'अगर यह इस्तीफा पहले हो जाता, तो जो तनावपूर्ण स्थिति बनी, वह नहीं बनती। जो इस्तीफा उन्होंने शनिवार को दिया, अगर वही 15-20 दिन पहले दे देते तो हालात अलग होते। सोनम वांगचुक को 26 दिनों तक अनशन करना पड़ा। इन सभी घटनाओं का गुस्सा लोगों में साफ दिखाई दिया।' उन्होंने कहा कि यह केवल दिल्ली के जंतर-मंतर तक सीमित मामला नहीं है। यह उदाहरण सिर्फ जंतर-मंतर के लिए नहीं बल्कि नासिक, महाराष्ट्र और पूरे देश के लिए है। लोगों की बात सुननी चाहिए और उनके साथ लगातार संवाद होना चाहिए।

बता दें कि धर्मेंद्र प्रधान ने 25 जुलाई को केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। इससे पहले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में छात्रों के नेतृत्व में कई सप्ताह तक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और जन आंदोलन चला। प्रदर्शनकारी नीट-यूजी पेपर लीक विवाद समेत परीक्षा प्रणाली में कथित गड़बड़ियों को लेकर जवाबदेही तय करने और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा उस समय आया, जब जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर देशभर में आलोचना तेज हो गई थी। इस आंदोलन को और गति तब मिली, जब 18 जुलाई की सुबह जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर से हटाकर अस्पताल पहुंचाया।

संक्षिप्त खबर

बांदा पुलिस ने मुठभेड़ के बाद रेप के दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, दो कांस्टेबल भी घायल

विश्व केसरी

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा के शहर कोतवाली के तिंदवारा बाईपास के पास भवानी पुरवा में रविवार सुबह 10 से 11 बजे के बीच मुठभेड़ के बाद पुलिस ने रेप के आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान एजाज (25) और नरेश (50) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि एजाज के बाएं पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मुठभेड़ और गिरफ्तारी के बीच दो कांस्टेबल को भी चोट आई है, जिन्हें भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने अधिकारी ने बताया कि 24 जुलाई को 16 वर्षीय किशोरी मरका से अपने ननिहाल जाने के लिए अकेले निकली थी। किशोरी देर शाम बांदा बस स्टाप पर पहुंची थी। किशोरी को फतेहपुर के नरेनी अपने ननिहाल जाना था। ऑटो ड्राइवर नरेश ने किशोरी को नरेनी छोड़ने की बात कह कर रात 9 बजे ऑटो में में बिठा लिया और एक घंटे तक इधर-उधर घुमाता रहा। इस बीच ड्राइवर का साथी एजाज मिला जो ऑटो में बैठ गया। इसके बाद दोनों किशोरी को लेकर एक सुनसान स्थान पर ले गए। जहां एजाज ने किशोरी के साथ रेप किया। इसी बीच किशोरी चिल्लाने लगी तो एजाज ने उसका गला दबा दिया। इस पर पीड़िता ने एजाज के हाथ में दांत से काट लिया और वहां से भाग कर एक ढाबे पर पहुंची।

गुजरात सरकार ने ग्रामीण बेघर परिवारों के लिए आवासीय भूखंड समतलीकरण सहायता बढ़ाई

विश्व केसरी

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के बेघर परिवारों को आवंटित किए जाने वाले मुफ्त आवासीय भूखंडों के समतलीकरण (लेवलिंग) के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता में बड़ा इजाफा किया है। सरकार ने प्रति भूखंड मिलने वाली सहायता राशि को पांच गुना और प्रति हेक्टेयर सहायता को चार गुना बढ़ा दिया है, ताकि भूमि को आवास निर्माण के लिए तैयार किया जा सके और ग्रामीण आवास विकास को गति मिले। नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक मुफ्त आवासीय भूखंड के समतलीकरण के लिए मिलने वाली सहायता 1,000 रुपये से बढ़ाकर 5,000 रुपये कर दी गई है। वहीं, गांवों में आवंटन के लिए चिन्हित ऊबड़-खाबड़ और असमतल भूमि को समतल करने के लिए 50,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की सहायता बढ़ाकर 2 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर कर दी गई है। राज्य सरकार के अनुसार, इस बढ़ी हुई सहायता का उद्देश्य आवास निर्माण से पहले भूमि तैयार करने की लागत को कम करना है। विशेष रूप से उन गांवों में, जहां आवंटित किए जाने वाले भूखंड असमतल हैं और निर्माण शुरू करने से पहले उनका विकास आवश्यक होता है। पंचायत, ग्रामीण आवास एवं ग्रामीण विकास विभाग ने 17 जुलाई को इस संबंध में प्रस्ताव जारी किया। यह निर्णय मंत्री ऋषिकेश पटेल और राज्य मंत्री संजयसिंह महिडा के मार्गदर्शन में लिया गया।

आंध्र प्रदेश में एआई आधारित बाढ़ चेतावनी सिस्टम विकसित, अब पहले ही मिल जाएगा अलर्ट

विश्व केसरी

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार की रियल टाइम गवर्नेंस सोसाइटी (आरटीजीएस) ने आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) और आईआईटी गांधीनगर के सहयोग से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित अत्याधुनिक शहरी बाढ़ पूर्वानुमान प्रणाली विकसित की है। यह प्रणाली शुरुआती चरण में विजयवाड़ा में लागू की जाएगी और 48 घंटे पहले बारिश का पूर्वानुमान तथा बाढ़ आने से छह घंटे पहले फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी करेगी।

राज्य सरकार ने इसे जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने और शहरों को अधिक सुरक्षित एवं लचीला (क्लाइमेट रेजिलिएंट) बनाने की दिशा में बड़ा कदम बताया है। रविवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, 'सिटी फ्लड अलर्ट' नामक इस प्लेटफॉर्म को इस तरह विकसित किया गया है कि यह शहरी क्षेत्रों में बाढ़ आने से पहले ही संभावित खतरे का सटीक अनुमान लगाकर अधिकारियों को समय रहते सतर्क कर सके, ताकि आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जा सकें। आरटीजीएस के एवेयर डिवीजन ने एपीएसडीएमए और आईआईटी गांधीनगर के विशेषज्ञों के साथ मिलकर इस प्लेटफॉर्म को तैयार किया है। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सैटेलाइट आधारित भू-मानचित्रण (टेरेन मैपिंग), प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स और हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है, जिससे शहरी क्षेत्रों के लिए अत्यधिक सटीक बाढ़ पूर्वानुमान और रियल टाइम अर्ली वार्निंग उपलब्ध कराई जा सके। बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की परिकल्पना के अनुरूप शुरू की गई यह पहल आपदा प्रबंधन में आधुनिक तकनीक के उपयोग और शहरी क्षेत्रों की आपदा से निपटने की क्षमता को मजबूत करने की दिशा में राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कर्नाटक विधानसभा का मानसून सत्र 13 अगस्त से, सूखे पर केंद्र से मदद के लिए सीएम ने बुलाई सांसदों की बैठक

विश्व केसरी

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को घोषणा की कि राज्य विधानसभा का मानसून सत्र 13 अगस्त से शुरू होगा। राज्य सरकार सूखे की बिगड़ती स्थिति और विकास से जुड़े लंबित मुद्दों पर ध्यान देने की तैयारी कर रही है।

डीके शिवकुमार ने यह भी बताया कि उन्होंने सूखे की स्थिति पर चर्चा करने और केंद्र से मदद मांगने के लिए 27 जुलाई को दिल्ली में कर्नाटक के सभी सांसदों की बैठक बुलाई है। उन्होंने बेंगलुरु में जवाहरलाल नेहरू तारामंडल के पास नेशनल मिलिट्री मेमोरियल के पास मीडियाकर्मियों से बात करते हुए यह जानकारी दी। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र ने कहा है कि भाजपा और जेडी(एस) मिलकर आगामी विधानसभा सत्र में जनता से जुड़े सभी अहम मुद्दे उठाएंगे और राज्य के लोगों पर असर डालने वाले मामलों पर सत्ताधारी कांग्रेस सरकार को जवाबदेह ठहराएंगे। सीएम शिवकुमार ने 25 जुलाई को जन प्रतिनिधियों को लिखे एक पत्र में कहा कि कर्नाटक गंभीर सूखे का सामना कर रहा है और कई चुने हुए प्रतिनिधियों ने राज्य सरकार से इस मामले को केंद्र सरकार के सामने उठाने का आग्रह किया है। यह बैठक सोमवार 27 जुलाई को शाम 6.30 बजे नई दिल्ली में कर्नाटक भवन-1 (कावेरी) में तय की गई है। डीके शिवकुमार ने कहा कि बैठक का मकसद राज्य भर में सूखे की स्थिति पर विचार-विमर्श करना और केंद्र सरकार से राहत और मदद पाने के उपायों पर चर्चा करना है। उन्होंने सभी सांसदों और विधायकों से राज्य के व्यापक हित में बैठक में जरूर शामिल होने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने सूखे से पैदा हुई चुनौतियों से निपटने और प्रभावित किसानों व नागरिकों को समय पर मदद सुनिश्चित करने के लिए सभी राजनीतिक प्रतिनिधियों से सामूहिक प्रयास करने की जरूरत पर जोर दिया।

विजय सरकार गिराने की कथित साजिश मामले में पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी और उनके भाई से दूसरे दिन भी पूछताछ

विश्व केसरी

चेन्नई। तमिलनाडु में विजय सरकार को गिराने की कथित साजिश से जुड़े बहुचर्चित विधायक खरीद-फरोख्त मामले की जांच लगातार तेज होती जा रही है। इसी कड़ी में राज्य के पूर्व बिजली मंत्री वी. सेंथिल बालाजी और उनके छोटे भाई अशोक कुमार रविवार को लगातार दूसरे दिन चेन्नई के त्रिप्लिकेन पुलिस स्टेशन पहुंचे, जहां उनसे मामले में लंबी पूछताछ की गई।

यह पूरा मामला उथंगरई से टीआरसी विधायक डॉ. इलैयाराजा की शिकायत के बाद सामने आया। उन्होंने चेन्नई पुलिस आयुक्त अमल राज को दी गई शिकायत में आरोप लगाया था कि 'मेघालय प्रोजेक्ट' के नाम पर बड़े स्तर पर साजिश रची गई, जिसका उद्देश्य सत्तारूढ़ टीवीके (टीवीके) सरकार को गिराने के लिए 15 विधायकों को अपने पक्ष में करना था। शिकायत मिलने के बाद ट्रिप्लिकेन पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। शिकायत के अनुसार, डॉ. इलैयाराजा को राजनीतिक दल बदलने के बदले 35 करोड़ रुपए की रिश्वत देने की पेशकश की गई थी। जांच एजेंसियों का मानना है कि यह कथित अभियान सत्तारूढ़ दल में टूट कराने और राज्य की राजनीतिक स्थिति बदलने की बड़ी योजना का हिस्सा था। अब तक इस मामले में 14 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच के दौरान पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी और उनके भाई अशोक कुमार के नाम भी आरोपियों में शामिल किए गए हैं।

इससे पहले चेन्नई की प्रधान सत्र अदालत ने सेंथिल बालाजी और अशोक कुमार को सख्त शर्तों के साथ अग्रिम जमानत दी थी। अदालत ने दोनों को हर दिन सुबह और शाम ट्रिप्लिकेन पुलिस स्टेशन में उपस्थित होकर हाजिरी रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने और जांच में पूरा सहयोग देने का निर्देश दिया था।

बांकीपुर में भारी बहुमत से जीतेगा एनडीए, विपक्ष हताश होकर बेबुनियाद आरोप लगा रहा : रविशंकर प्रसाद

विश्व केसरी

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पटना साहिब से सांसद रविशंकर प्रसाद ने रविवार को दावा किया कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में एनडीए को जनता का अभूतपूर्व समर्थन मिल रहा है और भाजपा उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा भारी मतों से विजयी होंगे।

उन्होंने विपक्ष पर हताशा में चुनाव आयोग, प्रशासन और जीविका दीदियों को लेकर निराधार आरोप लगाने का भी आरोप लगाया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में रविशंकर प्रसाद ने कहा कि एनडीए पूरी मजबूती से चुनाव मैदान में है। बांकीपुर के हर मोहल्ले और घर-घर में भाजपा कार्यकर्ता जनता के बीच पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सीट भाजपा के लिए गौरव की सीट है, क्योंकि पांच बार के विधायक रहे नितिन नवीन अब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं और पार्टी ने उन्हें राष्ट्रीय दायित्व दिया है। विपक्ष के उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने का पूरा अधिकार है, लेकिन राजनीतिक मर्यादा बनाए रखना भी आवश्यक है।

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने बिना नाम लिए प्रशांत किशोर पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव से पहले ही चुनाव आयोग, धनबल और प्रशासन पर सवाल उठाना उनकी हताशा को दर्शाता है। ऐसी भाषा पहले भी चुनाव हारने के बाद कुछ विपक्षी नेताओं की ओर से सुनने को मिलती रही है।

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि जीविका दीदियों पर लगाए गए आरोप बिहार की महिलाओं के सम्मान के खिलाफ हैं। एनडीए विकास और सुशासन के मुद्दे पर चुनाव लड़ रहा है। अटल पथ, जेपी गंगा पथ, वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार, पटना एयरपोर्ट का नया टर्मिनल, पीएमसीएच के पुनर्निर्माण तथा सड़क एवं पुल परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पटना और बांकीपुर में विकास कार्य जनता के सामने हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता विकास के आधार पर एक बार फिर एनडीए के पक्ष में मतदान करेगी।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन खत्म होते ही एनडीएमसी का विशेष सफाई अभियान, 60 मीट्रिक टन कचरा हटाया गया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन समाप्त होने के तुरंत बाद नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने क्षेत्र में विशेष स्वच्छता, मरम्मत और सौंदर्यीकरण अभियान चलाया। एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल पूरी रात मौके पर मौजूद रहे और सफाई तथा पुनर्स्थापन कार्यों की निगरानी की। कार्य पूरा होने के बाद उन्होंने रविवार दोपहर जंतर-मंतर और आसपास के क्षेत्रों का दोबारा निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

एनडीएमसी के अनुसार, रातभर चले इस विशेष अभियान के दौरान लगभग 60 मीट्रिक टन कचरा हटाया गया। अभियान में शनिवार रात से रविवार तक 500 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, सिविल इंजीनियरिंग और उद्यान विभागों ने मिलकर सड़कों, फुटपाथों, डिवाइडरों, हरित पट्टियों, दीवारों और अन्य सार्वजनिक परिसंपत्तियों की सफाई, धुलाई, मरम्मत और पुनर्स्थापन का कार्य किया। कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि प्रदर्शन समाप्त होते ही एनडीएमसी की टीमें तुरंत सक्रिय हो गई थीं और परिषद ने पूरे प्रदर्शन स्थल की सफाई किसी भी अन्य प्रतीकात्मक सफाई गतिविधि से पहले ही पूरी कर ली थी। सिविल इंजीनियरिंग विभाग ने अभियान के लिए लगभग 50 कर्मचारियों को तैनात किया। विभाग ने चार जेटिंग मशीनों की मदद से सड़कों और फुटपाथों की धुलाई की, दीवारों पर लिखे नारों को हटाकर दोबारा रंगाई-पुताई की तथा क्षतिग्रस्त कर्ब स्टोन और फुटपाथों की मरम्मत की।

सरकार कांवड़ यात्रा के लिए चलाएगी अतिरिक्त बसें, निगरानी के लिए 24 घंटे एक्टिव रहेगा कंट्रोल रूम

विश्व केसरी

लखनऊ। यूपी सरकार ने आगामी 30 जुलाई से शुरू होने वाली श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। कांवड़ यात्रियों के लिए यूपीएसआरटीसी अतिरिक्त बसों का संचालन करेगा। साथ ही इस दौरान निगरानी के लिए 24 घंटे चलने वाला कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा।

परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने निगम बसों के सुरक्षित संचालन और यात्रियों की सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु नारायण सिंह ने कहा कि प्रत्येक क्षेत्रीय मुख्यालय पर 24 घंटे संचालित होने वाला कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। यह कंट्रोल रूम कांवड़ यात्रा शुरू होने से लेकर उसके समापन तक लगातार कार्य करेगा व सभी गतिविधियों का रिकॉर्ड दर्ज किया जाएगा। परिवहन मंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार जाने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा लखनऊ, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे प्रमुख मार्गों पर भी आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त बसें संचालित की जाएंगी। बस स्टेशनों पर यात्रियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं निर्देश दिए गए हैं कि कांवड़ मार्ग पर स्थित बस स्टेशनों पर पेयजल, स्वच्छ शौचालय, बैठने की व्यवस्था, साफ-सफाई, पूछताछ कक्ष, ध्वनि प्रसारण प्रणाली और खान-पान के स्टॉल सुचारू रूप से संचालित रहें ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कांवड़ यात्रा के दौरान बसों की गति निर्धारित सीमा के भीतर रखी जाएगी। सभी चालकों का अनिवार्य रूप से ब्रीथ एनालाइजर टेस्ट कराया जाएगा और सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

एप्पल के फोल्डेबल फोन लॉन्च से पहले सैमसंग का सेगमेंट में अपनी बढ़त पर भरोसा कायम

विश्व केसरी

लंदन । सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल कारोबार प्रमुख रोह ताए-मून ने एप्पल के पहले फोल्डेबल डिवाइस की संभावित लॉन्च से पहले दक्षिण कोरियाई टेक दिग्गज की फोल्डेबल तकनीक पर पूरा भरोसा जताया है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के सह-सीईओ और मोबाइल कारोबार प्रमुख रोह ताए-मून ने पत्रकारों से कहा, 'सात वर्षों में हमने जो तकनीकी विशेषज्ञता और ग्राहकों की समझ विकसित की है, उसकी बराबरी रातोंरात नहीं की जा सकती।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग ने हाल ही में अल्फाबेट के जेमिनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से लैस तीन नए गैलेक्सी जेड फोल्डेबल स्मार्टफोन पेश किए हैं। यह 2019 में पहली बार गैलेक्सी जेड सीरीज लॉन्च करने के बाद कंपनी के फोल्डेबल पोर्टफोलियो का पहला बड़ा विस्तार है।

रोह का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब उम्मीद की जा रही है कि एप्पल सितंबर में अपने पहले फोल्डेबल आईफोन को बुक-स्टाइल डिजाइन के साथ पेश करेगा। इससे फोल्डेबल स्मार्टफोन बाजार में प्रतिस्पर्धा और तेज होने की संभावना है।

रोह ने कहा, 'फोल्डेबल स्मार्टफोन तकनीक और बाजार, दोनों ही स्तर पर अब परिपक्व हो चुके हैं। अधिक कंपनियों का इस बाजार में आना इस बात का संकेत है कि फोल्डेबल डिवाइस अब मुख्यधारा का उत्पाद बन चुके हैं और इस बाजार के आगे और बढ़ने की संभावना है।'

उन्होंने कहा कि सैमसंग के गैलेक्सी स्मार्टफोनों ने फोल्डेबल बाजार की शुरुआत करने और इस तकनीक का अनुभव उपभोक्ताओं तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है।

दक्षिण कोरिया में बढ़ती मेमोरी कीमतों के बावजूद नए फोल्डेबल स्मार्टफोनों की कीमत विदेशी बाजारों की तुलना में कम रखने के फैसले पर पूछे गए सवाल के जवाब में रोह ने घरेलू बाजार के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'कोरियाई बाजार के महत्व को ध्यान में रखते हुए हमने यहां कीमतें दुनिया के किसी भी अन्य बाजार की तुलना में अधिक किफायती रखी हैं।

256 जीबी मॉडल वाला गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 दक्षिण कोरिया में 22.8 लाख वॉन (करीब 1,541 अमेरिकी डॉलर) की कीमत पर उपलब्ध होगा, जो इसके पिछले मॉडल से 1,01,200 वॉन कम है।

वहीं, गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 अल्ट्रा की कीमत 25.8 लाख वॉन रखी गई है, जो गैलेक्सी जेड फोल्ड 7 की तुलना में 1,98,000 वॉन अधिक है। गैलेक्सी जेड फ्लिप 8 की कीमत 16.8 लाख वॉन है, जो अपने पिछले मॉडल से 1,98,000 वॉन ज्यादा है।

इन नए स्मार्टफोनों की वैश्विक बिक्री 7 अगस्त से दक्षिण कोरिया सहित विभिन्न बाजारों में चरणबद्ध तरीके से शुरू होगी। दक्षिण कोरिया में इनकी प्री-बुकिंग अगले मंगलवार से 3 अगस्त तक चलेगी।

अर्धउष्ट्रासन अपनाएं, पीठ-गर्दन को मजबूत बनाएं; बेहतर रक्त संचार के साथ मिलेंगे कई स्वास्थ्य लाभ

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के लिए अपने स्वास्थ्य पर नियमित रूप से समय देना चुनौती बनता जा रहा है। इसका असर धीरे-धीरे शरीर पर दिखाई देने लगता है और कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि रोजाना कुछ समय योग के लिए निकाला जाए, तो कई बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। जैसा कि कहा जाता है, 'इलाज से बेहतर बचाव है।

शरीर में रक्त संचार कम होने पर अंगों तक ऑक्सीजन और आवश्यक पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पाते। इसके कारण हाथ-पैर ठंडे पड़ना, सुन्नपन या झुनझुनी महसूस होना तथा चोट या घाव भरने में अधिक समय लगने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

वहीं, लंबे समय तक एक ही जगह बैठकर काम करने वाले लोगों में पीठ और गर्दन की मांसपेशियों में दर्द और कमजोरी की समस्या भी आम होती जा रही है। इसकी प्रमुख वजह गलत शारीरिक मुद्रा (बैड पोश्चर), लंबे समय तक लगातार बैठे रहना और नियमित व्यायाम का अभाव माना जाता है। इन कारणों से मांसपेशियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे वे धीरे-धीरे कमजोर हो सकती हैं।

इसी क्रम में आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लोगों को अर्धउष्ट्रासन करने की सलाह दी है। मंत्रालय के अनुसार, यह हल्का बैकबेंड योगासन शरीर को मजबूत बनाने, लचीलापन बढ़ाने और समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में सहायक माना जाता है।

आयुष मंत्रालय के मुताबिक, अर्धउष्ट्रासन के नियमित अभ्यास से पीठ और गर्दन की मांसपेशियों को मजबूती मिल सकती है। मंत्रालय का कहना है कि यह कब्ज और पीठ दर्द से राहत दिलाने में भी सहायक हो सकता है। इसके अलावा, यह सिर और हृदय क्षेत्र में रक्त संचार बेहतर बनाने में मदद कर सकता है, जिससे शरीर को ऑक्सीजन और आवश्यक पोषक तत्वों की आपूर्ति बेहतर ढंग से हो सकती है।

मंत्रालय के अनुसार, इस योगासन का नियमित अभ्यास स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपनाने की दिशा में एक प्रभावी कदम हो सकता है।

इको-फ्रेंडली प्लास्टिक पैकेजिंग से बढ़ेगी खाने की शेल्फ लाइफ, घटेगा प्रदूषण

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आज के समय में खाने-पीने की चीजों को लंबे समय तक ताजा और सुरक्षित रखने में फूड पैकेजिंग की बहुत बड़ी भूमिका है। दूध, फल, सब्जियां, स्नैक्स या तैयार भोजन हर चीज को ऐसी पैकेजिंग की जरूरत होती है जो हवा और नमी से बचाकर उसकी गुणवत्ता बनाए रखे। लेकिन इसके लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला प्लास्टिक पर्यावरण के लिए बड़ी समस्या बन चुका है। यह वर्षों तक मिट्टी और पानी में पड़ा रहता है और आसानी से नष्ट नहीं होता। यही वजह है कि दुनिया भर के वैज्ञानिक ऐसे विकल्प तलाश रहे हैं जो भोजन को सुरक्षित रखने के साथ-साथ पर्यावरण को भी नुकसान न पहुंचाएं।

इसी दिशा में इंडोनेशिया के हसनुद्दीन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एंडी दिरपान और उनकी टीम ने एक नई तरह की बायोडिग्रेडेबल फूड पैकेजिंग फिल्म तैयार की है। यह फिल्म पौधों से बनने वाले प्लास्टिक

पॉलीलैक्टिक एसिड (पीएलए) पर आधारित है। खास बात यह है कि इसमें मजबूती बढ़ाने के लिए माइक्रोक्रिस्टलाइन सेल्यूलोज (एमसीसी) और ऑक्सीजन को नियंत्रित करने के लिए ब्यूटाइलेटेड हाइड्रॉक्सीटोल्यून (बीएचटी) का इस्तेमाल किया गया है। इस शोध को 5 मई 2026 को ऑनलाइन प्रकाशित किया गया और मार्च 2027 में आसियान जर्नल फॉर साइंस एंड इंजीनियरिंग इन मैटेरियल्स के वॉल्यूम 6 में प्रकाशित किया जाएगा।

सामान्य तौर पर पीएलए को पर्यावरण-अनुकूल प्लास्टिक माना जाता है क्योंकि यह प्राकृतिक स्रोतों से बनता है और समय के साथ नष्ट भी हो जाता है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी कमी यह है कि यह सामान्य प्लास्टिक जितना मजबूत नहीं होता और ऑक्सीजन को भी उतनी अच्छी तरह नहीं रोक पाता। ऑक्सीजन के संपर्क में आने से खाने की चीजें जल्दी खराब होने लगती हैं। इसलिए वैज्ञानिक लंबे समय से ऐसा तरीका खोज रहे थे जिससे पीएलए की मजबूती भी बढ़े और वह ऑक्सीजन को भी बेहतर तरीके से नियंत्रित कर सके।

इस शोध का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि इसमें प्रयुक्त सेल्यूलोज को लकड़ी या पारंपरिक फसलों के बजाय, फर्मेंटेड (किण्वित) नारियल पानी से तैयार किया गया है। यह वही प्रक्रिया है, जिसके ज़रिए 'नाटा डी कोको' नामक जेलीनुमा खाद्य पदार्थ बनाया जाता है। इस प्रक्रिया के दौरान बैक्टीरिया पूरी तरह शुद्ध और रेशेदार सेल्यूलोज का निर्माण करते हैं। वैज्ञानिकों ने इस सेल्यूलोज को परिष्कृत (साफ) करके 'माइक्रोक्रिस्टलाइन सेल्यूलोज' (एमसीसी) पाउडर में बदला और फिर इसे पीएलए फिल्म में मिलाया। इस फिल्म को तीन बारीक परतों में तैयार किया गया, जबकि बीएचटी को केवल भीतर की दो परतों में रखा गया ताकि वह सीधे भोजन के संपर्क में रहकर ऑक्सीजन के प्रभाव को नियंत्रित कर सके।

इंजेक्शन की जगह मुंह से दवा भी उतनी ही असरदार, गंभीर निमोनिया वाले बच्चों के इलाज पर रिसर्च

विश्व केसरी

नई दिल्ली । दुनियाभर में हर साल लाखों बच्चे निमोनिया जैसी खतरनाक बीमारी की चपेट में आते हैं और बड़ी संख्या में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ता है। गरीब और विकासशील देशों में यह बीमारी बच्चों की मौत का बड़ा कारण बनी हुई है। ऐसे में अब एक नई अंतरराष्ट्रीय रिसर्च सामने आई है, जिसमें दावा किया गया है कि निमोनिया से पीड़ित बच्चे की तबीयत में सुधार होने के बाद इंजेक्शन की जगह मुंह से दी जाने वाली एंटीबायोटिक दवा देना पूरी तरह सुरक्षित और असरदार है।

दरअसल, सिटी सेंट जॉर्ज यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, यूसीएल इनोवेटिव क्लिनिकल ट्रायल्स यूनिट और अफ्रीका व यूरोप के कई वैज्ञानिकों ने मिलकर ये रिसर्च तैयार की है। इसके नतीजे दुनिया की प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल द लैंसेट में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि अगर भविष्य में इस रिसर्च के आधार पर इलाज के नियम बदले जाते हैं, तो दुनियाभर में लाखों बच्चों को इसका फायदा मिल सकता है।

रिसर्च में बताया गया है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की सलाह के अनुसार, गंभीर निमोनिया वाले बच्चों को कम से कम पांच दिन तक इंजेक्शन के जरिए एंटीबायोटिक दी जाती है। इसके कारण कई बच्चों को अस्पताल में जरूरत से ज्यादा समय तक रहना पड़ता है। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे की हालत पहले ही काफी बेहतर हो जाती है, लेकिन इलाज पूरा करने के लिए उसे अस्पताल में ही रखना पड़ता है।

डॉक्टरों का कहना है कि अस्पताल में ज्यादा दिन तक रहने से कई तरह की परेशानियां बढ़ जाती हैं। इलाज का खर्च बढ़ता है, अस्पतालों पर मरीजों का दबाव बढ़ता है और बच्चों में अस्पताल के अंदर होने वाले दूसरे संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। साथ ही, लंबे समय तक अस्पताल में रहने से बच्चे और उनके परिवार मानसिक और आर्थिक दोनों तरह की परेशानी का सामना करते हैं।

इन्हीं समस्याओं को देखते हुए वैज्ञानिकों ने पेडीकैप नाम से एक रिसर्च की। इस रिसर्च में दो महीने से छह साल तक की उम्र के 1,101 बच्चों को शामिल किया गया। इन बच्चों को बीमारी गंभीर होने के कारण अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। यह रिसर्च दक्षिण अफ्रीका, युगांडा, जाम्बिया, जिम्बाब्वे और मोजाम्बिक के 13 अस्पतालों में किया गया।

रिसर्च के दौरान सभी बच्चों का इलाज डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइन के मुताबिक शुरुआत में इंजेक्शन वाली एंटीबायोटिक से किया गया। इसके बाद डॉक्टरों ने बच्चों की हालत पर नजर रखी। जिन बच्चों की तबीयत में सुधार दिखा, उनमें से कुछ को इंजेक्शन बंद करके मुंह से दी जाने वाली एमॉक्सिसिलिन दवा दी गई।

मंगोलिया में ब्यूबोनिक प्लेग की दस्तक, मार्मोट का मांस खाने से हुआ संक्रमण

विश्व केसरी

उलानबटार। मंगोलिया के पश्चिमी खोव्द प्रांत में ब्यूबोनिक प्लेग के एक संदिग्ध मामले की प्रयोगशाला जांच में पुष्टि हुई है। राष्ट्रीय जूनोटिक रोग केंद्र (एनसीजेडडी) ने शुक्रवार को बताया कि अंतिम बैक्टीरियोलॉजिकल जांच में संक्रमण की पुष्टि हुई।

एनसीजेडडी के अनुसार, संक्रमित व्यक्ति को पड़ोसी बायान-उल्गी प्रांत के उलानखुस क्षेत्र की यात्रा के दौरान मार्मोट (एक प्रकार की जंगली गिलहरी) का मांस खाने के बाद संक्रमण हुआ।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से मार्मोट का शिकार न करने, उसका मांस या आंतरिक अंग न छूने और मृत या बीमार जंगली कृंतकों के संपर्क से बचने की अपील की है। केंद्र ने चेतावनी दी कि ऐसी गतिविधियों से संक्रमण का खतरा काफी बढ़ जाता है।

हालांकि मंगोलिया में मार्मोट के शिकार पर कानूनी प्रतिबंध है, लेकिन कुछ लोग अब भी इसे

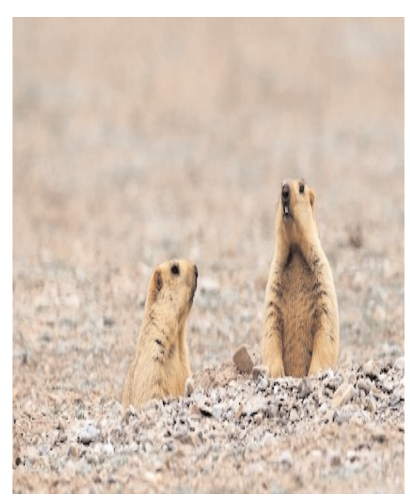

स्वादिष्ट भोजन मानते हैं, जिसके कारण अवैध शिकार जारी है।

एनसीजेडडी के अनुसार, गर्मियों के महीनों में प्लेग फैलने का खतरा बढ़ जाता है क्योंकि इस दौरान बड़ी संख्या में लोग ग्रामीण इलाकों की यात्रा करते हैं और कुछ लोग मार्मोट का मांस भी खाते हैं। पिछले वर्षों में भी इसी अवधि के दौरान मंगोलिया में ब्यूबोनिक प्लेग के कई मामले सामने आए हैं, जिनमें कुछ मरीजों की मौत भी हुई थी।

केंद्र ने बताया कि मंगोलिया के 21 में से 17 प्रांत वर्तमान में प्लेग प्रभावित या उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की श्रेणी में हैं।

पिछले वर्ष सितंबर में देश में ब्यूबोनिक प्लेग के तीन मामलों की पुष्टि हुई थी, जिनमें से दो खुव्सगुल प्रांत के थे। सभी मरीजों का उपचार खुव्सगुल प्रांतीय जनरल अस्पताल में किया गया था। संक्रमितों के संपर्क में आए 80 लोगों को पृथक (आइसोलेट) कर स्थानीय अस्पतालों में इलाज दिया गया था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, ब्यूबोनिक प्लेग एक जीवाणुजनित (बैक्टीरियल) बीमारी है, जो जंगली कृंतकों, विशेषकर मार्मोट जैसे जानवरों पर रहने वाले पिस्सुओं के माध्यम से फैलती है।

तनावमुक्त जीवन और बेहतर एकाग्रता के लिए करें उत्थित पार्श्वकोणासन योगासन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आज की व्यस्त जीवनशैली में शारीरिक संतुलन और आंतरिक ऊर्जा को बनाए रखना एक चुनौती बन गया है। ऐसी स्थिति में उत्थित पार्श्वकोणासन एक ऐसा योगासन है, जो शरीर को ताजगी प्रदान करता है।

उत्थित का अर्थ है, खिंचाव, पार्श्व का अर्थ बगल और कोण का अर्थ एंगल हैं। यह एक ऐसा आसन है जिसमें शरीर के पार्श्व (साइड) भाग में एक संपूर्ण और सुंदर पार्श्व-कोण बनता है। यह न केवल हमारी शारीरिक शक्ति और लचीलेपन को बढ़ाता है, बल्कि मन में स्थिरता और एकाग्रता भी लाता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, उत्थित पार्श्वकोणासन (विस्तारित पार्श्व कोण मुद्रा) खड़े होकर किए जाने वाले योगासनों में से एक सबसे महत्वपूर्ण और व्यापक आसन है, जो पेट के अंगों की मालिश करता है, पाचन में सुधार लाता है, और पैरों व रीढ़ को मजबूत करता है। इसके अलावा, शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है और रीढ़ की हड्डी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही, यह छाती के विकास और साइटिका के दर्द में राहत दिलाता है। हालांकि, अगर कोई व्यक्ति साइटिका से ज्यादा परेशान है, तो वे सबसे पहले डॉक्टर से सलाह करें।

इसको करना बेहद आसान है। इसके लिए सबसे पहले योगा मैट पर दोनों पैरों को एक दूसरे से दूर फैला लें। अब दाहिने पैर के पंजे को बाहर की तरफ घुटने से धीरे-धीरे मोड़ें और उसी मुद्रा में नीचे की ओर बैठें। फिर अपने दाएं हाथ को दाएं पैर के पास जमीन पर रखें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर सीधा 90 डिग्री के एंगल में रखने की कोशिश करें। कुछ देर इसी मुद्रा में रहने की कोशिश करें, फिर धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं। हालांकि, शुरुआती अभ्यासकर्ताओं को इसको करने में थोड़ी दिक्कत हो सकती है, लेकिन धीरे-धीरे आदत हो जाएगी और शरीर खुलने लगेगा। इसी प्रक्रिया को दूसरी तरफ (बाएं पैर को मोड़कर) दोहराएं।

हेयर स्टाइलिंग के शौक में बालों को न करें खराब, इन टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल पड़ सकता है भारी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आज के समय में हर कोई अपने बालों को खूबसूरत और स्टाइलिश दिखाना चाहता है। किसी खास मौके पर जाना हो या रोजाना का लुक बदलना हो, लोग अलग-अलग तरह के हेयरस्टाइल बनाते हैं। बालों को सीधा करने के लिए स्ट्रेटनर, घुंघराले बनाने के लिए कर्लिंग मशीन, बालों को जल्दी सुखाने के लिए हेयर ड्रायर और बालों को घना दिखाने के लिए एक्सटेंशन का इस्तेमाल आम हो गया है। ये चीजें कुछ मिनटों में बालों को आकर्षक बना देती हैं, लेकिन अगर इनका इस्तेमाल सही तरीके से न किया जाए तो धीरे-धीरे बालों की मजबूती कम हो सकती है। डर्मेटोलॉजिस्ट के अनुसार, बालों की बाहरी परत जिसे क्यूटिकल कहा जाता है, वह बालों को सुरक्षित रखने का काम करती है। जब बार-बार तेज गर्मी, खिंचाव या भारी एक्सेसरीज का इस्तेमाल किया जाता है तो यह सुरक्षा परत कमजोर होने लगती है, जिससे बाल रूखे, बेजान, कमजोर और टूटते हैं।

हेयर स्ट्रेटनर, कर्लिंग आयरन, और ब्लो ड्रायर सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले टूल्स हैं। इनसे बाल तुरंत सुंदर दिखने लगते हैं, लेकिन ज्यादा गर्मी बालों की अंदरूनी नमी को कम कर देती है। बालों में मौजूद प्राकृतिक प्रोटीन कमजोर होने लगते हैं, जिससे बालों की चमक कम हो सकती है और दोमुंहे बालों की समस्या बढ़ सकती है। ब्लो ड्रायर की गर्म हवा सीधे स्कैल्प पर पड़ने से सिर की त्वचा में सूखापन भी बढ़ सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर हीट स्टाइलिंग टूल्स का इस्तेमाल करना जरूरी हो तो बालों पर पहले हीट प्रोटेक्शन प्रोडक्ट लगाना बेहतर होता है। साथ ही तापमान को जरूरत से ज्यादा बढ़ाने से बचना चाहिए। रोजाना इन टूल्स का इस्तेमाल करने के बजाय बीच-बीच में बालों को प्राकृतिक रूप से आराम देना जरूरी है।

बालों को कसकर बांधने की आदत भी धीरे-धीरे नुकसान पहुंचा सकती है। कई लोग लंबे समय तक टाइट पोनीटेल, कसी हुई चोटी, या बहुत खिंची हुई हेयरस्टाइल रखते हैं। इससे बालों की जड़ों पर लगातार दबाव पड़ता है। मेडिकल भाषा में इसे ट्रैक्शन एलोपेसिया कहा जाता है, जिसमें बार-बार खिंचाव के कारण बालों की जड़ें कमजोर होकर झड़ने लगती हैं। खासतौर पर माथे के पास और किनारों के बाल इससे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं।

भारत ने 3-0 से जीती सीरीज

तीसरे टी20 में 35 रन से जिम्बाब्वे को हराया

एजेंसी ■ हरारे

भारतीय क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे को 3 टी20 मैचों की सीरीज में 3-0 से हरा दिया है। रविवार को खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर सीरीज पर अजेय रहते हुए कब्जा किया।

193 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पहली ही गेंद पर ओपनर ब्रायन बेनेट का विकेट खो दिया। इसके बाद टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट खोए। 65 रन पर 4 विकेट गंवा चुकी जिम्बाब्वे के लिए 5वें विकेट के लिए रयान बर्ल और वेस्ली मधेवेरे ने 60 रन की पारी घोषित की। इसी साझेदारी की वजह से जिम्बाब्वे 150 के पार पहुंच सकी।

जिम्बाब्वे की तरफ से रयान बर्ल एकमात्र बल्लेबाज रहे, जो भारतीय गेंदबाजों का सामना कर सके। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए बर्ल ने शानदार अर्धशतक लगाया। बर्ल 43 गेंदों पर 54 रन बनाकर नाबाद रहे। इसके अलावा, बेन करन ने 20, डियोन मायर्स ने 19, मधेवेरे ने 28, और ब्रैड इवांस ने 14 रन बनाए। जिम्बाब्वे 20 ओवर में 7 विकेट पर 157 रन बना सकी और 35 रन से मैच हार गई।

भारत की तरफ से मयंक यादव सबसे सफल गेंदबाज रहे। मयंक ने 4 ओवर में यश ठाकुर ने 4 ओवर में 45 रन देकर 2, अशोक शर्मा ने 4 ओवर में 20 रन देकर 1, रवि बिश्नोई ने 4 ओवर में 24 रन देकर 1 विकेट लिए।

इससे पहले, भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाए थे।

भारत की तरफ से युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 81 रनों की विस्फोटक पारी खेली। वैभव ने 49 गेंदों की अपनी पारी में 4 छक्के और 8 चौके लगाए। यह उनका दूसरा टी20 अर्धशतक था। वैभव ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 75 और तीसरे विकेट के लिए कप्तान अय्यर के साथ 50 रन की साझेदारी की थी। वैभव के अलावा ईशान किशन ने 26 गेंदों पर 29, कप्तान श्रेयस अय्यर ने 18 गेंदों पर 27 और रिंकू सिंह ने 14 गेंदों पर 25 रन की पारी खेली थी।

सब-जूनियर विमेन चैंपियनशिप: शानदार जीत के साथ आरके रॉय हॉकी एकेडमी की शुरुआत

विश्व केसरी ■

ग्वालियर। चौथी हॉकी इंडिया सब-जूनियर विमेन एकेडमी चैंपियनशिप 2026 (जोन-ए और बी) की शुरुआत रविवार को हुई। आरके रॉय हॉकी एकेडमी ने शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, जबकि स्पोर्ट्स हॉकी एकेडमी ऑफ खालसा (कोलकाता) और राजा करण हॉकी एकेडमी का मैच ड्रॉ रहा। नौ दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में चार पूल में 15 एकेडमी हिस्सा ले रही हैं। यह टूर्नामेंट 3 अगस्त तक चलेगा और प्रत्येक ग्रुप की टॉप टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी। चैंपियनशिप का पहला मुकाबला स्पोर्ट्स हॉकी एकेडमी ऑफ खालसा (कोलकाता) और राजा करण हॉकी एकेडमी के बीच काफी कड़ा रहा। मुकाबले के अधिकतर समय तक कोई गोल नहीं हुआ, लेकिन 47वें मिनट में सौमी माझी ने फील्ड गोल करके कोलकाता की एकेडमी को बढ़त दिलाई। हालांकि, राजा करण हॉकी एकेडमी ने रिया के गोल के जरिए वापसी की, जिन्होंने 51वें मिनट में फील्ड गोल करके स्कोर बराबर कर दिया और मैच 1-1 से ड्रॉ रहा, जिससे दोनों टीमों को अपने पहले मैच से एक-एक प्वाइंट मिला।

दिन का दूसरा मैच एकतरफा रहा, जिसमें आरके रॉय हॉकी एकेडमी ने शानदार खेल दिखाते हुए मुंबई स्कूल्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन को 4-0 से हराया।

सोनाक्षी कुमारी ने 8वें और 33वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर जीत की नींव रखी। कप्तान शिवानी कुमारी ने 27वें मिनट में फील्ड गोल किया और फिर कृतिका कुमारी ने 42वें मिनट में एक और फील्ड गोल करके शानदार प्रदर्शन को पूरा किया। इस तरह आरके रॉय हॉकी एकेडमी ने बड़ी जीत हासिल की और पूल-बी की स्टैंडिंग में शुरुआती बढ़त बनाई।

इस चैंपियनशिप में देशभर की 15 हॉकी एकेडमी हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें चार पूलों में बांटा गया है। 'पूल-ए' में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ गुजरात-हॉकी एकेडमी, हॉकी फैमिली बड़खालसा एनसीआर हॉकी सोसाइटी और प्रीतम सिवाच हॉकी एकेडमी, सोनीपत शामिल हैं। वहीं 'पूल-बी' में स्पोर्ट्स हॉकी एकेडमी ऑफ खालसा, कोलकाता, राजा करण हॉकी एकेडमी, आरके रॉय हॉकी एकेडमी और मुंबई स्कूल्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन को जगह मिली है।

'मैन ऑफ द सीरीज' अवॉर्ड जीतना सपना सच होने जैसा: वैभव सूर्यवंशी

विश्व केसरी ■

हरारे। भारतीय क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे को 3 टी20 मैचों की सीरीज में 3-0 से हरा दिया है। तीसरे टी20 में भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर मैच और सीरीज पर कब्जा किया। भारतीय टीम की जीत में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की अहम भूमिका रही। टूर्नामेंट में उन्होंने सर्वाधिक रन बनाते हुए प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब जीता। वैभव ने कहा है कि प्लेयर ऑफ द सीरीज जीतना उनके लिए सपने सच होने जैसा है।

सूर्यवंशी ने कहा, 'यह सपना सच होने जैसा पल है। अपना पहला मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज अवॉर्ड पाकर मैं बहुत खुश हूं।

वैभव ने कहा, 'हरारे पहुंचने के बाद दो या तीन दिनों तक हमारी तैयारी बहुत अच्छी रही। मैंने यहां अंडर-19 वर्ल्ड कप भी खेला था, इसलिए मुझे इस जगह पर खेलने में बहुत मजा आता है। सभी ने मेरा साथ दिया—कप्तान, कोच, सभी—इसलिए मैं बहुत खुश हूं।

3एम ओपन में जैक्सन कोइवुन का जलवा, रिकॉर्ड की बराबरी के साथ बढ़त बनाई

विश्व केसरी ■

ब्लेन (यूएसए)। अमेरिका के उभरते हुए गोल्फर जैक्सन कोइवुन ने 3एम ओपन के तीसरे राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट रिकॉर्ड 10-अंडर 61 का स्कोर बनाया। इस दमदार पारी के साथ वह टीपीसी ट्विन सिटीज में खेले जा रहे टूर्नामेंट में अकेले शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। जैक्सन अपने करियर का पहला पीजीए टूर खिताब जीतने की मजबूत स्थिति में हैं।

21 वर्षीय कोइवुन, जो पिछले महीने यूएस ओपन के बाद ही प्रोफेशनल बने थे, उन्होंने 64, 68 और 61 के राउंड के साथ 20-अंडर पार का स्कोर हासिल किया और रविवार को होने वाले फाइनल राउंड से पहले तीन शॉट की बढ़त बना ली।

कोइवुन के शानदार राउंड में छह बर्डी और दो ईगल शामिल थे, और इनवर्ड नाइन (अंतिम नौ होल) में उनकी रफ्तार और बढ़ गई। उन्होंने बैक नाइन (अंतिम नौ होल) को आठ-अंडर 28 में पूरा किया, जो टूर्नामेंट के अंतिम हिस्से के लिए एक नया रिकॉर्ड है। उनकी छह में से चार बर्डी और दोनों ईगल 'टर्न' (नौ होल पूरे करने) के बाद आए।

ऑबर्न में शानदार कॉलेज करियर के बाद, जहां वे दुनिया के टॉप-रैंक वाले एमेच्योर थे, इस अमेरिकी खिलाड़ी ने हाल के महीनों में तेजी से तरक्की की है। 3एम ओपन उनका 13वां पीजीए टूर टूर्नामेंट है और प्रोफेशनल के तौर पर सिर्फ तीसरा। जॉन डियर क्लासिक में अपने प्रोफेशनल डेब्यू में कट से चूकने के बाद, कोइवुन ने आईएससीओ चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 10वां स्थान हासिल किया और अब वे अपनी पहली बड़ी जीत के करीब हैं।

बेन कोहल्स और एमिलियानो ग्रिलो 17-अंडर पार के स्कोर के साथ कोइवुन के सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी बने हुए हैं और उनसे तीन शॉट पीछे हैं। दोनों खिलाड़ियों ने तीसरे राउंड में पांच-अंडर 66 का स्कोर किया और दूसरे स्थान पर अपनी जगह बनाए रखी। कोहल्स ने इससे पहले 62 और 69 का स्कोर किया था, जबकि ग्रिलो ने पिछले 64 और 67 के स्कोर के साथ 66 का स्कोर जोड़ा।

माइकल किम, जिन्होंने शुक्रवार को शानदार 12-अंडर 59 का स्कोर करके सुर्खियां बटोरी थीं—जो पीजीए टूर के इतिहास में केवल 15वां सब-60 राउंड था—वही लय बरकरार नहीं रख सके। तीसरे राउंड में 'वन-अंडर 70' के स्कोर के साथ वह 15-अंडर पर छठे स्थान पर आ गए, जो कोइवुन से पांच स्ट्रोक पीछे थे। किम ने अपने राउंड के दौरान दो बर्डी और एक बोगी लगाई।

वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी स्कॉटी शेफलर दिन का सबसे शानदार प्रदर्शन करते हुए 'सेवन-अंडर 64' का स्कोर बनाया और 14-अंडर के साथ संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर पहुंच गए। शेफलर ने 'बैक नाइन' में जबरदस्त खेल दिखाया और 'सेवन-अंडर 29' का स्कोर किया।

एथलीट पहले से ज्यादा साहसी हो गए हैं- नीरज चोपड़ा

विश्व केसरी ■

ग्लासगो । भारत के 'गोल्डन बॉय' के नाम से मशहूर टोक्यो ओलंपिक में जैवलीन में स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में हिस्सा लेने के लिए ग्लासगो पहुंच चुके हैं। नीरज ग्लासगो में गोल्ड कोस्ट में स्वर्ण पदक जीतने वाली सफलता को दोहराना चाहते हैं। उन्होंने कहा है कि अब हमारे एथलीट पहले से ज्यादा निर्भीक हो गए हैं और खुद को किसी विदेशी एथलीट से कम नहीं आंकते हैं।

मीडिया से बात करते हुए नीरज चोपड़ा ने कहा, 'हमारे एथलीट पहले से ज्यादा निर्भीक हो गए हैं। पहले हमें विदेशी एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में घबराहट होती थी। पहले हमारे एथलीट विदेशी एथलीटों को खुद से मजबूत आंकते थे। अब ऐसा नहीं है। अब हम कड़ी ट्रेनिंग करते हैं। हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है।

तेज हवा और ठंड से जुड़े सवाल पर चोपड़ा ने कहा कि कंडीशन अनुकूल नहीं है, लेकिन ये सभी के लिए है। हमें घबराना नहीं है, बल्कि मानसिक रूप से मजबूत होना है। खराब से खराब स्थिति में हम क्या बेहतर कर सकते हैं, मैं इसके बारे में सोचता हूं।

सीडब्ल्यूजी 2026: मैच के दौरान बुरी तरह गिरने वाले जिम्नास्ट गैब्रियल लैंगटन को मिली अस्पताल से छुट्टी

विश्व केसरी ■

ग्लासगो । ब्रिटिश जिम्नास्टिक्स ने बताया कि कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 में पुरुषों की टीम फाइनल के दौरान बुरी तरह गिरने के बाद रिकवर हो रहे इंग्लिश जिम्नास्ट गैब्रियल लैंगटन को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

लैंगटन हवा में तीन मीटर की ऊंचाई पर हॉरिजॉन्टल मेटल बार पर अपनी पकड़ चूकने के बाद सिर के बल जमीन पर गिर गए थे। 'द एरिना' में फाइनल रोटेशन के दौरान बुरी तरह गिरने के बाद 19 साल के इस खिलाड़ी का मैट पर ही काफी देर तक इलाज चला, जिससे खेल में काफी देर तक रुकावट आई।

आखिरकार, उनके सिर और गर्दन को सहारा देकर स्ट्रेचर पर लिटाया गया और फिर ट्रॉली से ले जाया गया। एरिना से निकलने से पहले लैंगटन होश में दिखे और अपने हाथ-पैर हिला रहे थे। ब्रिटिश जिम्नास्टिक्स ने लैंगटन के बारे में अपडेट देते हुए कहा कि उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई है। एक बयान में कहा गया, 'एहतियात के तौर पर गैब्रियल को रात भर के लिए अस्पताल में रखा गया था और आज कई स्कैन किए गए, जिनके नतीजे बहुत अच्छे रहे। अच्छी बात यह है कि उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई है और आज शाम उन्हें टीम होटल वापस भेज दिया जाएगा।'

बयान में आगे कहा गया, 'वह अच्छे मूड में हैं और लोगों से मिले सपोर्ट के मैसेज और मेडिकल टीम की बेहतरीन देखभाल के लिए बहुत आभारी हैं। आज शाम उन्हें टीम इंग्लैंड की मेडिकल टीम की देखरेख में टीम होटल भेज दिया जाएगा।' लैंगटन ने फ्लोर और रिंग्स इवेंट में शानदार प्रदर्शन किया, जिससे इंग्लैंड के पास अपना गोल्ड मेडल बचाने का अच्छा मौका था। हालांकि, आखिर में कनाडा ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 20 साल बाद पहला गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं, इंग्लैंड को सिल्वर से संतोष करना पड़ा।

इंग्लैंड की टीम जब मेडल लेने के लिए पोडियम पर गई, तब गैब्रियल लैंगटन उनके साथ मौजूद नहीं थे। बाद में जब वह टीम होटल पहुंचे, तो उन्हें उनका सिल्वर मेडल दिया गया। टीम होटल में उनके पहुंचने इंग्लैंड टीम ने खुशी जताते हुए कहा, 'गैब्रियल लैंगटन को उनके सिल्वर मेडल के साथ वापस देखकर बहुत अच्छा लग रहा है।

भारतीय पुरुष टीम ने जीता गोल्ड, महिला टीम को सिल्वर से करना पड़ा संतोष

विश्व केसरी ■

मस्कट । भारतीय भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप के खिताब को अपने नाम किया। फाइनल में भारतीय टीम ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 3-1 से हराया।

रोमित पाल (5वें मिनट), कप्तान केतन कुशवाहा (12वें मिनट) और शाहरुख अली (13वें मिनट) के गोल की बदौलत भारत ने खिताबी मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। एशियाई चैंपियन बना। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम का दबदबा देखने को मिला। फाइनल मुकाबले में भारत ने सटीक पासिंग और अनुशासित खेल के साथ शुरुआत में ही बढ़त बना ली। रोमित पाल ने पहले हाफ में गोल करते हुए भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। उन्होंने पाकिस्तानी गोलकीपर को छकाते हुए शानदार गोल दागा।

दूसरे हाफ की शुरुआत में भारत ने अपना दबदबा और बढ़ाया; कप्तान केतन कुशवाहा ने गोल करते हुए भारत की बढ़त को दोगुना किया, तो इसके तुरंत बाद शाहरुख अली ने गोल करते हुए स्कोर 3-0 कर दिया। पाकिस्तान की ओर एकमात्र गोल मुहम्मद उस्मान ने मैच के 16वें मिनट में दागा। हालांकि, इसके अलावा भारतीय टीम ने पाकिस्तान को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। फाइनल में पहुंचने की वजह से, भारत और पाकिस्तान दोनों ने पहली एफआईएच यूथ हॉकी5एस वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई भी कर लिया है।

हालांकि, भारत की महिला टीम को फाइनल मैच में चीन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। चीन ने भारतीय डिफेंस को भेदते हुए मैच में कुल 4 गोल दागे, जबकि भारत की बेटियां सिर्फ 2 गोल ही कर सकीं। खिताबी मैच में हार के कारण भारतीय महिला टीम को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। दोनों टीमों के शानदार प्रदर्शन का जश्न मनाते हुए, हॉकी इंडिया ने टीमों के लिए नकद पुरस्कारों की घोषणा की। गोल्ड मेडल जीतने वाली पुरुष टीम के हर खिलाड़ी को 2 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा, जबकि सपोर्ट स्टाफ के हर सदस्य को 1 लाख रुपये मिलेंगे। इसके अलावा, सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय महिला टीम की हर खिलाड़ी को 1 लाख रुपये मिलेंगे और सपोर्ट स्टाफ के हर सदस्य को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415